{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 10 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 78
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	84,666.28
निफ्टी	25,839.65
सोना	1,29,440
चांदी	1,90,000
डॉलर	89.85

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अनिल अंबानी के बाद बेटे अनमोल पर एफआईआर

मुंबई। सीबीआई ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के बड़े बेटे जय अनमोल के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस से जुड़ी कंपनियों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ 228.06 करोड़ रुपए का धोखाधड़ी किया। अधिकारियों के मुताबिक, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड ने यूनियन बैंक से अलग-अलग लोन लिए थे। ये लोन जनरल पर्पज कॉर्पोरेट लोन के नाम पर लिए गए, लेकिन इनका इस्तेमाल नियमों के खिलाफ दूसरी जगह डायवर्ट कर दिया गया। जय अनमोल पहली बार किसी बड़े क्रिमिनल केस में सीधे आरोपी बने हैं।

सोनिया गांधी को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को नोटिस दिया है। यह नोटिस उस याचिका पर आया है, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980-81 की वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़ा गया था। इसके अलावा याचिका में मजिस्ट्रेट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है और पूरे केस का रिकॉर्ड मंगाया है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। इस दौरान सोनिया और राज्य सरकार को नोटिस का जवाब देना होगा।

अभिनेता विजय की रैली में बंदूक लेकर घुसा शख्स...रैली में मचा हड़कंप

पुडुचेरी। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने पुडुचेरी स्थित उप्पलम के एक्सपो ग्राउंड (न्यू पोर्ट) में विशाल रैली की। इस दौरान तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने बंदूक लेकर घुसने की कोशिश की, इससे रैली में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल व्यक्ति को गिरफ्तार किया। व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास लाइसेंसी रिवॉल्वर है। शख्स ने बताया कि वह एक निजी सुरक्षा अधिकारी है, लेकिन समय पर नहीं पहुंचने के कारण अपनी टीम के साथ नहीं जा पाया। दूसरी तरफ, अभिनेता विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई। रैली में सिर्फ 5,000 लोगों की एंट्री की अनुमति दी गई थी। लेकिन, बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंच गए। युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गई। रैली में पहुंचे लोग विजय की झलक पाने के लिए पास के पेड़ों पर भी चढ़ गए।

कुछ ना कहना

बालाघाट में 7 दिसम्बर को हथियार डालने वाले माओवादी सिंगा मण्डावी उर्फ़ लालसिंह मरावी की अनकही कहानी

पिता भीमा ने बताया -हम किराया जोड़ रहे हैं, गाँव में चंदा कर रहे हैं ताकि बालाघाट जाकर उसे ला सकें. माँ ने कहा - बेटे को घर लाकर खेती कराएंगे, अब भटकने नहीं देंगे!!

वर्षों पहले बेटे सिंगा मण्डावी की कोई ख़बर ना मिलने पर सब उसे मृत मान

एक्सप्रेस विशेष
दंतेवाड़ा और बालाघाट में

उस दिन दंतेवाड़ा के सिंगा के गाँव में सब लोग नाच रहे थे. सब पागलों की भांति चिल्ला रहे थे. ख़ुशी का आलम ऐसा था कि कोई भरोसा शायद ही करता. सिंगा के ज़िंदा रहने तथा बालाघाट में सरेंडर करने कि ख़बर जब रविवार रात जब डी आर जी जवान ने फोन कर बताया कि बेटा जिन्दा है और बालाघाट में आत्मसमर्पण कर चुका है.

इस तरह - जिस नक्सली को परिजन मरा हुआ मान चुके थे उसने बालाघाट में सरेंडर किया.बताते हैं कि सिंगा को संगठन से जोड़ने वाला नक्सली आत्मसमर्पण कर भर्ती हो गया डीआरजी में.

अब पिता बोले-एमपी जाने गांव में जुटा रहे चंदा, ग्रामीण बोले - अब कलंक मिट गया. अब हम ख़ुश हैं.

15 साल की उम्र में घर छोड़कर नक्सल संगठन में शामिल हुआ छोटेगुडरा निवासी सिंगा मंडावी (नक्सल संगठन में नाम लालसिंह मरावी उर्फ प्रवीण) रविवार को बालाघाट में दस अन्य नक्सलियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। कई वर्षों से बेटे की कोई खबर न मिलने पर परिजन उसे मृत समान चुके थे। और सोच रहे थे कि अब वह शायद ही वापस आये उसकी आत्मसमर्पण की सूचना मिलते ही परिवार सदमे और खुशी के बीच घिर गया।उस माओवादी के पिता भीमा मंडावी अब बालाघाट जाकर बेटे से मिलने की तैयारी में हैं.

और गांव में लोग उसके लिए चंदा जुटा रहे हैं। सिंगा की मां हूंगी मंडावी ने हमें बताया कि वह लगभग 15 साल का था जब घर से एक दिन गायब हो गया था। गांव वालों को शक था कि वह नक्सल संगठन में शामिल हो चुका है।

उन्होंने बताया कि गाँव के ही एक युवक मिडकोम राजू ने उसे संगठन में भर्ती करवाया था। मिडकोम राजू कटेकल्याण एलओएस सदस्य था, जिसने बाद में आत्मसमर्पण कर डीआरजी ज्वाइन किया था, लेकिन 2023 में अरनपुर में हुए आईईडी ब्लास्ट में 10 जवानों के साथ उसकी

भी मौत हो गई थी।

चकित परिजनों के मुताबिक सिंगा ने 2011 में नक्सल संगठन ज्वाइन किया था और व्हबाब समाज और घर से बहुत दूर जा चुका था. वह हथियार थाम चुका था।

उसने 5वीं तक की पढ़ाई जरीपारा स्कूल में की थी। चकित पिता भीमा ने कहा- हमको लगा था वह अब इस दुनिया में नहीं है, किसी न किसी मुठभेड़ में मर गया होगा। रविवार रात गांव के डीआरजी जवान ने फोन कर बताया कि बेटा जिंदा है और बालाघाट मध्यप्रदेश में शनिवार रात आत्मसमर्पण कर चुका है।

गांव की प्रोफाइल चेक करेंगे

दंतेवाड़ा के एसपी गौरव राय ने कहा छोटेगुडरा गांव की पूरी प्रोफाइल जांची जाएगी। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि गांव में अब कोई सक्रिय नक्सली बचा है या नहीं।

उधर सिंगा के आत्म समर्पण की खबर सुन लोग जुटे।इधर अब गांव हो गया नक्सल मुक्त- ग्रामीण ने कहा.

सिंगा के समर्पण के बाद गांव नक्सल मुक्त हुआ.ग्राम छोटेगुडरा दंतेवाड़ा जिले के अति संवेदनशील क्षेत्रों में आता है। यहां 2018 तक चुनाव नहीं हो पाते थे। एक बार सरपंच पद के प्रत्याशी को नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। करीब 200 परिवारों वाले इस गांव में 20 से ज्यादा युवा सीधे या परोक्ष रूप से नक्सलियों से जुड़े रहे। 2020 में 16 लोगों ने बड़ेगुडरा कैंप में आत्मसमर्पण किया था। नारायणपुर में माओ वा हड़मे ने सरेंडर किया थ बताया सिंगा ही आखि बचा था। उसके आत्मस हमारा गांव अब नक्सल है।

परिजन जुटे सिंगा र तैयारी में

उधर,सोमवार सुब गाँव में सिंगा के घर प की भीड़ उमड़ पड़ी। मा और ग्रामीण सभी उस तैयारी में जुटे थे। पि बताया हम किराया ज गांव में चंदा कर रहे बालाघाट जाकर उ सकें। मां ने कहा, बेटे क लाकर खेती कराएंगे, भटकने नहीं देंगे। इस तरह रास्ते से भटका ए युवा अब खेती करेगा वर्षों से तड़प रहे माता को सुकून देगा. उ इंतजार में पूरा गाँव खड़

सरकार ने इंडिगो की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती की

स्लॉट दूसरी एयरलाइंस को मिलेंगे, 10 बड़े एयरपोर्ट पर IAS भेजे; आज 400+ फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में लगातार 8 दिन से चल रहे संकट के बीच सरकार ने इंडिगो पर भी सख्त एक्शन लिया है। सोमवार को सिविल एविएशन मंत्रालय की हाई लेवल मीटिंग के दौरान एयरलाइन की 10त्न फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया गया।

यह कटौती हाई-डिमांड, हाई-फ्रीक्वेंसी रूट पर फ्लाइट में गई है। इसका असर इंडिगो की रोजाना ऑपरेट होने वाली 2300 फ्लाइट्स पर पड़ेगा। यानी लगभग 230 फ्लाइट्स घट जाएंगी। इसके अलावा इंडिगो को बुधवार शाम 5 बजे तक छ्वष्ट को एक बदला हुआ शेड्यूल जमा करने का भी निर्देश दिया गया है।

इधर केंद्र ने मौजूदा हालात की जांच के लिए 10 बडे एयरपोर्ट पर सीनियर अफसरों को तैनात किया है। ये लोग पता लगाएंगे कि यात्रियों को कौन-कौन सी परेशानी आ रही है। ये अफसर डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के हैं। 10 बड़े एयरपोर्ट में मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे, गुवाहाटी, गोवा और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं।

उधर, इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी है। देशभर में आज 400 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं।

इंडिगो सीईओ बोले- अब हमारे ऑपरेशन स्टेबल

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने मंगलवार को कहा कि इंडिगो फिर से पटरी पर आ गया है, और हमारा ऑपरेशन स्टेबल है। लाखों कस्टमर्स को उनका पूरा रिफंड मिल गया है। हम रोजाना ऐसा कर रहे हैं। हम अपने नेटवर्क में सभी 138 जगहों पर वापस आ गए हैं और सरकार के साथ कोऑपरेट कर रहे हैं।

खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाते ही बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत, 4 की मौत....बाकी का इलाज जारी

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर के खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। जहां 4 कर्मचारियों की मौत हो गई। बाकी का इलाज हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, ग्वालियर जाने के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। दो की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है। इसमें दयाराम, हार्दिक, रवि, रोशनी और गोलू शामिल हैं। इसमें रवि, रोशनी और गोलू वेंटिलेटर पर हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं। पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया

गया, जहां चारों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रशासन ने रिसॉर्ट सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि रिसॉर्ट मालिक विनोद कुमार गौतम बेल्जियम में रहते हैं।

वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्ट कर लिखा, जिस खजुराहो में कैबिनेट, उसी जिले में 4 मौत हो गईं, लेकिन सत्ता के महलों में बैठे मंत्री मौन हैं। 9 पीड़ित अस्पताल पहुंचाए गए, किंतु निर्लज्जता से भरी हुई निर्मम सरकारी कुर्सियां, उसी इलाके में सरकारी खर्चे पर मौज करती रहीं।

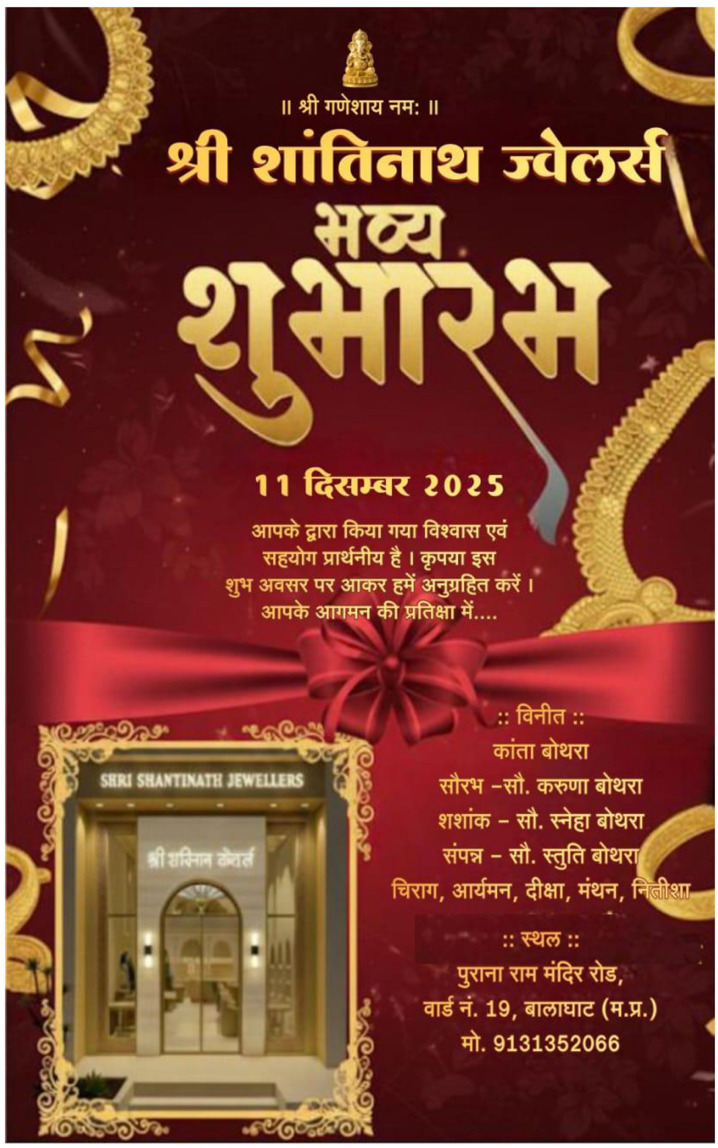

राज्य स्तरीय महिला/पुरुष हॉकी प्रतियोगिता

प्रदेश की विभिन्न हॉकी टीमो में दिखाया कलाई का जादू

रीवा, सागर, इंदौर और शहडोल ने जीता पहले दिन का मैच, 12 दिसंबर को फाइनल मैच व पुरस्कार वितरण के साथ होगा प्रतियोगिता का समापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

नगर के शहीद चन्द्रेशखर आजाद सिंथेटिक एस्टोटर्फ हॉकी मैदान में 9 से 12 दिसंबर तक राज्य स्तरीय महिला/पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसका शुभारंभ मंगलवार को विभिन्न जनप्रतिनिधियों की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।आयोजित इस राज्य स्तरीय महिला पुरुष हॉकी फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले दिन प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई 8 महिला व पुरुष टीमों के बीच 04 मुकाबले सम्पन्न कराए गए। जिसमें दिन का पहला मैच पुरुष वर्ग में सागर और रीवा के मध्य कराया गया, जिसमें अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए रीवा ने दिन का पहला मैच अपने नाम कर लिया। तो वही दिन का दूसरा मैच महिला वर्ग में सागर और रीवा के मध्य कराया गया जिसमें सागर की महिला टीम ने रीवा को हराकर दिन का दूसरा मैच अपने नाम किया। इसी तरह महिला वर्ग में दिन का तीसरा मैच इंदौर बनाम शहडोल के मध्य खेला गया जिसमें शहडोल की टीम अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन नहीं कर सकी और इंदौर ने यह मैच अपने नाम किया। इसी तरह दिन का चौथा व आखिरी मैच छिंदवाड़ा बनाम शहडोल के मध्य खेला गया, जिसमें शहडोल के खिलाड़ियों ने अपनी कलाई का जादू दिखाते हुए यह मैच अपने नाम कर लिया। इस तरह पहले दिन का मैच रीवा, सागर, इंदौर और शहडोल ने अपने नाम कर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।बताया गया कि 11 दिसंबर तक विभिन्न जिलों से आई टीमों के बीच प्रतियोगिता संपन्न कराकर 12 दिसंबर को महिला एवं पुरुष वर्ग का फाइनल मैच कराया जाएगा जहां पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन होगा।

प्रतियोगिता में 12 पुरुष, व 12 महिला टीमों का समावेश

नगर के स्टोटर्फ हॉकी मैदान में आयोजित इस राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में विभिन्न संभागों की टीमें शामिल हुई है इसमें जबलपुर संभाग, सागर, रीवा, शहडोल, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, खरगौन, गुना, छिंदवाड़ा, इंदौर व छतरपुर संभाग की टीमें शामिल है। बताया गया कि इसमें 12 महिला व 12 पुरुष टीमों का समावेश है।ज्ञात हो कि म.प्र शासन उच्च शिक्षा विभाग खेल सत्र 2025-26 के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट को राज्य स्तरीय पुरूष/महिला हॉकी प्रतियोगिता कराने का दायित्व दिया गया है।यह प्रतियोगिता 12 दिसम्बर तक स्थानीय शहीद चन्द्रेशखर आजाद सिंथेटिक एस्टोटर्फ हॉकी मैदान में आयोजित की गई है। मंगलवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।इस दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेडे, आरडीवीवी जबलपुर निदेशक विशाल बने , पीजी कालेज प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, आयोजक महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी अनिल झरबडे, विकास साहू ,डॉ. मधु भदोरिया, डॉ. सपन जाट, डॉ. गेंदलाल विश्वकर्मा, डॉ. स्टीफन डॉ. सचिन तिवारी, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. जे.पी. साहू सहित अनेक गणमान्य खेलप्रेमी उपस्थित रहे।आयोजन की सफलता में क्रीड़ा अधिकारी डॉ विनोद ठाकुर, डॉ विकास साहू, डॉ चाचाने, डॉ मनोज खरोले डॉ सचिन तिवारी और डॉ कविता, डॉ रेखा बिसेन मनीष शिवहरे का विशेष योगदान रहा।

काफी रोमांचक रहा पहले दिन का मुकाबला

आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ पुरुष वर्ग में जिला सागर और रीवा जिले के मध्य कराए गए मैच के साथ किया गया। जहां इस मैच में सागर टीम के खिलाड़ी अपनी कलाई का जादू दिखाने में नाकामयाब रहे, जिन्होंने लाख जद्दोजहद के बाद रीवा के खिलाफ महज 01 गोल दागने में कामयाबी हासिल की, जबकि रीवा के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सागर के खिलाफ एक के बाद एक लगातार 05 गोल दाग कर 5-1 से प्रतियोगिता का पहला मैच अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले चरण में अपनी जगह बनाई ,तो वही प्रतियोगिता में दिन का दूसरा मैच महिला वर्ग में सागर बनाम रीवा के मध्य खेला गया। इसमें रीवा की महिला टीम सागर के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी, जबकि सागर की महिला खिलाड़ियों ने रीवा के खिलाफ 1 गोल दागकर यह मैच 1-0 से अपने नाम किया और प्रतियोगिता के अगले चरण में अपनी जगह बनाई। इसी तरह दिन का तीसरा मैच इंदौर बनाम शहडोल के मध्य खेला गया, जिसमें शहडोल की महिला टीम अपने खेल का कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी, तो वही महिला इंदौर ने एक के बाद एक लगातार 4 गोल दागकर 4-0 से यह मैच अपने नाम कर लिया और प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया। तो वही दिन का चौथा व अंतिम मैच पुरुष वर्ग में छिंदवाड़ा बनाम शहडोल के मध्य खेला गया जिसमें छिंदवाड़ा की टीम शहडोल के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी, जबकि शहडोल ने लगातार एक के बाद एक 02 गोल दागकर 2-0से अंतिम मैच अपने नाम कर लिया और प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया।बताया गया कि दिनांक 10 दिसंबर को अहम और बड़े मुकाबले होने, जिसमे इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, छतरपुर, सहित अन्य टीमों के बीच आपसी भिड़ंत देखी जाएगी।

खेल में हार जीत लगी रहती है- अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा हॉकी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये विभिन्न जिलों से आए पुरूष व महिला हॉकी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल के लिये शुभकामनायें प्रेषित की। साथ ही खिलाड़ी भावना के साथ खेलकर कालेज व विध्वविद्यालय का नाम रोशन करने के लिये प्रेरित किया।उन्होने कहा कि खेल में हार जीत होते रहती है लेकिन हमें उसमें अच्छा खेलने का प्रयास करना चाहिए। खेल भावना के साथ खेले और अपना, परिवार तथा महाविद्यालय तथा देश का नाम रोशन करें।

पीजी कालेज को मिला है मेजबानी का अवसर-मराठे

वही प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने आयोजन के संबंध में जानकारी प्रदाय की। जिन्होने बताया कि इस राज्यस्तरीय हॉकी अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन की मेजबानी बालाघाट को मिली है। निश्चित ही यह हमारे खिलाड़ियों के लिये अपनी दक्षता दिखाने के साथ ही उन्हें सीखने का अवसर प्राप्त होगा। इसमें बालाघाट कालेज सहित अन्य सहयोगी जो विभिन्न महाविद्यालय से क्रीड़ा अधिकारी यहां पधारे हैं। सिवनी, पांढुरना से क्रीड़ा अधिकारी भी आये और सहयोग कर रहे है। उन्होने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनायें प्रेषित की।

अमोली रजा मस्जिद में मिलाद-ए-मुस्तफा का कार्यक्रम 11 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद परिसर में 11 दिसंबर को मिलाद-ए-मुस्तफा का जलसा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हुसैनी कमेटी के उपाध्यक्ष जीशान अशरफी ने बताया कि क्षेत्र में अदब, मोहब्बत और रूहानियत का प्रतीक जश्न-ए-मिलाद-ए-मुस्तफा का आयोजन 11 दिसंबर को किया गया है। इस अवसर पर मस्जिद में बरसद एहतिराम जश्न-ए-ग्यारहवीं शरीफ एवं यादगार-ए-हुजूर सैयद गरीब नवाज़ कॉन्फ्रेस का कार्यक्रम होगा। साथ ही यह भी बताया कि इस अवसर पर जाजमऊ शरीफ, कानपुर के सैय्यद अब्दुल कदीर मियां कादरी हुसैनी बुखारी और शफीपुर शरीफ से सैय्यद शाह हसनैन बकाई गयासी मुख्य तौर पर शामिल होंगे एवं कार्यक्रम की सदारत इमाम इरशाद अहमद खान अशरफी करेंगे। श्री अशरफी ने बताया कि नातख्वां पेश में कलाम नात और सलाम प्रोग्राम में नजीर अहमद कादरी, शाहिद रज़ा, उमर रज़वी, अब्दुल अज़ीम और अब्दुल अज़ीज़ शामिल रहेंगे। साथ ही लंगर का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील हुसैनी कमेटी के अयान खान (अध्यक्ष), जीशान अशरफी (उपाध्यक्ष), अरमान खान (सचिव), सरफराज खान (कोषाध्यक्ष) सहित अन्य सदस्यों ने की है।

कार्यालय समन्वयक प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट
संस्था कोड 781001 डाइस कोड 23450122047 दूरभाष क्रमांक 07632-240205
ई-मेल-hssexcelbalaghat@gmail.com

क्रमांक/रद्दी विक्रय/निविदा/2025/97 **बालाघाट दिनाँक 09.12.2025**

द्वितीय निविदा सूचना

क्रमांक	निविदा नम्बर	कार्य का नाम
01	01	हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 की मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का अपलेखन व विक्रय।

01. कोरे निविदा आवेदन फार्म रु. 300/- (रुपये तीन सौ मात्र) नगद जमा कर विद्यालय से दिनाँक 10.12.2025 से 15.12.2025 तक 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक कार्यालयीन कार्य दिवसो में प्राप्त किये जा सकते है तथा पूर्णतः भरे हुये आवश्यक दस्तावेज संलग्न किये हुये निविदा आवेदन पत्र सील बंद लिफाफे में दिनाँक 15.12.2025 को दोपहर 02 बजे तक जमा किये जावेंगे।

02. रद्दी (कतरन करके ले जाने हेतु) विक्रय की शर्ते निविदा फार्म के साथ उल्लेखित है।

03. निविदायें दिनांक 15/12/2025 समय 04:00 बजे अपरान्ह में समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जावेंगी।

समन्वयक प्राचार्य
शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय
बालाघाट

प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड बैहर जिला-बालाघाट

Presiding Officer:- शिवानी असाटी

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000009/2025)

सुकवंतीबाई................................ आवेदक
Vs
शाखा प्रबंधक..........................अनावेदक

Process Id-/2025
पेशी तारीख- 13/01/2026

प्रेषिती-

(1) **आमजनता** पता - **आम जनता**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक **सुकवंतीबाई पति स्व0 प्रमोद चौधरी, कुमारी पूजा चौधरी पिता स्व0 प्रमोद चौधरी एवं कुमारी मासूम चौधरी पिता स्व0 प्रमोद चौधरी** पता ग्राम कुगांव गढी, तहसील बैहर जिला बालाघाट ने मृतक प्रमोद चौधरी पिता भगतराम चौधरी की म्रत्यु दिनांक 25/10/2024 को ग्राम कुगांव, तहसील बैहर जिला बालाघाट में होने से सेन्ट्रल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, शाखा गढी तहसील बैहर जिला बालाघाट के खाता क्रमांक 201551030168787 में समस्त जमा राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 13 **January** 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 13 **January** 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 05 **December** 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायधीश
प्रथम व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ खण्ड
बैहर, जिला-बालाघाट (ग.प्र.)

टिप्पणी: उपस्थिति हेतु
कृपया ध्यान दें:-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 892 लाडली बहनों के खाते में पहुंची 50.65 करोड़ रुपये

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 09 दिसम्बर को छतरपुर जिले के राजनगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाली बहना योजना के अंतर्गत बहनों के खाते में 15-15 सौ रुपए की राशि अंतरित की है। इसमें बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 892 बहनों के खाते में 50 करोड़ 65 लाख 28 हजार 800 रुपए की राशि जमा हुई है। छतरपुर के राजनगर में आयोजित इस कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में सीधा प्रसारण दिखाया गया। कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, परियोजना अधिकारी, आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, कार्यकर्ता एवं हितग्राही लाडली बहनों ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सम्बोधन को सुना।

लाड़ली बहना योजना की 31 वीं किश्त के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 608 बहनों के खाते में 02 करोड़ 85 लाख 15 हजार 800 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 714 बहनों के खाते में 5 करोड़ 47 लाख 58 हजार 700 रुपये, विकासखंड बिरसा की 27 हजार 230 बहनों के खाते में 03 करोड़ 98 लाख 55 हजार 200 रुपये, विकासखंड कटंगी की 35 हजार 26 बहनों के खाते में 05 करोड़ 09 लाख 34 हजार 400 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 630 बहनों के खाते में 04 करोड़ 62 लाख 01 हजार 100 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 685 बहनों के खाते में 05 करोड़ 66 लाख 95 हजार रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 605 बहनों के खाते में 05 करोड़ 47 लाख 22 हजार 700 रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 633 बहनों के खाते में 05 करोड़ 65 लाख 63 हजार 200 रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 354 बहनों के खाते में 03 करोड़ 23 लाख 89 हजार 900 रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 33 हजार 230 बहनों के खाते में 04 करोड़ 83 लाख 28 हजार 400 रुपये की राशि जमा हुई है।

इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8935 बहनों के खाते में 01 करोड़ 28 लाख 52 हजार 500 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5866 बहनों के खाते में 84 लाख 13 हजार 800 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3804 बहनों के खाते में 54 लाख 59 हजार 700 रुपये, नगर परिषद बैहर की 2686 बहनों के खाते में 37 लाख 98 हजार 400 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2455 बहनों के खाते में 35 लाख 59 हजार 500 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2422 बहनों के खाते में 34 लाख 80 हजार 500 रुपये की राशि जमा हुई है। लाडली बहना योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार से अधिक बहनों को योजना प्रारंभ होने से लेकर 09 दिसम्बर 2025 तक 1337 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। यह एक बड़ी राशि है और इसने जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इतनी बड़ी राशि के जिले में आने से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

सांसद खेल महोत्सव में 16 से 23 दिसम्बर तक जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

समापन कार्यक्रम में सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग शामिल होंगे

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी की पहल पर सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आगामी 16 से 23 दिसम्बर तक जिला स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर मृणाल मीना ने 09 दिसम्बर को अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, एसडीएम गोपाल सोनी, जिला खेल अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढपाल, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, इस आयोजन से जुड़े चंद्रशेखर गौतम, अनुराग चतुरमोहता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 16 से 23 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों के ठहरने, नाश्ता, भोजन, परिवहन, चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग अधिकारियों को दायित्व सौंपे और सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह आयोजन व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराए और इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाये करें, जिससे प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

बैठक में बताया गया कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 16 से 23 दिसम्?बर तक जिला स्तर पर फुटबाल, वालीबाल, शतरंज, कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी, कराते, दौड़ एवं रस्साकस्सी खेलो का आयोजन किया जाएगा। 23 दिसम्बर को इस आयोजन के समापन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग शामिल होंगे। 16 एवं 17 दिसम्बर को मुलना स्टेडियम में फुटबाल की प्रतियोगिता होगी। इसी प्रकार पुलिस लाईन बालाघाट के मैदान में 16 एवं 17 दिसम्बर को वालीबाल की प्रतियोगिता होगी। 16 दिसम्बर को मुलना स्टेडियम के कराते हॉल में शतरंज की प्रतियोगिता होगी। 17 दिसम्बर को मिनी स्टेडियम बरघाट जिला सिवनी में कुश्ती की प्रतियोगिता होगी। 23 दिसम्बर को शहीद चंद्रशेखर आजाद हॉकी टर्फ मैदान बालाघाट में हॉकी की प्रतियोगिता होगी।

22 एवं 23 दिसम्बर को मुलना स्टेडियम एवं वैनगंगा क्लब हॉल बालाघाट में बैडमिंटन की प्रतियोगितायें होगी। 22 एवं 23 दिसम्बर को मुलना स्टेडियम में कबड्डी की प्रतियोगिता होगी। मुलना स्टेडियम में 22 दिसम्बर को कराते एवं 23 दिसम्बर को 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, शॉटपुट एवं रस्साकस्सी की प्रतियोगिता आयोजित होंगी।

16 से 23 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले इस खेल महोत्सव में संसदीय क्षेत्र के 08 विधानसभा क्षेत्रो कटंगी, बालाघाट, वारासिवनी बैहर, परसवाड़ा, लांजी, सिवनी एवं बरघाट से फुटबाल, वालीबाल एवं शतरंज प्रतियोगिता में 502, कबड्डी, बैडमिंटन एवं कराते में 370, हॉकी, एथलेटिक एवं रस्साकस्सी में 421 खिलाड़ी शामिल होंगे। जबकि बरघाट जिला सिवनी में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में 143 खिलाड़ी शामिल होंगे। इस प्रकार इस आयोजन में कुल 1336 खिलाड़ी शामिल होंगे।

पराली न जलाने जिले में कृषि विभाग चला रहा विशेष अभियान

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। खेतों में धान एवं अन्य फसलों के अवशेष (पराली) जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरण दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। पराली जलाने से मिट्टी के उपयोगी कीट नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होता है। वहीं हवा में धुआं फैलने से प्रदूषण भी बढ़ता है। इन्हीं दुष्परिणामों को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि 09 दिसंबर को कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा किरनापुर विकासखंड के ग्राम सिवनीकला, बड़गांव, सिवनीखुर्द, कटोरी, जानवा, दहीगढ़वा, देवगांव, बोरगांव, सिंगोड़ी एवं निम्देवाड़ा सहित विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों एवं उपार्जन केंद्रों में पराली-नरवाई न जलाने संबंधी आदेशों की प्रतियां चस्पा की गईं। किसानों को बताया गया कि पराली जलाना कानूनन दंडनीय अपराध है, जिसके लिए जुर्माना एवं जेल की सजा का प्रावधान है। विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई कि पराली जलाने के बजाय उसे खेत में ही नष्ट कर जैविक खाद के रूप में उपयोग करें, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और उत्पादन में सुधार होगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सरकारी कागजों में अधूरे काम और फर्जी हाजिरी दर्शाकर निकाल ली लाखों की राशि

टेकाड़ी पंचायत के ग्रामीणों ने सरपंच, सरपंच पति और भाई पर लगाए अनियमिता के आरोप, कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौपा ज्ञापन,निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही की लगाई गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी में फर्जी हाजरी, फर्जी बिल बाउचर के आधार पर शासकीय राशि का गबन किए जाने का एक मामला सामने आया है ।जिसमे ग्राम पंचायत उपसरपंच, पंच सहित अन्य ग्रामीणों ने महिला सरपंच रश्मि कावरे, सरपंच पति तारा कावरे और तारा के भाई संजू कावरे पर शासकीय कार्य मे अनिमियता कर, लाखो रु की राशि का फर्जी तरीके से बढाधार किए जाने का आरोप लगाया है ।जिन्होंने पंचायत द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों की जांच कराने और दोषियों पर कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्होंने मजदूरों की जगह जेसीबी के कार्य कराने, मस्टररोल में फर्जी हाजिरी भरकर शासकीय राशि का गबन किए जाने, गुणवत्ताहीन निर्माण करने, बिना काम कराए ही शासकीय राशी निकालने, सहित अन्य आरोप लगाते हुए, गांव के सरपंच, सरपंच पति , सरपंच पति के भाई ,सचिव और मेट की शिकायत की है ।जिन्होंने धारा 40 की कार्यवाही कर सरपंच, सचिव और रोजगार मेट को पद से पृथक किए जाने की मांग की है। तो वही समस्त निर्माण कार्यो की निष्पक्ष जांच कराकर अन्य दोषियों पर भी वैधानिक कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है।

विभिन्न कार्यों में किया गया गबन

उक्त मांग को लेकर सौंपे गए ज्ञापन में ग्राम टेकाड़ी उपसपंच, पंच व ग्रामीणों ने इस बात का उल्लेख किया कि उनके गांव में, सड़क ,नाली निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों को लेकर स्टीमेट बनाकर राशि स्वीकृत कराई गई। जिसमें मनरेगा के तहत काम कर स्थानीय लोगों को रोजगार दिए जाने की बात कही गई थी। लेकिन जितने भी कार्य पंचायत द्वारा कराए गए हैं वह अधूरे हैं कई जगह सड़क, नाली, का काम अधूरा है, तालाब निर्माण, सभामंच , चबूतरा सौंदर्यीकरण, सहित अन्य निर्माण कार्यो में अनिमियता बरती गई है बावजूद इसके भी सरपंच सचिव और मेट, और सरपंच पति व उसके भाई द्वारा आपसी साठगांठ कर राशि का आहरण कर लिया गया है ।वहीं सरपंच सचिव द्वारा मस्टोल में फर्जी हाजिरी भर की राशि का दुरुपयोग किया गया है उन्होंने ज्ञापन में ऐसे कई बिंदु दिए हैं जिसमें उन्होंने शासकीय राशि का दुरुपयोग कर गबन किए जाने का आरोप लगाया है। जहा सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

वृक्षारोपण के नाम पर भी शासकीय राशि का गबन

पंचायत दर्पण पोर्टल के हवाले से ग्रामीणों ने बताया कि वृक्षारोपण के नाम पर पंचायत द्वारा लाखों रुपये लिए गए हैं, जबकि वास्तविकता में मात्र 10 से 20 पौधे भी नही लगाए है। साथ ही भारत सरकार की होम-स्टे योजना के तहत टेकाड़ी में बने होम-स्टे को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच पति ने अपने प्रभाव का उपयोग कर गलत खसरा और नक्शा लगाकर नहर सीमा में होम-स्टे का निर्माण कराया और शासन की राशि का दुरुपयोग किया।

किराना दुकान, चाय वाला और इलेक्ट्रिशियन के फर्जी नाम भरकर निकाली गई राशि

ज्ञापन में मस्टर रोल में बड़े पैमाने पर फर्जी नाम जोड़कर भुगतान निकालने का आरोप भी लगाया गया है। बताया गया कि अन्य गांवों के मजदूरों के नाम दर्शाकर राशि आहरित की गई, जबकि पंचायत दर्पण पर दर्ज कई मोबाइल नंबर फर्जी या बंद पाए गए। इसके अतिरिक्त, कुछ ऐसे व्यक्तियों के नाम मस्टर रोल भुगतान दर्शाया गया है जो दुकानदार या व्यवसायी हैं और प्रत्यक्ष रूप से मजदूरी कार्य नहीं करते।

मजदूरों की जगह जेसीबी से कराया है काम -गुलाबचंद पटले

ग्रामीण गुलाबचंद पटले ने बताया कि पंचायत में लगभग हर कार्य में भ्रष्टाचार किया गया है। रोजगार देने के बजाय कई कार्य जेसीबी मशीन से कराए गए, जबकि मजदूरी मद में दो से ढाई लाख रुपये के कार्य पर पांच से छह लाख रुपये तक की राशि निकाल ली गई। पौधारोपण, नाली निर्माण, तालाब, सुदूर सड़क समेत अन्य कार्यों में भी अनियमितता की शिकायत की गई है।

सरपंच के परिजनों के नाम से लाखो का भुगतान- सुद्धूलाल बाहेश्वर

ग्रामीण सुद्धूलाल बाहेश्वर ने बताया कि पंचायत में महिला सरपंच होने के बावजूद वास्तविक संचालन सरपंच पति और उनके परिजनों द्वारा किया जा रहा है, जो शासन के नियमों का खुला उल्लंघन है। ग्राम पंचायत टेकाड़ी में सरपंच पति के बड़े भाई संजीव कावरे के नाम मस्टर रोल के माध्यम से लाखों रुपये का भुगतान किया गया है। ग्राम केरा में सार्वजनिक चबूतरा निर्माण के लिए स्वीकृत लगभग दो लाख रुपये में से 70 हजार रुपये से अधिक की राशि संजीव कावरे को मिस्त्री बताकर उनके खाते में आहरित की गई, जबकि वे निर्माण कार्य से जुड़े नहीं हैं। ग्राम केरा में पूर्व में चबूतरा निर्माण हो चुका था, इसके बावजूद केवल रंग-रोगन कर नई राशि निकाल ली गई, जिससे भारी भ्रष्टाचार किया गया। इसी तरह गांगुलपारा जलाशय मछवारा समिति से ग्राम गांगुलपारा तक बनी सुदूर सड़क के निर्माण में स्वीकृत लगभग 38 लाख रुपये की राशि में बंदरबांट का आरोप लगाया गया है ।उन्होंने बताया कि इस मामले में पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई जांच नहीं होने से दोषियों के हौसले बुलंद हैं।

तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा सोनी

वहीं ग्राम की उपसरपंच श्रीमती सोनी ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में नाली निर्माण अधूरा है, जबकि पूरी राशि निकाल ली गई। इस कारण वार्डवासी उन पर निर्माण पूरा कराने का दबाव बना रहे हैं ।उपसरपंच ने यह भी कहा कि पंचायत के कार्यों में सरपंच पति द्वारा लगातार हस्तक्षेप किया जाता है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि पंचायत के सभी कार्यों की सिलसिलेवार और निष्पक्ष जांच कर दोषी सरपंच, सरपंच पति एवं संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि शासन की राशि का दुरुपयोग रोका जा सके और आम जनता को न्याय मिल सके ।उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो वे धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगी।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर पत्नी को उभारी से मारपीट कर किया घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लोहारा के दशहरा टोला में शराब पीने रुपए नहीं देने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को उभारी से मार कर घायल कर दिया। और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। पति द्वारा की गई मारपीट में घायल महिला पूनम पति प्रमेश कड़पेती 28 वर्ष ग्राम दशहरा टोला थाना वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूनम मायका ग्राम आमाटोला कासपुर थाना वारासिवनी का है। 3 वर्ष पहले पूनम की शादी प्रमेश कड़पेती ग्राम दशहरा टोला निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिनकी एक डेढ़ साल की बेटी है। प्रमेश ड्राइवर है और पूनम घरेलू काम करती है। बताया कि प्रमेश शराब पीकर अपनी पत्नी पूनम को मारपीट कर परेशान करते रहता था। 8 दिसंबर की रात 9:00 बजे जब पूनम घर में थी तभी प्रमेश शराब पीकर आया और पत्नी पूनम से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा। किंतु पूनम ने उसे पैसे नहीं दी और बोली की मेरे पास पैसे नहीं है और जो पैसे थे उससे बच्ची का इलाज करवा ली। यह सुनते ही प्रमेश आवेश में आ गया और उसने पत्नी पूनम को अश्लील गालियां देते हुए घर में रखी उभारी से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर दिया । उभारी का वार पूनम के दोनों पैर, घुटने कमर में लगने से वह घायल हो गई थी ।जिसके बाद प्रमेश पत्नी पूनम को जान से मारने की धमकी देकर घर से चला गया। रात्रि में ही पूनम ने इस घटना के संबंध में अपनी मां को फोन करके बताई। रात्रि 2:00 बजे घायल पूनम को उसके रिश्तेदार ने उसके मायके आमाटोला लाकर छोड़ दिया। 9 दिसंबर को दर्द होने पर पूनम को उसके मायके वालों ने 2 बजे जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने पूनम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जाएगी।

स्व -सहायता समूह की बहनों में भुगतान को लेकर आक्रोश।।

राशन दुकान संचालक बहनों ने कमीशन कटौती और भुगतान में देरी का लगाया आरोप, कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन,समाधान नहीं होने पर दुकान बंद करने की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के सभी ब्लाकों में स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित राशन दुकानों के कमीशन में की गई कटौती और समय पर भुगतान न होने से महिलाओं में भारी नाराजगी है। इस संबंध में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए न्याय की गुहार लगाई है ।महिलाओं ने ज्ञापन में बताया कि जिले में लगभग 300 राशन दुकानों का संचालन बीते 04 वर्षों से स्व-सहायता समूहों द्वारा सुचारु रूप से किया जा रहा है। प्रारंभ में प्रत्येक राशन दुकान को वितरण के एवज में 8,200 रुपये प्रतिमाह का कमीशन दिया जाता था। जनवरी 2024 में जिन राशन दुकानों के अंतर्गत 200 से अधिक कार्ड थे, उन्हें 10,500 रुपये कमीशन दिया जाने लगा, जो उस समय न्यायसंगत था ।महिलाओं का आरोप है कि जनवरी 2025 से बिना किसी स्पष्ट कारण के इस राशि में कटौती कर कमीशन घटाकर 8,500 रुपये कर दिया गया है और उसमें भी विभिन्न कटौतियां की जा रही हैं। इससे स्व-सहायता समूहों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि वर्तमान महंगाई के दौर में जहां अन्य क्षेत्रों में वेतन और मानदेय बढ़ रहे हैं, वहीं महिलाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है।

एक तो कमीशन में कटौती, उपर से प्रतिमाह नही हो रहा भुगतान

स्व सहायता समूह की महिलाओं ने सौंपे गए इस ज्ञापन में उल्लेख किया कि कमीशन की राशि में भारी कटौती कर दी गई है ,ऊपर से कई-कई महीनों तक उसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। कभी-कभी 6-6 महीने बाद भुगतान होने से दुकान संचालन में परेशानियां आती हैं। लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान राशन में कमी आ जाने से भौतिक सत्यापन के समय मशीन में दर्ज स्टॉक और वास्तविक स्टॉक में अंतर आ जाता है, जिसका खामियाजा भी समूहों को भुगतना पड़ता है ।महिलाओं ने मांग की कि राशन का साफ-सुथरा बारदाना उपलब्ध कराया जाए और घटती मात्रा की भरपाई के लिए अतिरिक्त खाद्यान्न दिया जाए।

परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है-अरुणा मेश्राम

लालबर्रा ब्लॉक की महिला अरुणा मेश्राम ने बताया कि उन्हें बीते कई महीनों से कमीशन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अप्रैल माह से कमीशन और कम कर दिया गया है, वह भी समय पर भुगतान नहीं हो रहा। 8,500 रुपये में परिवार का भरण-पोषण करना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रशासन से समय पर और पूरा कमीशन देने की मांग की है ।स्व-सहायता समूह की अन्य महिलाओं ने कलेक्टर से मांग की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कमीशन में की गई कटौती को वापस लिया जाए, समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए और दुकानों के संचालन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों का समाधान कर उन्हें न्याय दिलाया जाए।

तो बंद कर देंगे राशन दुकानों का संचालन- नगपुरे

वहीं जिला विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष जयसिंह नगपुरे ने कहा कि सेल्समैन समान रूप से कार्य कर रहे हैं, लेकिन न तो सभी को समान वेतन मिल रहा है और न ही भुगतान समय पर हो रहा है। किसी को कम तो किसी को अधिक राशि दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 300 सोसाइटी और करीब 600 सेल्समैन कार्यरत हैं, जिन्हें किसी न किसी समस्या से जूझना पड़ रहा है ।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन ने शीघ्र ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो सभी सेल्समैन और समितियां राशन दुकानों का संचालन बंद करने के लिए मजबूर होंगी।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया गया सड़क सुरक्षा का संदेश

हेलमेट, बीमा आदि की जानकारी देकर लोगों को किया गया जागरूक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष जन सुरक्षा अभियान के तहत मंगलवार को स्थानीय बस स्टैंड स्थित अवंती चौक पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कलाकारों एवं एनसीसी कैडेटों ने मार्मिक प्रस्तुति के माध्यम से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और वाहन बीमा कराने का महत्व समझाया ।आयोजित इस नुक्कड़ नाटक में एक युवा की कहानी के माध्यम से बताया गया कि किस तरह हेलमेट न पहनने की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। नाटक के अनुसार युवक अपनी मां और बहन की समझाइश को अनसुना कर बिना हेलमेट बाइक लेकर निकलता है और कुछ ही समय में सड़क दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गंवा देता है। इसके साथ ही यह भी दर्शाया गया कि वाहन का बीमा समाप्त होने के कारण पीडित परिवार को आर्थिक संकट का भी सामना करना पड़ता है ।प्रस्तुति के दौरान यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और तेज गति से बचने का आव्हान भी किया गया।

विभिन्न स्थानों पर नाटक के माध्यम से लोगों को किया जा रहा जागरूक

यातायात पुलिस द्वारा बताया गया कि विशेष जन सुरक्षा अभियान के तहत जिले के स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर लगातार इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों में यातायात नियमों के पालन की भावना विकसित हो सके ।अवंती चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में यातायात थाना प्रभारी यीना राहंगडाले के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक कैलाश उइके, श्रीकांत तिवारी, अरविंद गुजर, संजय भगत सहित यातायात विभाग का अमला एवं एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम को राहगीरों एवं वाहन चालकों ने रुचि के साथ देखा और संदेश को सराहा। यातायात विभाग द्वारा अन्य स्थानों पर भी इसी तरह नाटक के माध्यम से लोगों को जागरुक किए जाने की बात कही गई है।

सारसडोल महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सारसडोल में इसी ग्राम की एक 40 वर्ष महिला लीला पति निरंजन पटले ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।इस महिला के द्वारा बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सारसडोल निवासी निरंजन पटले खेती मजदूरी करते है जिसकी पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। जिससे उसका एक लड़का है। बताया गया है की निरंजन पटले ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद 6 माह पहले ही लीला बाई से शादी की थी। लीला बाई का मायका ग्राम दलदला का है। जिसके पति की मृत्यु हो चुकी थी। और उसके बाद उसने निरंजन पटले से पाठ शादी की थी। निरंजन पटले अपनी पत्नी लीला और बेटा डेविड के साथ ही रहते थे। बताया गया की 7 दिसंबर को सुबह 9:00 बजे निरंजन पटले ने अपनी पत्नी लीला बाई और बेटा डेविड के साथ मैं खाना खाए। इसके बाद निरंजन पटले काम करने के लिए नेवरगांव मलाजखंड आ गया था। उसका बेटा डेविड लाइट फिटिंग का काम करने के लिए आमगांव चला गया था। घर में लीला बाई अकेली थी। शाम 5:30 बजे करीब निरंजन पटले नेवरगाँव से काम करके अपने घर आया ।घर में उसकी पत्नी लीला दिखाई नहीं दे रही थी। निरंजन पटले घर के अंदर जाकर देखा उसकी पत्नी लीला बाई घर में दिखाई नहीं दे रही थी। रसोई के कमरे में जाकर देखा तो की पत्नी लीला बाई ने रसोई के कमरे लीलाबाई नीचे पड़ी हुई थी लीलाबाई ने लकड़ी की मयाल में प्लास्टिक की केन रस्सी बांध कर फांसी लगा ली थी और और रस्सी टूटने से व नीचे गिर गई थी। निरंजन पटेल ने पास जाकर देखा पत्नी लीला बाई की मौत हो चुकी थी। तब निरंजन पतले ने अपने पास पड़ोस वालों को आवाज देकर बुलाया। लीला बाई ने रसोई के प्लेटफार्म पर चढ़कर मयाल में प्लास्टिक की केन रस्सी बांधकर फांसी लगाई और जैसे ही वह प्लेटफार्म से नीचे झूली प्लास्टिक की केन टूट गई ।जिससे वह नीचे गिर गई थी। इस घटना की रिपोर्ट निरंजन पटले ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक शिवाजी तिवारी अपने स्टाफ के साथ ग्राम सारसडोल पहुंचे और मौके की कार्रवाई की। 8 दिसंबर को उप निरीक्षक शिवाजी तिवारी ने लीला बाई का शव पंचनामा कार्रवाई के पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है ।बताया गया है कि लीला बाई कमर और पीठ दर्द से परेशान थी। संभावना व्यक्त की गई है कि लीलाबाई ने बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।उप निरीक्षक श्री तिवारी द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

17 दिसम्बर को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा मनाया जाएगा पेंशनर्स दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा बालाघाट ने अपनी मासिक बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 17 दिसम्बर 25 को जिले के पेंशनर्सों द्वारा पूर्ण हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ पेंशनर्स दिवस मनाया जायेगा ।जिसके लिए पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी का दायित्व सौंपा गया ।पेंशनर्स दिवस पर जिले के वरिष्ठ पेंशनरों का जिनकी आयु 75 वर्ष हो गयी है उनको सम्मानित करने का निर्णय लिया गया । जिला अध्यक्ष ए एल मोहारे ने लालबर्रा तहसील शाखा के अध्यक्ष श्याम लाल पंचेश्वर के त्यागपत्र को स्वीकृत कर राजेन्द्र मानवटकर को तहसील शाखा लालबर्रा का अध्यक्ष मनोनीत कर पेंशनर्स साथियों के साथ पेंशनर्स दिवस पर आने का आमंत्रण दिया ।बैठक में खैरलांजी तहसील शाखा के पूर्व अध्यक्ष चुन्नीलाल लिल्हारे , किरनापुर तहसील शाखा के अध्यक्ष वाहिद खान , एवं बुढ़ी के तीन सक्रिय सदस्यों के निधन होने पर दो मिनट का मौन रख कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में इस बार बड़ी संख्या में पेंशनर्स साथियों ने अपनी सहभागिता दी। बैठक में ए एल मोहारे, पी एल मोहारे, सी आर रहांगडाले, सुभाष पटेल, डा. कीर्ति कुमार पटेल , नारायण मदनकर, अमर सिंह ठाकुर, सरजू नखाते , मधु बुचुरकुण्डें, नानाजी देशमुख, रविन्द्र सिंह बैंस, एस एल बसेने, एल सी सुलकिया, दशाराम बावनथडे , ताराचंद घरडे , गुलाबचंद पटले, युवराज धुवारे, डी आर पटले ,एचआर रहांगडाले , आरएल बहेटवार , रिशीराम फुलबांधे, पीआर तुमसरे , केशव बिसेन , झनकलाल बम्हुरे , पीएल राणा ,बीएल पटले, मोहन आचार्य, मनोज वर्मा, तथा श्रीमती कुसुम लता बनवाले सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे उक्त जानकारी प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा बालाघाट सचिव/प्रवक्ता अमर सिंह ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

धरपीवाड़ा में तेंदुए ने बकरे का किया शिकार, ग्रामीणजन दहशत में

गांव के निकट दिखाई दे रहा तेंदुआ, ग्रामीणों ने पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की वन विभाग से की मांग

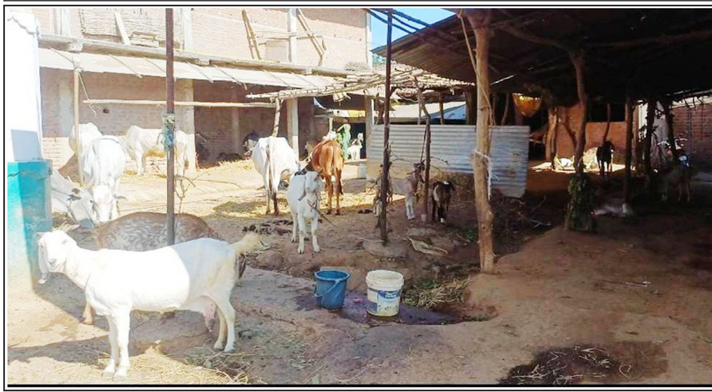

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा।

लालबर्रा से वारासिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा में तेंदुए ने सोमवार की रात में मकान के सामने बंधे बकरे का शिकार कर दिया। साथ ही मंगलवार को भी धरपीवाड़ा एवं बल्हारपुर के बीच स्थित खेतों की ओर तेंदुआ दिखाई दिया है। इस तरह से हाईवे रोड़ किनारे व्यस्तम मार्ग व रहवासी क्षेत्र में घुसकर तेंदुए ने बकरे का शिकार किया है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और ग्रामीणजन खेत जाने एवं शाम के समय अकेले घर से निकलने से डर रहे है क्योंकि सोमवार की रात में देवेन्द्र रहांगडाले के मकान के सामने बंधे बकरे का शिकार तेंदुए ने किया है। अगर लोगों की आहट नही मिलता तो वह अन्य मवेशियों एवं आने-जाने वाले इंसानों पर हमला कर उनका शिकार कर बड़े हादसे को अंजाम दे सकता था। लेकिन लोगों की आहट मिलने पर सिर्फ एक ही बकरे का शिकार कर वह भाग गया क्योंकि उक्त स्थान पर अन्य मवेशी भी बंधे हुए थे। जिसके बाद घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई और वन विभाग के अधिकारी रात में ही घटना स्थल पहुंचकर सर्चिंग किये तो इस दौरान तेंदुआ उन्हे दिखाई दिया, लेकिन फटाखा फोड़ने एवं लोगों की भीड़ की आवाज सुनकर वह भागने में सफल हो गया है। लेकिन खेतों व समीप से गुजरे नाले की झाड़ियों की ओर छुपे रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तेंदुए के शिकार से बकरे की मौत हो जाने से मवेशी मालिक को करीब 10 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से रात्रि गश्त कर वन्यप्राणी तेंदुए को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं मवेशी मालिक को मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

बड़े हादसे को तेंदुआ दे सकता है अंजाम

आपकों बता दे कि दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वनग्रामों में बाघ, तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणी लगातार दिखाई दे रहे है एवं मवेशियों का भी शिकार कर रहे है जिससे ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। वहीं एक सप्ताह पूर्व लालबर्रा मुख्यालय के तहसील मार्ग बरघाट बोरी हाईवे रोड़ किनारे बाघ ने एक गाय का शिकार किया था। जिसके बाद से लगातार वन्यप्राणी का दस्तक गांव के नजदीक होने लगे है। सोमवार की रात करीब 9 बजे वन्यप्राणी तेंदुआ ग्राम धरपीवाड़ा के प्रवेश गेट के समीप रहवासी क्षेत्र में रोड़ क्रास कर मकान के सामने बंधे बकरे का शिकार कर उसे खीचते हुए लेकर जा रहा था। तभी मोटरसाइकिल से गुजर से एक व्यक्ति ने देख लिया। जिसके बाद वह चिल्लाते हुए लोगों को एकत्रित किया, जिसके बाद सड़क से कुछ दुर खेत में जाकर देखे तो बकरा नहर किनारे मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। जिसकी सूचना तत्काल डायल 112 एवं वन विभाग को दी गई। जिसके बाद पुलिस एवं वन विभाग के अधिकारी पहुंचे और सर्चिंग किये तो जिस स्थान पर बकरा मृत अवस्था में पड़ा हुआ था उससे कुछ दुर तेंदुआ दिखाई दिया जो लोगों की हल्ला की आवाज सुनने पर कुछ दुर भाग गया। जिसके बाद वन विभाग के द्वारा फटाखे फोड़े गये। वहीं वन विभाग के द्वारा मृत बकरे को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही करने के बाद खेत में ही उसका दहसंस्कार कर दिया है। अगर दहसंस्कार नही करते तो तेंदुआ पुनः बकरे का मांस खाने आ सकता था लेकिन वन्यप्राणी तेंदुआ का मुवमेंट उसी क्षेत्र में बने होने की बात कही जा रही है क्योंकि धरपीवाड़ा के समीप से नाला गुजरा हुआ है एवं खेतों की पारों में तुअर की फसल लगी हुई है। जिसके कारण वह नाले की झाड़ियों एवं खेतों में छुपा हो सकता है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजनों में दहशत बनी हुई है।

शिकार की तलाश में रहवासी क्षेत्र में आ रहे है हिंसक वन्यप्राणी

अब हिंसक वन्यप्राणी जंगल से बाहर निकलकर गांव एवं रहवासी क्षेत्र की ओर शिकार के लिए आने लगे है। जबकि धरपीवाड़ा से 4 से 5 किमी अंदर जंगल क्षेत्र स्थित है और पहली बार धरपीवाड़ा में तेंदुआ ने बकरे का शिकार किया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि जंगल में शिकार नही मिलने पर शिकार की तलाश में वन्यप्राणी तेंदुआ धरपीवाड़ा की ओर आया होगा और सुनेपन का फायदा उठाते हुए मकान के सामने बंधे बकरे का शिकार किया है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति उसके संपर्क में आता है तो उस पर हमला कर सकता है। अगर समय रहते वन विभाग के द्वारा तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में नही छोड़ा जाता है तो वन विभाग की लापरवाही के चलते तेंदुआ किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है। वहीं दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी से दूरभाष पर धरपीवाड़ा में तेंदुए ने बकरे का शिकार कर दिया है एवं गांव के नजदीक दिखाई देने से ग्रामीणजन दहशत में है, उसे पकड़कर घने जंगल में छोड़ने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

दहशत में है ग्रामीणजन - देवेन्द्र

देवेंद्र राहंगडाले ने बताया कि सोमवार की रात में हम लोग घर के अंदर थे तभी तेंदुआ आया और बकरा का शिकार कर लेकर जा रहा था तभी सड़क से गुजर से एक व्यक्ति ने हल्ला किया तो हम लोग बाहर आकर उसके पीछे दौडे तो नहर किनारे बकरे को छोड़कर भाग गया। जिसके बाद वन विभाग को जानकारी दी गई और रात्रि में सर्चिंग की गई तो तेंदुआ दिखाई दिया है एवं मंगलवार को भी खेत की ओर दिखाई दिया है बताया जा रहा है, जिसके बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। श्री रहांगडाले ने बताया कि बकरे की मौत होने से करीब 10 हजार रूपये का नुकसान हुआ है, वन विभाग उसे जल्द पकड़े।

सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़े वन विभाग - संजय

सरपंच संजय कटरे ने बताया कि घनी बस्ती में घुसकर तेंदुए ने रात करीब 9 बजे बकरे का शिकार किया है, अगर इस दौरान उसके संपर्क में कोई इंसान आ जाता तो उसका भी वह शिकार कर सकता था। यह घटना इस बात की ओर इशारा करती है कि तेंदुआ भोजन की तलाश में अब रहवासी इलाकों की ओर रूख कर रहा है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। श्री कटरे ने बताया कि वन विभाग के द्वारा रात्रि में ही मृत बकरे का दहसंस्कार कर दिया गया है और हमारी मांग है कि रात्रि गश्त कर हिंसक वन्यप्राणी तेंदुए को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़े।

राज्य शिक्षक संघ ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दिये जाने एवं ई-अटेंडेंस बंद किये जाने की मांग की

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। राज्य शिक्षक संघ म.प्र. के प्रांतीय आव्हान पर राज्य शिक्षक संघ लालबर्रा के द्वारा नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दिये जाने और ई-अटेंडेंस बंद किये जाने की मांग को लेकर गत दिवस तहसील कार्यालय में तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है और उक्त मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की है। चर्चा में राज्य शिक्षक संघ जिला सचिव लक्ष्मी ठाकरे ने बताया कि विगत दिनों राज्य शिक्षक संघ म.प्र. की ऑनलाईन बैठक के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों और ब्लाक के पदाधिकारियों के द्वारा आईएफएमएस पोर्टल पर शिक्षक संवर्ग की प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दिये जाने एवं ई-अटेंडेंस को समाप्त करने की पुरजोर मांग की गई थी। वहीं आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि इन मांगों को लेकर 7 दिसंबर को ब्लॉक स्तर पर और 21 दिसंबर को जिला स्तर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। इसी कड़ी में राज्य शिक्षक संघ म.प्र. ब्लॉक इकाई लालबर्रा के द्वारा रविवार को तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दिये जाने एवं ई-अटेंडेस को बंद किये जाने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में कठोर कदम उठाने बाध्य होगें। इस अवसर पर राज्य शिक्षक संघ जिला सचिव लक्ष्मी ठाकरे, ब्लाक अध्यक्ष अरूण गोयल, सचिव अरूण शुक्ला, उपाध्यक्ष मोहन खोब्रागढ़े, नरेंद्र मेश्राम, पुनाराम दशरिये, सुनील हिरकने, सुरेन्द्र कटरे, राजकुमार चावके, देवेंद्र कटरे, एविन्द्रकुमार रंगारे, धनीराम मसखरे, श्री अड़कने, सुरेश डोंगरे, अशोक कुमार भेलावे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा का आगमन 11 को

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। शांतिकुंज हरिद्वार में 'शताब्दी समारोह' नारी जागरण की सशक्त माता भगवती देवी शर्मा और अखिल विश्व गायत्री परिवार की आध्यात्मिक यात्रा के प्रेरणा पुंज अखण्ड दीप प्रज्वलन और संस्थापक सिध्दांतों की 100 वीं वर्षगांठ जन्म शताब्दी के अवसर पर अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकाली गई है। यह अखण्ड दीप दिव्य 'योति कलश यात्रा का 11 दिसंबर को लालबर्रा विकासखण्ड के कंजई स्थित बंजारी मंदिर में आगमन होगा। चर्चा में समन्वय समिति गायत्री परिवार लालबर्रा के ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार में शताब्दी समारोह नारी जागरण की सशक्त माता भगवती देवी शर्मा और अखिल विश्व गायत्री परिवार की आध्यात्मिक यात्रा के प्रेरणा पुंज अखण्ड दीप प्रज्वलन और संस्थापक सिध्दांतों की 100 वीं वर्षगांठ जन्म शताब्दी को चिन्हित करने के लिए 2026 के लिए भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस 'योति कलश यात्राओं और दीपयज्ञ के आयोजनों के माध्यम से आध्यात्मिक प्रकाश, नैतिक जीवन और सामाजिक उत्थान फैलाने पर केंद्रित है। श्री बिसेन ने बताया कि शताब्दी 2026 के मुख्य विषय आंतरिक आध्यात्मिक प्रकाश को पुनः जागृत करने के लिए एक 'वैचारिक उत्सव' शांतिकुंज के संस्थापकों की विरासत का उत्सव के अंतर्गत जन अभियान आयोजित करना है। इस ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से आध्यात्मिक जागृति के लिए शांतिकुंज से पवित्र 'वालाओं को घरों तक ले जाना, सामूहिक गायत्री साधना, सामूहिक आध्यात्मिक अभ्यास, सेवा अभियान, सामाजिक स्वास्थ्य और उत्थान पर ध्यान केंद्रित करना, साहित्य का प्रसार, लोगों को प्रेरित करने के लिए पुस्तकें और पत्रिकाए वितरित करना, जन जन में देवत्व के उदय के लिए युग निर्माण आंदोलन में शामिल होने, दीक्षा लेने और अखंड ज्योति की स्थापना जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर को लालबर्रा विकासखण्ड में दिव्य ज्योति कलश यात्रा का आगमन बालाघाट जिले के माँ बंजारी मंदिर कंजई में होगी। यह यात्रा लालबर्रा विकासखण्ड में तीन दिनों तक रहेगी और विभिन्न ग्रामों तक पहुंचेगी। वहीं 12 दिसंबर को मानपुर गायत्री प्रज्ञापीठ से यात्रा निकलेगी जो नगर मुख्यालय में भ्रमण करेगी। इस अवसर पर गायत्री परिवार के लोगों एवं क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील समन्वय समिति गायत्री परिवार लालबर्रा के ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन ने की है।

मानपुर अस्पताल कालोनी की नालियों में गंदगी का अंबार

सड़क पर खरपतवार का कब्जा, वार्डवासी परेशान, जिम्मेदार मौन

खरपतवारों की कटाई कर नाली की शिघ्र सफाई करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही की गई है। जिसके कारण नालियों के आजू-बाजू में खरपतवार (झाड़िया) उग चुकी है। जिसका झुकाव रोड़ की ओर आ चुका है यानि की सड़क पर खरपतवार का कब्जा हो चुका है। इस तरह से नाली की सफाई व झाड़ियों की कटाई नही होने के कारण गंदे पानी की निकासी भी नही हो पा रही है और पानी जमा रहने से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं गंदगी की दुर्गंध से आने-जाने वाले लोगों एवं निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर निवासरत लोगों को सता रहा है। साथ की खरपतवार (झाड़ियों) का झुकाव रोड़ की ओर अधिक आ चुका है। ऐसी स्थिति में नाली है या नही समझ में नही आ रहा है। जिससे आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और खरपतवार (झाड़ियों) के कारण नाली नही दिखाई देने पर आवागमन करते समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस अस्पताल कालोनी में शासकीय अस्पताल, जनपद पंचायत कार्यालय, आजीविका मिशन का कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय स्थित है और इसी मार्ग से तहसील कार्यालय भी विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्रीयजन आना-जाना करते है। लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे निवासरत लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। मानपुर के अस्पताल कालोनी के वार्डवासियों एवं आने-जाने वालों ने शासन-प्रशासन से खरपतवार की कटाई कर नाली की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये जाने की मांग की है।

गंदगी होने से मच्छरों का बढ़ रहा प्रकोप

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाले अस्पताल कालोनी वार्ड नं. 3 सहित अन्य वार्डों में लंबे समय से नालियों की साफ-सफाई नही की गई है। जिसके कारण नाली चोक होने के साथ ही गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। साथ ही गंदगी की दुर्गंध आने से वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नालियों के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने से उनका झुकाव रोड़ की ओर अधिक आ जाने के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में अगर कोई तेज गति से गुजरते है और दुसरे साइड से अगर कोई दुपहिया, चौपहिया वाहन से आते है तो झाड़ियों के कारण वाहन अनियंत्रित होने से हर समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस वार्ड में शासकीय अस्पताल, जनपद पंचायत, बीईओं एवं आजीविका मिशन का कार्यालय है जहां रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी व जनप्रतिनिधि आना-जाना करते है उसके बावजूद भी नालियों की सफाई एवं खरपतवार की कटाई नही करवाई जा रही है जिससे वार्डवासियों में आक्रोश व्याप्त है। इसलिए वार्डवासियों ने प्रशासन से जल्द नालियों की सफाई कर अधुरी नाली का निर्माण करवाने की मांग की है।

इनका कहना है-

पंचायत क्षेत्र स्थित नालियों की समय-समय पर साफ-सफाई की जाती है, लेकिन अस्पताल कालोनी में कुछ लोग नाली में कुड़ा-करकट डाल देते है। जिसके कारण नाली चोक हो जाती है, जल्द ही सड़क किनारे उग चुकी झाडियों (खरपतवार) की कटाई कर नाली की सफाई करवा दी जायेगी।

बलराम गौतम
सरपंच
ग्राम पंचायत मानपुर।

कोसरीटोला मुरझड़ मार्ग की उबड़खाबड़ स्थिति तकलीफदेह

ग्रामवासियों में मार्ग के प्रति जबरदस्त आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ से लेकर कोसरीटोला तक कच्चा मार्ग बना हुआ हैं। इसकी हालत खस्ताहाल हो गयी हैं जहां आवागमन करने में लोगों को अब संकोच करना पड़ रहा है। मार्ग मे बड़े बड़े गड्ढे के साथ ही उबड़ खाबड़ स्थिति में है वर्तमान में आवागमन करना समस्या का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं बरसात में यह समस्या विकराल हो जाती है पूरा मार्ग कीचड़ से सरबोर रहता हैं। अभी मार्ग में गडडों के साथ धूल की भरमार देखने को मिल रही है जहां आवागमन करने में ट्रैक्टर या अन्य वाहन आने जाने से धूल के गुबार उड़ते हैं। इस प्रकार की समस्याओं से लगातार कोसरीटोला वासियों सहित क्षेत्र के राहगीरो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं उन्हें पंचायत ,स्कूल या अन्य किसी भी कार्य के लिए प्रतिदिन इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। कोसरीटोला से यह इकलौता पंचायत जाने का मार्ग है इसके निर्माण को लेकर ग्रामीणों सहित राहगीरों के द्वारा लंबे समय से शासन प्रशासन से मांग की जा रही है। किंतु वर्तमान तक किसी के द्वारा उक्त मार्ग को पक्का या ग्रेवल सडड़ के रूप में व्यवस्थित बनाने का कार्य नहीं किया गया है। जिससे स्थिति यथावत बनी हुई है लोग दुर्घटना की संभावनाओं के बीच में आवागमन कर रहे हैं।

कटंगी रोड़ को लालबर्रा रोड़ से जोड़ता है यह मार्ग

ग्राम पंचायत मुरझड़ मुख्य बस्ती सहित दो टोले में बटा हुआ है जिसमें ग्राम का सबसे बड़ा एवं घनी आबादी वाला टोला कोसरीटोला है। जो कटंगी मार्ग पर स्थित है तो वहीं मुरझड़ पंचायत लालबर्रा रोड़ पर स्थित है। जिसके मध्य से लालबर्रा रोड़ से कोसरीटोला तक एक कच्चा मार्ग बना हुआ है जिस पर लंबे समय से कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है। यह इकलौता मार्ग है जो कटंगी हाईवे मार्ग को लालबर्रा हाईवे मार्ग से जोड़ता है जिसकी दूरी करीब २ किलोमीटर से अधिक है। जहां से लालबर्रा एवं कटंगी क्षेत्र की ओर जाने वाले लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। वहीं कोसरीटोला के समस्त ग्रामीणों को अपने ग्राम पंचायत संबंधी कार्य एवं स्कूल सहित विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिदिन उक्त मार्ग का उपयोग कर लालबर्रा रोड़ पर स्थित पंचायत भवन में आना जाना पड़ता है। ऐसे में पुरे मार्ग में बड़े बड़े गड्ढे ऊंचा निचा भाग हो गया हैं गिट्टी के बड़े बड़े पत्थर बाहर निकल गए हैं। तो वहीं बारिश में मार्ग खराब होने से कई जगह ऊपर नीचे हो गई है मार्ग में थोड़ी थोड़ी दूर में टर्निंग बनी हुई है। जहां पर भारी मात्रा में धूल की परत बैठी हुई है,जिसमें मोटरसाइकिल स्लिप होकर दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। यह मार्ग हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है किंतु बरसात के समय यह मार्ग बंद हो जाता है । इस मार्ग पर बीते कुछ वर्ष पहले ही मुरूमीकरण करवाया गया था किंतु उसके बाद से रोड़ की और ज्यादा स्थिति खराब होने लगी है। टायरों के गहरे निशान मार्ग में बन जाते हैं उस समय क्षेत्र के आने जाने वाले लोग मार्ग पर चलने के दौरान कई बार दुर्घटनाग्रस्त भी होते हैं। उक्त मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों के साथ ग्रामीणों के द्वारा इस मार्ग पर ग्रेवल सड़क या पक्की सड़क निर्माण करने की मांग कर रहे हैं ताकि लोग सुरक्षित रूप से आवागमन कर सके।

मार्ग की हालत खस्ताहाल होने से मजबुरी में आना जाना पड़ता है-गिरधारी

ग्रामीण गिरधारी पंचेश्वर ने बताया कि यह मार्ग बहुत महत्वपूर्ण मार्ग है कम दूरी में व्यक्ति इस मार्ग से नेवरगांव की ओर निकलने के लिए उपयोग करते हैं। यह पूरा कच्चा मार्ग है इस पर अभी मुरूमीकरण किया गया था किंतु यह इस मार्ग के लिए ठीक नहीं है ग्रेवल सड़क कि यहां पर जरूरत है। क्योंकि आने जाने की समस्या बहुत समय से बनी हुई है बारिश में मार्ग की दुर्दशा हो जाती है। पूरा कीचड़ मार्ग पर फैला रहता है ट्रैक्टर लगातार चलते रहते हैं उनके आने जाने से भी मार्ग बहुत खराब हो जाता है। अभी भयंकर धूल मार्ग पर उड़ रही है मोटरसाइकिल गड्ढों के कारण अनियंत्रित हो रही है इसलिए मार्ग का निर्माण जरूरी है।

मार्ग पर जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे हो जाने से हो रही दुर्घटनायें-सुखलाल

राहगीर सुखलाल बंसोड ने बताया व्यापार के कारण इस मार्ग से आना जाना करना पड़ता है यह २ किलोमीटर का मार्ग है जो कोसरीटोला से मुरझड़ का है। जिसमें अभी तो जगह जगह गड्ढे और धूल पड़ी हुई है। मोटरसाइकिल साइकिल या बड़े वाहन भी अनियंत्रित हो जाते हैं गड्ढे के कारण वाहनों में खराबी आ जाती है। दुर्घटना तो बहुत कम इसलिए होती है कि लोग रास्ता खराब होने के कारण धीरे चलते हैं। परंतु यहां ठीक से लोग नहीं चल पाते इतनी रोड़ खराब है। दुर्घटना की हमेशा झाडियों टर्निंग और गड्डों के कारण संभावना बनी हुई है। अति शीघ्र इस मार्ग का निर्माण यदि कर दिया जाता है तो हर किसी को सुविधा होगी।

इस मार्ग का आवागमन करने में बहुत कठिनाईयां होती है-उमाशंकर

राहगीर उमाशंकर पांडे ने बताया कि यह कोसरी टोला से मुरझड़ का मार्ग है जो कटंगी रोड़ को लालबर्रा रोड़ से जोड़ता है। यह सड़क बाईपास के रूप में उपयोग की जाती है जहां से सैकड़ो लोग रोजाना आना जाना करते है। कोसरी टोला के रहने वाले पंचायत या विभिन्न कार्यों से इसी मार्ग से आना जाना करते हैं। ऐसे तो यह २ किलोमीटर का मार्ग है परंतु बरसात के समय यह मार्ग बंद होने के कारण वारासिवनी होते हुए सभी को आना जाना पड़ता है वहां ५ किलोमीटर की दूरी का अंतर आता है। बहुत ज्यादा मार्ग में गड्ढे है यहाँ केवल ट्रैक्टर चलते हैं हमें धीरे चलना होता है वरना दुर्घटना हो जाती है। मेरे द्वारा ३ वर्षों से इस मार्ग की दुर्दशा देखी जा रही है परंतु नजदीक का मार्ग होने से यहीं से आना जाना किया जाता है।

आदिशक्ति स्कूल में दिव्यांग दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वार्ड नंबर १४ गंगोत्री कॉलोनी स्थित आदिशक्ति स्कूल में शीतल फाउंडेशन के तत्वाधान में दिव्यांग दिवस का आयोजन किया गया।

यह दिव्यांग दिवस समाजसेवी मनीष मिश्रा ,पूर्व नपाध्यक्ष अनीश बेग के आतिथ्य एवं संतोष पाल की अध्यक्षता ,शीतल राउत, खुशबू राहगंडाले सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें मानसिक दिव्यांग बच्चों को दिनचर्या के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। तत्पश्चात चम्मच नींबू दौड़, नृत्य एवं कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें मानसिक दिव्यांग बच्चों के द्वारा बेहतर प्रदर्शन किया गया। मनीष मिश्रा ने बताया कि यह मानसिक दिव्यांग बच्चे सोच और समझ नहीं पाते हैं इन्हें दिनचर्या के बारे में बताया जा रहा है। वहीं संस्था के माध्यम से इन्हें तैयार किया जा रहा है कि यह लोग समाज में रहकर सामान्य जीवन व्यतीत कर सके। इसी को लेकर यह एक पहल है यह दिव्यांग बच्चे बहुत विशेष होते हैं। इन्हें अच्छे से संभालना पड़ता है परिजनों से अपील है कि वह अपने बच्चों का खास ध्यान रखें। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक सहित दिव्यांग बालक बालिकाएं मौजूद रहे।

एकोड़ी ग्राम पंचायत में स्थानापन्न सरपंच बनी सरिता मेश्राम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी के पंचायत भवन में ९ दिसंबर को पंच सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन जनपद पंचायत के पत्र परिपालन में धारा ३८ ख के तहत स्थानापन्न सरपंच निर्वाचन को लेकर किया गया। स्थानापन्न सरपंच निर्वाचन की कार्यवाही पंचायत समन्वय अधिकारी महेश कुंभारे पंचायत सचिव अभिजीत चौहान सहित समस्त पंचो की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। जिसमें निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से सरिता मेश्राम को स्थानापन्न सरपंच चुना गया।

पंच को अवैध लाभ दिलाने पर सरपंच हुई पद से पृथक

एकोड़ी ग्राम पंचायत में पंच ,सरपंच सभी के द्वारा सामूहिक निर्णय लेकर गांव ग्राम में नल जल योजना के लिए भूमि का चयन किया गया था। जिसका प्रस्ताव ग्राम सभा आयोजित कर लिया गया तत्पश्चात मौके पर ट्यूबवेल का खनन भी किया गया था। ग्राम में सभी ठीक चल रहा था तभी योजना के लिए चिन्हित स्थान पर किसी व्यक्ति के द्वारा कब्जा कर लिया गया। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने उठाई तो ज्ञात हुआ कि तत्कालीन सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम के द्वारा ग्राम पंचायत में पूर्व में हुई ग्राम सभा में कूट रचित रूप से ग्राम के पंच को भू अधिकार देने प्रस्ताव अलग से डाला गया। इसके माध्यम से तहसील कार्यालय से पट्टा भी बनवा दिया गया इस प्रकार से सरपंच के द्वारा पंच को लाभान्वित करने का गलत कार्य किया गया था। जिस पर ग्रामीणों की शिकायत पर जिला पंचायत बालाघाट न्यायालय के द्वारा मामले में जांच कर मोनिका मेश्राम के खिलाफ धारा ४० की कार्यवाही करते हुए पद से पृथक कर ६ वर्ष के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसके परिपालन में जनपद पंचायत के द्वारा धारा ३८ ख के तहत पत्र जारी कर स्थानापन्न सरपंच के निर्वाचन के लिए निर्देश दिए गए थे। जिसमें ८ दिसंबर को तो निर्वाचन नहीं हो पाया किंतु ९ दिसंबर को पूर्ण कोरम की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की गई।

१३ पंचों ने चुना ग्राम सरपंच

ग्राम पंचायत भवन में सचिव के द्वारा पंच सम्मेलन ८ दिसंबर को आयोजित किया गया था। परंतु कोरम पूर्ण नही होने पर बैठक स्थगित कर दी गई थी और ९ दिसंबर के लिए भी प्रस्तावित की गई थी। ऐसे में निर्धारित तिथि पर सुबह से अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां १२ बजे तक ग्राम पंचायत के २० पंचो में से १३ पंचो अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। जो आधे से अधिक नियम अनुसार कोरम पूर्ण होने पर स्थानापन्न सरपंच निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जिसमें १३ पंचों के द्वारा सामूहिक रूप से वार्ड नंबर एक की पंच श्रीमती सरिता मेश्राम को स्थानापन्न सरपंच के लिए चयनित किया गया।

वारासिवनी जनपद में दिव्यांग शिविर सम्पन्न

८० दिव्यांग, ११८ वृद्धजन उपकरण के लिये हुए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में स्थित जनपद पंचायत भवन में विकासखंड स्तरीय दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामाजिक न्याय दिव्यांजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दीक्षा जैन की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। इसमें दिव्यांजनों एवं वरिष्ठजनों को शत प्रतिशत सैचुरेशन किये जाने प्रयास किया गया। जिसमें बाहर से आये डॉक्टर की टीम के द्वारा क्षेत्र से पहुंचे समस्त लोगों की जांच की गई। इसमें सभी विशेषज्ञ डॉक्टर जैसे अस्थि बाधित ,श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित ,मानसिक बाधित सहित अन्य प्रकार के दिव्यांगजनों की जांच संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा की गई। इस शिविर में क्षेत्र से कुल ३६९ लोगों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर अपना पंजीयन करवाया गया जिनकी जांच डॉक्टर के द्वारा बारी बारी से की गई। इसमें ८० दिव्यांग एवं ११८ वृद्धजनो का चिन्हकन किया गया जिन्हे आगामी शिविर में उपकरण का वितरण किया जाएगा। इस दौरान उपस्थित जनों ने बताया कि यह दिव्यांगजन एवं वृद्धजन के लिए उपकरण चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य शासन की योजना से असहाय एवं वंचित लोगों को लाभ पहुंचाना है। इस शिविर में अस्थि बाधित, दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित एवं बाधित दिव्यांग जिन्हें विगत ३ वर्षों में सहायक उपकरण एवं ५ वर्षों में मोट्राईज्ड ट्रायसाकल प्राप्त नहीं हुये उनके लिए यह शिविर आयोजित किया गया था। शिविर का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में जरूरतमंद पहुंचे थे। जिसमें सभी की विशेषज्ञों के द्वारा जांच की गई एवं जांच के आधार पर उनका चयन किया गया है। क्षेत्र के लोगों से हमेशा अपील रहती है कि वह इस प्रकार के शिविर जहां भी आयोजित होते है। उसमें आधिकाधिक संख्या में उपस्थित हो ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके और लगातार इस प्रकार के शिविर आयोजित हो रहे हैं। इस शिविर में जितने लोगों को चयनित किया गया है उनके उपकरण का जल्द ही वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर विशेषज्ञ डॉक्टर एवं जनपद स्टाफ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

बस स्टैंड हनुमान मंदिर में भंडारे का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में मंगलवार को प्रतिमाह अनुसार विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंदिर समिति के द्वारा हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें सुबह भगवान हनुमान जी की पूजा आराधना कर विधि विधान से अभिषेक और अर्चना की गई। तत्पश्चात आरती कर शाम को भंडारे का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर सहित क्षेत्र के लोगों ने मंदिर में उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर महाप्रसादी ग्रहण किया। मंदिर समिति सदस्यों ने बताया कि मंदिर में बीते कई वर्षों से हर महीने भंडारे का आयोजन किया जाता है। यह मंगलवार को होता है इस दौरान भगवान की पूजा अर्चना कर महाप्रसादी का वितरण किया जाता है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बड़ी संख्या में राहगीर यात्रियों सहित नगर और क्षेत्र के लोगों ने प्रसादी ग्रहण का धर्म लाभ अर्जित किया।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

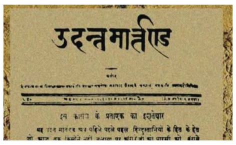

हवाई यात्रा का अभूतपूर्व संकट इंडिगो की मनमानी का नतीजा है, जिसका खामियाजा देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर लाखों यात्री भुगत रहे हैं। सवाल यह है कि ऐसे मुद्दों पर सामूहिक आवाज क्यों नहीं उठती।

अभूतपूर्व : आसमान पर कब्जा

पिछले कुछ दिनों से देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो जिस अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है, वह तो दुर्भाग्यपूर्ण है ही, इससे बेबस यात्रियों को जिस तरह से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, वह और भी शर्मनाक है। देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर लाखों यात्री बेहद बुरी स्थितियों में फंसे रहे, किसी की परीक्षा छूटी, किसी की नौकरी का इंटरव्यू, तो कोई गंभीर मरीज डॉक्टर तक वक्त पर नहीं पहुंच सका। इस अफरा-तफरी में एक पिता की अपनी बेटी के लिए सेनेटरी पैड के लिए गुहार तक सुनने वाला कोई नहीं था। यात्रियों के मार्गदर्शन की व्यवस्था किस हद तक चौपट हो सकती है, यह हवाई अड्डों पर फैली अराजकता में साफ दिखा। किसी भी तरह की सेवा में संवेदना अनिवार्य होती है, लेकिन इंडिगो के नियामक तंत्र और सरकार की तरफ से भी इस पूरे संकट को लेकर जैसी धीमी प्रतिक्रिया आती दिखी, वह हैरान करने वाली है। इस तस्वीर को अगर आज की भारतीय मध्यवर्गीय जिंदगी का आईना कहा जाए, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसे अभिशाप कहें या वरदान कि हमने अपने जीवन को इतना तेज बनाया है कि चीजें आपस में उलझ गई हैं, तभी तो एक हवाई अड़चन ने मानो जीवन को ही ठप कर दिया। समस्या की मूल वजह डीजीसीए द्वारा सभी एयरलाइंस के लिए पायलटों व अन्य क्रू सदस्यों के आराम और ड्यूटी के नियमों में किए गए बदलावों को बताया गया। हालांकि, सभी एयरलाइनों के पास नियमों के अनुपालन की तैयारी के लिए करीब बीस महीने का समय था, लेकिन इंडिगो के वरिष्ठ प्रबंधन ने शायद सोचा होगा कि वे अपने विशाल बाजार आकार के बल पर सरकार को नए नियमों को स्थगित करने के लिए मजबूर कर देंगे। इंडिगो आज अकेली नहीं जूझ रही, यह तो बस उस पूरे तंत्र का प्रतिबिंब है, जिसमें हम रह रहे हैं। एक एयरलाइन 65 से 70 फीसदी घरेलू बाजार पर कब्जा जमाए बैठी है, जिसे विशुद्ध अर्थशास्त्र में एकाधिकार कहा जाता है, जिस पर अंकुश लगना चाहिए। इंडिगो बोर्ड को आत्मचिंतन करने की जरूरत है, क्योंकि उसकी गलतियों की जिम्मेदारी कोई और नहीं ले सकता। जरूरी है कि जो दोषी हैं, उन्हें सजा भी मिले। यह पूरा हंगामा सरकार के लिए भी सबक है। उसकी सख्ती से इंडिगो को यात्रियों को रिफंड देने पर मजबूर होना पड़ा, लेकिन सवाल तो यह भी है कि अगर पहले सक्रियता दिखाई गई होती, तो यह आपदा आती ही क्यों। आखिर ऐसे मुद्दों पर सामूहिक आवाज क्यों नहीं उठती?

मैकाले गो वेंट गोन

अंग्रेज आज बिना भारतीयों के अपने घर तक को नहीं चला पा रहे, तो मैकाले हमें कैसे चला सकता है! एक न एक दिन तो जाना ही है, इसलिए अंग्रेजी भी अपनी सीमा में रहे!

एक बड़े मीडिया घराने के एक समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही मैकाले की शिक्षा की रीति-नीति को धोया, वैसे ही मैकाले की कुछ ज्ञानी संतानें प्रधानमंत्री की मैकाले की आलोचना पर मेहरबान हुईं। प्रधानमंत्री ने जो कहा, उसका आशय यह था कि मैकाले की शिक्षा की रीति-नीति, 1835 ने भारतीयों के आत्मविश्वास को तोड़ दिया, उनमें हीन भावना भर दी, उनमें गुलामी की मानसिकता घर कर गई। आजादी के बाद यह और पुख्ता हुई। भारतीय भाषाओं का अवमूल्यन हुआ। 2035 तक इस मानसिकता को खत्म होना चाहिए।

जबाव में एक ज्ञानी ने कहा कि यों मोदी का निशाना ठीक था, लेकिन भाजपा व संघ की मानसिकता मैकाले की मानसिकता से अलग नहीं। ऐसे लोग भला 'वि उपनिवेशीकरण' की बात कैसे कर सकते हैं? भाजपा व संघियों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं। असली 'वि उपनिवेशीकरण' तो गांधीजी थे। दूसरी 'ऑनलाइन' टिप्पणी में कहा गया कि प्रधानमंत्री की भाषा अर्ध सत्य कहती है। 'मानसिक गुलामी' का कारण सिर्फ अंग्रेजी नहीं। भाषा लिए वह आजादी की भाषा है।

अपने यहां जब-जब मैकाले की बात होती है, इसी तरह होती है। एक ओर उसके आलोचक होते हैं, जो अक्सर 'राष्ट्रवादी' होते हैं, 'भारतवादी' होते हैं और भारत के 'स्वत्व' की वापसी के दावेदार होते हैं। ऐसे सभी, उन 'ज्ञानियों' के निशाने पर आ जाते हैं, जो अपने को 'वैज्ञानिक दृष्टि से संपन्न' व 'सेक्युलर' मानते हैं और अंग्रेजी को 'ज्ञान विज्ञान' की भाषा मानते हैं।

लेकिन कुछ हमारे जैसे हिंदी वाले भी हैं, जो ऐसे 'देसी अंग्रेजों' से सहमत नहीं होते। उनको भी 'अंध हिंदीवादी' खित्ते में डाल दिया जाता है, फिर 'हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान' के उस 'मुहावरे' में बंद कर दिया जाता है, जिसे एक शताब्दी से कुछ पहले हिंदी लेखक प्रताप नारायण मिश्र ने चलाया था। तब हिंदी-उर्दू के बीच 'मुकदमे' चलते थे और अंग्रेजी वाले

मजे लेते थे, क्योंकि अंग्रेज और अंग्रेजी ही उस 'ओरिएंटलिस्ट योजना' की पुरस्कर्ता थी, जिसके जरिये 'अंग्रेज उपनिवेशवादी' भारत को अपनी तरह का बनाते हुए 'हांकना' चाहते थे।

एडवर्ड सईद के अध्ययन ओरिएंटलिज्म के मर्म को समझें, तो मैकॉले सारे ओरिएंटलिस्टों का उस्ताद नजर आता है, जिसने अंग्रेजी शिक्षा प्रदान करने की रीति-नीति के जरिये औपनिवेशिक भारत को नियंत्रित करने के शिष्ट तरीके बताए, जिनका एक बड़ा औजार अंग्रेजी भाषा और शिक्षा रही। अंग्रेज चले गए, लेकिन अंग्रेजी छोड़ गए ! और यही मैकाले का जलवा है कि आज भी वह हमारे दिलो-दिमाग पर राज करता है कि हम अब भी अंग्रेजी को 'प्रामाणिक ज्ञान का भंडार' मान कर चलते हैं। चाहे 'अंग्रेजी स्पीडली स्पीकिंग कोर्स' से अंग्रेजी बोलना सीखें या 'तीस दिन में अंग्रेजी' सीखें, हम 'अधकचरे अंग्रेज' होकर ही अपने को 'कामयाब समझते हैं और असली 'ब्लू ब्लड', जो बचपन से ही नामी मिशनरी स्कूलों-कॉलेजों में अंग्रेजी पढ़ता है, फिर ऑक्सफोर्ड-हार्वर्ड से पढ़ पढ़ाकर साल में एक महीने हमें यहां

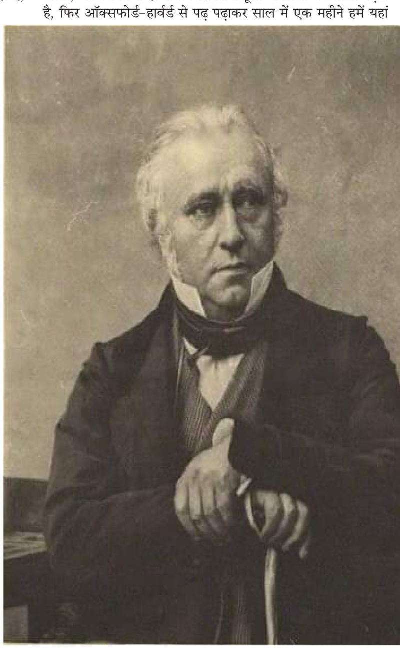

ज्ञान देने आता रहता है, मैकाले को अपना बाप समझता है, जबकि ऐसों को भी असली अंग्रेज 'ब्राउनी' ही कहते हैं, 'ब्लडी इंडियन' ही मानते हैं, भले खुलकर न कहते हों। इस तरह एक दर्द इन 'ब्लडी इंडियंस' को भी महसूस होता होगा, जिसे ये कह नहीं सकते। मैं अपने दर्द में इनका दर्द मिलाकर चलना चाहता हूं, भले ये मेरे जैसों के दर्द को अपना न मानें। शायद इसी 'दर्द' को समझकर हिंदी के कवि रघुवीर सहाय ने एक कविता में इसे 'एक दर्जा नीचे रहने का दर्द' कहा है। अंग्रेज कहें न कहें, लेकिन देसी अंग्रेज जरूर कहता है कि यह दर्द अंध 'राष्ट्रवादी' है, 'हिंदूवादी' है, 'जातिवादी' है,

'डेंगू' है, 'मलेरिया' है, 'एचआईवी' है, जिसे हर हाल में खत्म किया जाना चाहिए। लेकिन वह इसे ही 'फासिस्ट' भी कहता है। ये कैसा 'वैज्ञानिक ज्ञान' है भाई, जो 'एक दर्जा नीचे' जीता है, जो डेंगू है, मलेरिया है, वह 'फासिस्ट' भी है। कहीं आप भी तो अपनी तरह के 'फासिस्ट' नहीं?

और अब यह विडंबना देखें-जो 'दर्द' औपनिवेशिक शासन में कभी हास्य-व्यंग्य के जरिये व्यक्त किया जा सकता था, उसे अब अगर कोई कहता है, तो सीधे 'पिछड़ा', 'प्रतिक्रियावादी', 'बहुसंख्यकवादी' और 'फासिस्ट' कहकर किनारे कर दिया जाता है। अगर इस पर भी कोई शर्मिंदा नहीं होता, तो हमें ऐसे पर शर्म आती है और यह तब और बढ़ जाती है, जब मैकाले की ये औरस संतानें उसकी आलोचना करने वालों को एकदम 'पैदल' से तर्क देने लगती हैं कि ये कैसे मैकाले विरोधी हैं, जो अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों या विदेशों में पढ़ाते हैं। अरे भई, जब अंग्रेजी का वर्चस्व है, तो रोटी कमाने के लिए तो उसे जानना ही होगा। क्या उसका यह हक चला जाता है कि वह अंग्रेजी पढ़े और उसके जरिये की जाती ज्यादतियों को कोसे भी? अपने यहां एक कहावत चलती है कि 'मियां की जूती मियां के सिर।' जब आजादी के आंदोलनकारियों ने यही नीति अपनाई, तो आजादी के बाद इसे अपनाने की मनाही है क्या और उसे प्रधानमंत्री मोदी या संघी या कोई और क्यों नहीं अपना सकते? मैकालेबाजी से मुक्ति पाने के इस प्रसंग में हमें प्रेमचंद की एक कहानी याद आती है, जिसका शीर्षक है ये मेरा देश नहीं। इस कहानी के हिसाब से चलें, तो हम उस वृद्ध की तरह, जो कुछ नया है, आधुनिक है, उसे कोस सकते हैं और किसी गुफा में वास कर सोच सकते हैं कि हम मैकाले से मुक्त हो गए, लेकिन मुक्त नहीं होने के। इसमें हम राजकपूर के उस गाने को भी जोड़ लें, जो आजादी के ऐन बाद की 'अवशिष्ट औपनिवेशिकता' से मुक्ति का एक नया पूरक आख्यान गढ़ते हुए कहता है कि मेरा जूता है जापानी ये पतलून इंगलिस्तानी! सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी !! बहुत ज्ञान बघारने की जगह मैं इसे भारतीय लोगों की 'जुगाड़ू तरकीब' मानता हूं, जो बिना किसी अपराधबोध के अपनी जुगाड़बाजी से बड़े-बड़ों को मात देती आई है। यह 'वि-उपनिवेशीकरण' इस जुगाड़बाजी से शुरू होता है, शेष 'मियां की जूती मियां के सिर' से खत्म होता है। अंग्रेज आज बिना भारतीयों के अपने घर तक को नहीं चला पा रहे, तो मैकाले हमें कैसे चला सकता है। एक न एक दिन तो जाना ही है, इसलिए अंग्रेजी भी अपनी सीमा में रहे। आप अपने घर को संभालें। हमारी चिंता न करें, उसकी हम कर लेंगे!

-सुधीश पचौरी, वरिष्ठ आलोचक

जीवन धारा

ओरिसन स्वेट मार्डेव

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखना किसी भी धन-दौलत से कीमती है। यह वही चमत्कारिक औषधि है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बना सकती है।

खुश रहना जीवन जीने की महान कला है

हर बात में शिकायत ढूंढना, आलोचना करना और छोटी-सी बात में भी बुराई खोज लेना, आत्मा का धीरे-धीरे क्षय करने वाली सबसे घातक आदत है। यदि यह आदत जीवन की शुरुआत में ही पड़ जाए, तो व्यक्ति अनजाने में इसका कैदी बन जाता है। उसका आत्मबल क्षीण हो जाता है, उसका मन नकारात्मकता की धुंध से घिर जाता है, और फिर उसका पूरा जीवन निराशा और निंदकता की दलदल में फंस जाता है। जीवन में किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने का सबसे पहला नियम है-हर परिस्थिति में उजियारा देखने की आदत डालना। चाहे विपरीत हवा कितनी भी प्रचंड क्यों न हो, अपने मन को यह वचन दीजिए कि मैं हर दिन को एक नई भोर की तरह देखूंगा।

सफलता केवल मेहनत या कौशल का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह आपके दृष्टिकोण का प्रतिबिंब भी होती है। चाहे जीवन में कितनी भी चुनौतियां आएं, यदि आप यह संकल्प ले लें कि हर दिन का भरपूर आनंद लेंगे और हर अनुभव में कुछ न कुछ सीखने योग्य ढूंढेंगे, तो आपके भीतर अद्भुत शक्ति जागृत होने लगती है। सकारात्मकता कोई साधारण आदत नहीं, बल्कि आत्मा को ऊंचा उठाने वाला अमृत है। कठिन से कठिन माहौल में भी यदि आप ध्यान से देखें, तो आपको कोई न कोई ऐसा पहलू अवश्य दिखेगा, जो मन को संतोष दे और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाए। युवाओं के लिए यह क्षमता कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखें, किसी भी धन-दौलत से अधिक कीमती है। यह वही शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बनाने का सामर्थ्य रखती है। इसलिए संकल्प लें कि जीवन में आशावाद आपका स्थायी साथी होगा, निराशा को आपके भीतर घर करने की अनुमति कभी नहीं मिलेगी, और जहां भी जाएंगे, अपने साथ प्रकाश, ऊर्जा और प्रसन्नता लेकर जाएंगे।

दृष्टिकोण बदलने भर से जीवन का हर दृश्य बदल जाता है। हर बुरी से बुरी घटना में भी कोई न कोई संदेश होता है, कोई सीख छिपी होती है, जो आगे बढ़ना सिखाती है। सच्चाई यही है कि प्रसन्न मनुष्य सबसे अधिक ताकतवर होता है। मैसिलन के शब्दों में स्वास्थ्य व अच्छा मूड इन्सान के लिए वही हैं, जो पेड़-पौधों के लिए धूप। खुश रहना कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की सबसे महान कला है।

सूत्र : हमेशा सकारात्मक रहें

जीवन में सफलता का आधार केवल मेहनत नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में उजाला देखने की आदत विकसित कर लेता है, वही जीवन की कठिनाइयों को अवसरों में बदल पाता है। शिकायत और आलोचना हमें भीतर से कमजोर करती हैं, जबकि आशावाद आत्मा को शक्ति देता है।

जन्म दिन पर विशेष

सोनिया गांधी : सत्ता से दूरी, प्रभाव में ऊंचाई

भारतीय राजनीति में कुछ नाम ऐसे हैं, जिनकी उपस्थिति सिर्फ पदों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों को बदलने की क्षमता से तय होती है। सोनिया गांधी उन्हीं नामों में से एक हैं, एक ऐसी महिला, जिसने इटली के एक छोटे से कस्बे से अपनी यात्रा शुरू की और भारत की सबसे निर्णायक राजनीतिक आवाजों में जगह बनाई।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का आज जन्मदिन है। 09 दिसंबर को वह 79 साल की हो गई हैं। सोनिया गांधी के नेतृत्व में दो बार यूपीए को सरकार बनाने का मौका मिला, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री बनने से मना कर दिया। 9 दिसंबर 1946 में इटली के छोटे से कस्बे लुसियाना में जन्मीं सोनिया गांधी का बचपन बिल्कुल सामान्य था। पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड पहुंचीं, और यहीं कै?ब्रिरज में उनकी मुलाकात राजीव गांधी से हुई। सोनिया गांधी ने अपनी बॉयोग्राफी %सोनिया गांधी-एन एक्स्ट्राआर्डिनरी लाइफ, एन इंडियन डेस्टिनी% की लेखिका रानी सिंह से कहा, %उन्हें पहली ही नजर में राजीव से प्यार हो गया था। यह मुलाकात सिर्फ दो व्यक्तियों का मिलन नहीं थी, यह भारतीय राजनीति का आने वाला भविष्य थी। 1968 में शादी के बाद सोनिया भारत आईं और एक घरेलू, शांत जीवन चुन लिया।

कांग्रेस पार्टी को टूटने से बचाया

कांग्रेस 90 के दशक के अंत में टूट की कगार पर थी। नेतृत्व का अभाव इतना गहरा था कि पार्टी अस्तित्व संकट में थी। उसी समय 1998 में सोनिया गांधी ने अनिच्छा के बावजूद अध्यक्ष पद स्वीकार किया। यह फैसला कांग्रेस के लिए निर्णायक साबित हुआ। उनके नेतृत्व में पार्टी ने न सिर्फ संगठन को नए सिरे से संभाला, बल्कि जनाधार को भी वापस पाना शुरू किया। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने 2004 में लोकसभा चुनाव जीता और यूपीए गठबंधन का गठन किया। हालांकि, उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने के बजाय मनमोहन सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी। 2004 में यकीनन देश की सबसे महत्वपूर्ण कुर्सी पर सोनिया की ताजपोशी

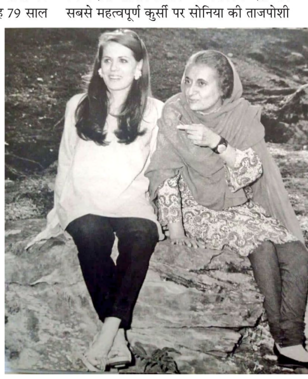

का रास्ता साफ था। 2009 में एक बार फिर उनके लिए ऐसा ही मौका था। उन्होंने दोनों ही मौकों पर इसे ठुकराया और खुद की जगह डॉक्टर मनमोहन सिंह को नामित किया।

व्यक्तिगत त्रासदी से राजनीतिक मोड़ तक

सोनिया राजनीति में कभी नहीं आना चाहती थीं। 1991 में राजीव गांधी की हत्या ने उन्हें भीतर से तोड़ा, पर साथ ही उन्हें सार्वजनिक जीवन की आवश्यकताओं से भी रूबरू कराया। कांग्रेस पार्टी ने उनसे नेतृत्व संभालने की अपील की, लेकिन उन्होंने कई वर्षों तक राजनीति से दूरी ही बनाए रखी। वह अपनी निजी पीड़ा और परिवार को संभालना चाहती थीं।

नीतियों में गहरी छाप, नरेगा से सामाजिक सुरक्षा तक

यूपीए सरकार के समय कई ऐतिहासिक कानून बने, जिनमें मनरेगा खास तौर पर उल्लेखनीय है। यह दुनिया की सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक है, जिसने ग्रामीण भारत को रोजगार की कानूनी गारंटी दी। यह सोनिया गांधी की नीति-समझ, मानवीय दृष्टिकोण और व्यवस्था परिवर्तन की सोच का नतीजा था। 2017 के बाद उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ दिया, लेकिन उनकी भूमिका कम नहीं हुई। वे कांग्रेस की मार्गदर्शक, रणनीतिक सलाहकार और संगठन की निर्णायक शक्ति बनी हुई हैं। राहुल और प्रियंका गांधी के साथ वे पार्टी के भविष्य को आकार दे रही हैं।

संघर्ष, धैर्य और जिम्मेदारी की कहानी

सोनिया गांधी की यात्रा किसी भी फिल्मी कहानी जैसी पर कहीं ज्यादा गहरी और प्रेरक है। एक विदेशी युवती से लेकर भारत की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक महिला बनने तक, उन्होंने दर्द, साहस और जिम्मेदारी को एक साथ साधा। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में उनका प्रभाव आज भी उतना ही मजबूत और निर्णायक बना हुआ है।

मुद्दा

खाप पंचायतों का प्रगतिशील चेहरा

खाप पंचायतों की प्रासंगिकता पर सवाल हैं, पर यदि वे वक्त की नजाकत को समझकर समस्याओं पर विचार कर रही हैं, तो यह स्वागत योग्य है।

हाल ही में, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के सोरम गांव में एक बहुत बड़ी सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत आयोजित की गई। इसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के 36 बिरादरियों के खाप चौधरी, थांबेदार और हजारों किसानों ने सामाजिक सुधार से जुड़े 11 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई। कुछ वर्ष पहले खाप पंचायतों के प्रेम विवाह व प्रेमी युगलों से संबंधित कुछ फैसलों को लेकर कई सवाल उठे थे। इस पंचायत में भी माता-पिता की सहमति से प्रेम विवाह करने की बात की गई और लिव-इन-रिलेशनशिप का विरोध किया गया। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट से प्रेम विवाह को कानूनी मान्यता न देने की अपील की गई। सवाल यह है कि इस दौर में इस तरह के फैसले कितने प्रासंगिक हैं?

21वीं सदी में पंचायत के इन दो-तीन फैसलों पर समाज के लोगों और बुद्धिजीवियों के विचारों में मतभेद हो सकता है, लेकिन इसमें ज्यादातर ऐसे फैसलों पर भी मुहर लगाई गई, जो इस दौर में काफी प्रासंगिक हैं। सोरम पंचायत में मृत्यु भोज, दहेज प्रथा व कन्या भ्रूण हत्या पर प्रतिबंध, नशा मुक्ति, पर्यावरण और जल संरक्षण पर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके अतिरिक्त शिक्षा का स्तर ऊंचा करने और लड़?कियों की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। पंचायतों में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात भी कही गई। 21वीं सदी में खाप पंचायतों की प्रासंगिकता और उनके परंपरागत रवैये पर कई सवाल उठ चुके हैं, लेकिन यदि खाप पंचायतें समय की जरूरत को भांप कर वर्तमान समस्याओं पर मंथन कर रही हैं, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। अब गांवों में बड़े पैमाने पर मृत्यु भोज का चलन बढ़ता जा रहा है। शहरों में आमतौर पर लोग तेरहवीं में शोक सभा के समय ही पहुंचते हैं और भोजन नहीं करते। आमतौर पर रिश्तेदार ही भोजन करते हैं। लेकिन ग्रामीण इलाकों में पूरे गांव को मृत्यु भोज में आमंत्रित करने का चलन बढ़ता जा रहा है। पहले मृत्यु भोज में बहुत कम व्यंजन परोसे जाते थे। मसलन उत्तर भारत में नीचे पंगत में बैठाकर आलू, पूड़ी, कद्दू, मठ्?ठा और लड्डू परोसे जाते थे, लेकिन आज मृत्यु भोज में काफी ज्यादा व्यंजन परोसे जाने लगे हैं। लगता है कि जैसे यह भोज मृत्यु के अवसर पर नहीं, बल्कि शादी के अवसर पर हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में तेरहवीं में बड़ी-बड़ी दावतों के आयोजन को स्टेटस सिंबल बना दिया गया है। तेरहवीं की इन दावतों में राजनेताओं को भी आमंत्रित किया जाता है और समाज में अपना रुतबा दिखाने की कोशिश की जाती है। खाप पंचायतें मृत्यु भोज पर रोक लगाने की बात पहले से ही कहती रही हैं, लेकिन इसे ग्रामीणों ने उस तरीके से स्वीकार नहीं किया, जिस तरीके से किया जाना चाहिए था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुर्जर समाज के कुछ गांवों में जरूर मृत्यु भोज बंद कर दिया गया है। सोरम की सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत में चौधरियों ने कहा कि मृत्यु भोज से छोटे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। छोटे किसान बड़े किसानों की देखादेखी बड़े स्तर पर मृत्यु भोज का आयोजन करना चाहते हैं, भले ही रुपये उधार लेकर उन्हें यह काम करना पड़े। इसी वजह से पंचायत में मृत्यु भोज को खत्म करने की अपील की गई। खेती की लागत निरंतर बढ़ती जा रही है। ऐसे में, किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ता है, तो उनका आर्थिक गणित गड़बड़ा जाता है। इस दौर में कुछ अपवादों को छोड़कर किसानों के बच्चे ही खेती नहीं करना चाहते हैं। गांव में किसानों ने पशु रखने बंद कर दिए हैं या फिर कम पशु रखने लगे हैं। परिवार में जब विभाजन होता है, तो पीढ़ी दर पीढ़ी खेतों का आकार कम होता चला जाता है। गांवों में नशे की बढ़ती लत के कारण कई किसान परिवार बर्बाद हो गए हैं। यही कारण है। कि खाप पंचायतें बच्चों को नशे से दूर रहने का आह्वान कर रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या की वजह से लैंगिक अनुपात बिगड़ रहा है। लड़कों की शादी के लिए उस अनुपात में लड़कियां नहीं मिल पा रही हैं। इसलिए खाप पंचायतें भ्रूण हत्या को रोकने की बात भी कह रही हैं।

-रोहित कौशिक

स्टारलिंक ने भारत में सेवा की कीमतों पर दी सफाई, सही दरें अभी घोषित नहीं

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सेवा की कीमतों को लेकर स्पष्ट किया है कि वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 रुपए और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं। कंपनी ने बताया कि यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी थी। स्टारलिंक इंडिया की वेबसाइट अभी लाइव नहीं है और ऑर्डर भी स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बिजनेस ऑपरेशंस अधिकारी ने कहा कि टीमें अंतिम सरकारी मंजूरी और सुरक्षा परीक्षणों के बाद ही सेवा चालू करेंगी। बांग्लादेश में स्टारलिंक की मासिक योजनाएं 40-50 (3,400-4,300 रुपए) और उपकरण 300-400 डॉलर (25,800-34,400 रुपए) हैं। वहीं श्रीलंका में मासिक 100-125 डॉलर (8,600-10,750 रुपए) और उपकरण 900-1,000 डॉलर (77,400-86,000 रुपए) हैं। डाउनलोड स्पीड 190-360 एमबीपीएस के बीच है। ईलॉन मस्क का कहना है कि स्टारलिंक घनी आबादी वाले शहरों के बजाय ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लिए अधिक लाभकारी होगी। शहरों में सेल टावर पर्याप्त हैं, लेकिन गांवों में ब्रॉडबैंड बिछाना महंगा और मुश्किल है। भारतीय दूरसंचार कंपनियों को डर है कि स्टारलिंक के आने से 5जी और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस योजनाओं पर असर पड़ सकता है। स्टारलिंक जियो-एसईएस और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब जैसी सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। कंपनी को उपयोगकर्ताओं के टर्मिनल और उपग्रहों के बीच सिग्नल भेजने के लिए कई गेटवे अर्थ स्टेशन स्थापित करने होंगे। एयरटेल और जियो के साथ साझेदारी से इन कंपनियों के रिटेल नेटवर्क के माध्यम से स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

चावल कंपनियों के शेयर लड़खड़ाए, 10 फीसदी तक फिसले

मुंबई एजेंसी। भारतीय चावल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही तेज गिरावट के साथ खुले। केआरबीएल, एलटी फूड्स और जीआरएम ओवरसीज़ जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर 3 से 10 फीसदी तक फिसल गए। सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई, जो 8 फीसदी गिरकर 362 रुपए के इंट्रा-डे लो पर आ गया। कोहिनूर फूड्स के शेयर 10 फीसदी तक घट गए, जबकि चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का शेयर 5 फीसदी नीचे गया। इसके अलावा कावेरी सीड कंपनी और जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड के शेयर भी प्रभावित हुए। हालांकि दिन के दौरान कुछ शेयरों में रिकवरी भी देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत से आयातित चावल और कनाडा से आने वाले फर्टिलाइज़र पर नए टैरिफ लगा सकता है। उनका कहना था कि ये आयात अमेरिकी किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं और अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम से सस्ते चावल आने से अमेरिकी किसानों की उपज की कीमतें दब रही हैं और इसे लेकर कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर का सहायता पैकेज भी घोषित किया। ट्रंप के बयान के बाद भारतीय चावल निर्यातकों के शेयरों में पैनिक सेलिंग हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका चावल पर टैरिफ लागू करता है, तो इसका दीर्घकालीन असर निर्यातकों की आय और शेयर बाजार पर पड़ सकता है। निवेशकों के लिए सतर्क रहना और बाजार की चाल पर ध्यान देना जरूरी है।

सरकार एकीकृत डिजिटल सीमा शुल्क प्लेटफॉर्म बनाएगी

नई दिल्ली एजेंसी। वित्त वर्ष 2027 के बजट से पहले सरकार सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की योजना बना रही है। इसके तहत मौजूदा तीन प्रमुख प्रणालियां आइसगेट, आरएमएस और आरसीईएस एकीकृत होकर राष्ट्रीय सीमा शुल्क प्लेटफॉर्म का निर्माण करेंगी। आइसगेट के जरिए व्यापारी ई-फाइलिंग और भुगतान करते हैं, आरएमएस जोखिम-आधारित जांच को स्वचालित करता है और आईसीईएस बैकएंड मॉड्यूल्स व क्लीयरेंस संभालता है। वर्तमान में ये तंत्र अलग-अलग काम करते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और देरी होती है। नई परियोजना से प्रक्रिया में तेजी आएगी, स्वचालित क्लीयरेंस में सुधार होगा और विवाद समाधान पूरी तरह डिजिटल होगा। सरकार आगामी बजट में परियोजना के लिए धन आवंटित कर सकती है। अभिरुचि पत्र जल्द जारी होने की संभावना है, जिसके बाद चयनित कंपनियों को तकनीकी और वित्तीय प्रस्ताव देने का मौका मिलेगा। परियोजना में स्टार्टअप्स को भी भागीदारी का अवसर मिलेगा। नई प्रणाली 1 अप्रैल 2027 से लागू होने का प्रस्ताव है और यह अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में सबसे बड़ी आईटी परियोजना साबित होगी।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली- कृषि मंत्री

लखनऊ एजेंसी। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज को भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को दो पैसे की बढ़त के साथ ही 89.85 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में मंगलवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसों की कमजोरी के साथ 90.15 पर खुला। पिछले सत्र में रुपया 90.05 पर बंद हुआ था, जिससे स्पष्ट है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग बढ़ने का असर घरेलू मुद्रा पर जारी है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसका सीधा प्रभाव स्थानीय मुद्रा पर दिखाई दिया, जो हल्की गिरावट के साथ व्यापार की शुरुआत कर रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के दूसरे ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 436.41 अंक टूटकर 84,666.28 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.90 अंक फिसलकर 25,839.65 पर बंद हुआ। आज आईटी शेयरों में गिरावट के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से चावल आयात पर टैरिफ लगाने के संकेत से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.19 फीसदी नीचे आया। वाहन, वित्तीय सेवा, फार्मा, एफएमसीजी,धातु और निजी बैंक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं पीएसयू बैंक, रियल्टी, मीडिया,उर्जा और इन्फ्रा शेयरों में उछाल आया। । सेंसेक्स पैक में टाइटन,अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी के शेयर गिरे। इसके अलावा ,टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा

स्टील, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंकों के शेयर भी नीचे आये। आज लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 188.10 अंक बढ़कर 59,676.20 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 194.15 अंक की बढ़त के साथ 17,245.80 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 300 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,742 पर खुला। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी कमजोर शुरुआत के साथ 25,867 पर खुला । वहीं आज एशियाई बाजार में गिरावट रही। वॉल स्ट्रीट पर बिकवाली के चलते पूरे एशिया में बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.11 फीसदी नीचे आया। जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 0.41 फीसदी नीचे आया। इस सौदे में अमेरिकी सरकार के लिए एक बड़ी कटौती भी शामिल है। इस बीच, जापान का निक्केई 0.11 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ।। डॉव जोन्स 0.45 फीसदी, एसएंडपी 500 0.35 फीसदी और नैस्डैक 0.14 फीसदी नीचे आये।

भारत में एआई प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य कॉपीराइट लाइसेंस का प्रस्ताव

नई दिल्ली एजेंसी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एआई और कॉपीराइट से जुड़े नए नियामक दृष्टिकोण के लिए एक आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति में कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य एआई प्रशिक्षण में कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री के उपयोग और मौजूदा कानून की समीक्षा करना था। समिति ने एआई डेवलपर्स को सभी वैध रूप से उपलब्ध कॉपीराइट सामग्री तक पहुंच देने के लिए अनिवार्य लाइसेंस की सिफारिश की है। इसके साथ ही कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा। इस हाइब्रिड मॉडल के तहत व्यक्तिगत बातचीत की आवश्यकता समाप्त होगी और लेनदेन लागत घटेगी। मॉडल का उद्देश्य एआई नवाचार को बढ़ावा देना, प्रशिक्षण के लिए डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करना, और स्टार्टअप्स एवं एमएसएमई के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। कॉपीराइट धारकों को न्यायिक रूप से तय रॉयल्टी, आसान भुगतान प्रक्रिया और उचित मुआवजा मिलेगा। समिति ने यह भी स्वीकार किया कि एआई प्रशिक्षण में बड़ी मात्रा और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा की आवश्यकता है, और इसके लिए संतुलित नियामक ढांचा बनाना आवश्यक है। इससे न केवल मानव निर्मित कार्यों की सुरक्षा होगी, बल्कि एआई नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डीपीआईआईटी ने 30 दिनों में हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है।

इस्पात-सीमेंट उद्योग में कार्बन उत्सर्जन घटाने की पहल

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के इस्पात और सीमेंट क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए टाटा स्टील, जेके सीमेंट, अंबुजा सीमेंट्स और जिंदल स्टील जैसी अग्रणी कंपनियों ने स्वीडिश प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों के साथ मिलकर सात नई परियोजनाओं की शुरुआत की है। ये पहल भारत के 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। इन परियोजनाओं में रोटरी भट्टों में हाइड्रोजन का उपयोग करके इस्पात

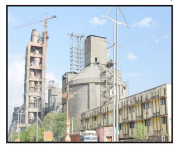

निर्माण, 'स्टील स्लैग' के पुनर्चक्रण से हरित सीमेंट का उत्पादन, और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से सीमेंट के कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे उपाय शामिल हैं। इन सभी पहल का उद्देश्य कठिन-उद्योग क्षेत्रों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाना है। सात प्री-पायलट परियोजनाओं को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्वीडिश ऊर्जा एजेंसी से वित्तीय समर्थन प्राप्त होगा। प्रमुख भागीदारों में प्रौद्योगिकी कंपनियां कंथल और स्वेरिम, तथा भारतीय शैक्षणिक संस्थान आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, आईआईटी भुवनेश्वर, आईआईटी हैदराबाद और दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को समर्थन देंगी, बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग आज साथी के साथ रोमांटिक मूड में रहेंगे, उन्हें कहीं घूमने-फिरने को लेकर जा सकते हैं, लेकिन आपको अपनी संतान की भावनाओं का सम्मान करना होगा, उन पर कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ना डालें। आप यदि किसी मकान या दुकान आदि की खरीदारी की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा आज पूरी हो सकती है।

वृषभ- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपके काम की गति भी काफी तेज रहेगी, क्योंकि कार्यक्षेत्र में आप अपने जूनियर से काम लेने में कामयाब रहेंगे, जो लोग विदेशों से व्यापार कर रहे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपनी किसी मन की इच्छा की पूर्ति होने से काफी खुश रहेंगे। यदि आप किसी मकान, दुकान आदि खरीदारी करना चाहते हैं, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अटके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। राजनीति में आपको कुछ नई जगह जाने का मौका भी मिल सकता है। आप अपने परिवार के किसी सदस्य को बिजनेस पार्टनर बना सकते हैं, लेकिन आपको आज अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखना होगा।

कर्क- आज आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने में भी समय व्यतीत करेंगे, लेकिन उसके लिए आप अपने माता-पिता से परमिशन लेकर जाएं, तो बेहतर रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को अच्छी सफलता हासिल होगी और उन्हें उनके कामों से सराहना मिलेगी। आपको अपनी किसी गलती को लेकर पछतावा हो सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। व्यापार में भी आपको कुछ समय बाद अच्छी सफलता मिलेगी। आप अपनी आय को बढ़ाने पर पूरा ध्यान देंगे और आप अपने पिताजी को कहीं बाहर लेकर जा सकते हैं, लेकिन आपके पिताजी का कोई पुराना रोग उभर सकता है। जो आपकी मुश्किलों को बढ़ाएगा। आपको उसके लिए कुछ जरूरी टेस्ट कराने पड़ सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

कन्या- आज आपको अपने खर्चों का लेखा जोखा रखना होगा, क्योंकि आप मनचाहा खर्चा करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी। धन-धान्य में वृद्धि होगी। कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा। विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई लिखाई से भटक सकता है, जिससे उन्हें परीक्षा की तैयारी में समस्या आएगी।

तुला- आज आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए समस्या लेकर आ सकता है। जमीन जायदाद से संबंधित मामलों में आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। संतान किसी खेल प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं। आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने पेट संबंधित समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा। यदि आप किसी दूसरे के मामले में बोले, तो इससे आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको अपने पिताजी की सेहत को लेकर यदि कोई समस्या हो, तो किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। धन को लेकर यदि आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी दूर होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आय के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आप अपनी नौकरी बदलने का यदि प्रयास कर रहे थे, तो आपको कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। विद्यार्थियों को कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है, वह किसी नए कोर्स में भी दाखिला ले सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए अपने कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा, क्योंकि आपको काम को लेकर कुछ समस्याएं बनी रहेंगी, जिससे आपका मन परेशान हो सकता है, इसलिए आप यदि कोई काम करें, तो समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। यदि आपने किसी काम को लेकर बेवजह लटकाया, तो इससे परिवार के सदस्य भी नाराज हो सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने पिताजी की बातों को इग्नोर करने से बचना होगा, नहीं तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं। आपका किसी बात को देखकर यदि मन परेशान चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपको मनपसंद काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए छुटपुट लाभ के अवसरों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपकी काम करने की गति भी काफी तेज रहेगी और आप व्यस्त रहने के बाद भी परिवार के सदस्यों के लिए समय निकालेंगे। आप अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलने जा सकते हैं और राजनीति में भी आपको अच्छी पहचान मिलेगी। आपके कुछ नए विरोधी भी उत्पन्न हो सकते हैं, जिनसे आपको थोड़ा ध्यान देकर चलना होगा।

शब्दजाल - 8105

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	चा	न	क्रो	धी	झ	च
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	बै	स	बा	व	स
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

चुनौती, नसीब, द बर्निंग ट्रेन, क्रोधी, चरस, राम बलराम, अली बाबा चालीस चोर, गजब, कर्तव्य, कयामत

शब्दजाल - 8104 का हल

दा	क	जं	व	ग	द	रि	या	दि	ल	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	र्म	ल	बा	छ	पु	रा	रा	क	क
री	ज	क	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	आ	आं	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	खें	पू	ना	ण	र	को
ती	ग	ई	लि	या	प	बा	श	र	ला	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	र	लो	श	पा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	ह	प	क
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	जा	न	रा	बा	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7049

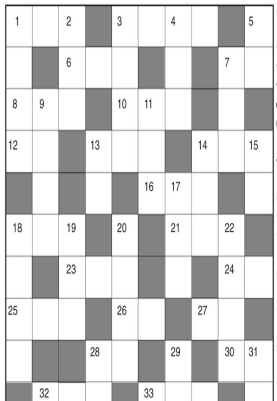

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7048

बै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ह्ला	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		चीं		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8573

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय,अभिव्यक्ति-3
3. सादापन,भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार,उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक,रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न,निकृष्ट-4
25. कथा,गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान,नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक,यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन,व्यस्त,मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला,उन्मादी-4
16. चाचा,अंकल-2
18. पैंतरा,वेग-2
19. काफी,कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8572 का हल

	स	ज	ग		ह	सी	न	
वा	दा		र		म		व	ध
प		फि	ल	हा	ल			मा
सी	र	त		नि		रु	ब	ल
		र	ज		न	ख		
नी	आ	त		जो		सा	हि	ल
र			क	र	ता	र		ह
व	श		स		मी		ता	जा
	क	ल	म		ल	की	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	सिंह में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	07.01 बजे से
मकर	09.06 बजे से
कुंभ	10.53 बजे से
मीन	12.26 बजे से
मेष	13.56 बजे से
वृष	15.36 बजे से
मिथुन	17.34 बजे से
कर्क	19.48 बजे से
सिंह	22.04 बजे से
कन्या	00.16 बजे से
तुला	02.27 बजे से
वृश्चिक	04.41 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 344 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 13.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.45 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 12.46 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.47 बजे तदनन्तर विष्टि 01.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872554
जूलियन दिन 2461019.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः काम की लगन

संयुक्त राज्य अमेरिका के एक नौजवान ने परिश्रमपूर्वक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उसने एक अच्छी नौकरी की तलाश आरंभ की। उसकी नजर में कई कंपनियां थीं, लेकिन उसने केवल ऐसी जगह आवेदन किया, जहां उसे काम सीखने और नई चीजें जानने का अच्छा मौका मिलने की उम्मीद थी। जब वह उस कंपनी के कार्यालय में गया तो उसे बताया गया कि वहां तो मात्र एक टाइपिस्ट की जगह खाली है। नौजवान के पास थी तो इंजीनियरिंग की डिग्री, किंतु उसने भविष्य में बेहतर अवसरों की आशा में टाइपिस्ट की नौकरी करने के लिए तत्काल हां कर दी। उसे उसी दिन से काम करने को कहा गया, मगर वह चार दिन बाद आने का वादा कर चला गया। चार दिन बाद जब उसने काम संभाला तो कंपनी के मैनेजर ने पूछा, 'आप पहले तो तत्काल काम करने को आतुर थे, फिर चार दिन बाद क्यों आए?' नौजवान ने उत्तर दिया, 'मुझे टाइप करना अच्छी तरह नहीं आता था। इसलिए इन चार दिनों में मैंने टाइपिंग का अच्छा अभ्यास किया और मुझे विश्वास है कि अब मैं यह काम करने में पूरी तरह सक्षम हूं।' अपने काम को पूरी तन्मयता व दक्षता से करने की इस आदत ने ही उस नौजवान को अंततः संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पहुंचाया। उसका नाम था- हर्बर्ट क्लार्क हूवर। हूवर का कहना था, 'सौंपे गए किसी भी कार्य को मन की संपूर्ण लगन से करने पर उसके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। इसलिए जो भी काम हाथ में लें, उसे पूरी दक्षता के साथ करें।'

सूडोकु नवताल- 7358

★★★✯☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7357 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

महाविद्यालय में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर नहीं होने से छात्रों में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लांजी।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में लंबे समय से रसायन शास्त्र विषय के प्रोफेसर का पद रिक्त रहने से विद्यार्थियों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। लगातार समस्याओं का सामना कर रहे छात्रों ने आज सामूहिक रूप से एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

एसडीएम कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

कक्षाएँ न लगने से छात्रों की पढ़ाई ठप

विद्यार्थियों का कहना है कि रसायन शास्त्र जैसे महत्वपूर्ण विषय में नियमित कक्षाएँ न होने से उनकी शैक्षणिक प्रगति बाधित हो रही है। स्नातक (बी.एससी) और स्नातकोत्तर की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रयोगशाला कार्य, प्रायोगिक परीक्षाएँ एवं विषयगत मार्गदर्शन के अभाव में कठिनाइयाँ झेलनी पड़ रही हैं। कई छात्रों ने यह भी बताया कि बिना विषय विशेषज्ञ के वे आगामी परीक्षाओं को लेकर चिंतित हैं।

प्रशासनिक स्तर पर अनदेखी का आरोप

छात्रों ने आरोप लगाया कि वे इस समस्या को कई बार कॉलेज प्रशासन के संज्ञान में ला चुके हैं, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं होने से लगता है कि उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। छात्रों का कहना था कि विज्ञान संकाय को मजबूत करने के लिए विषय विशेषज्ञों की समय पर नियुक्ति आवश्यक है, अन्यथा परीक्षा परिणामों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

एसडीएम कार्यालय पहुँचकर सौंपा ज्ञापन

आज सुबह बड़ी संख्या में छात्र एसडीएम कार्यालय पहुंचे और रसायन शास्त्र के नियमित प्रोफेसर की शीघ्र नियुक्ति करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को तेज करेंगे। एसडीएम ने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को संबंधित विभाग तक पहुँचाया जाएगा तथा समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

समाधान की मांग, अन्यथा आंदोलन की चेतावनी

छात्रों ने साफ तौर पर कहा कि शिक्षा को लेकर समझौता नहीं किया जाएगा। यदि आने वाले दिनों में नियुक्ति संबंधी ठोस कार्यवाही नहीं होती है तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

समस्याओं का निराकरण ना होने पर होगा आंदोलन- आकाश गोस्वामी

वही महाविद्यालय के सिनियर छात्र आकाश गोस्वामी ने कहा कि जिन समस्याओ को लेकर ज्ञापन सौपा गया है, 7 दिन के भीतर अगर समस्याओं का निराकरण नही होता तो समस्त छात्र छात्राओं के साथ महाविद्यालय में ही ह?ताल की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी, वही महाविद्यालय परिसर में डॉ बाबा साहब अम्बेडकर जी की प्रतिमा स्थापना की बात जब ह्यस्रद्व महोदय जी से की गयी तो उनके द्वारा महाविद्यालय में गठित समितियों से चर्चा करने का सुझाव दिया गया।

इनका कहना है

पिछले दो माह से हमारी रसायन शास्त्र की कक्षा नहीं लग रही है, पहले प्रोफ़ेसर थे तब क्लासेज रोड़ लगती थी परन्तु उनके स्थानांतरण होने के पश्चात से हमारी क्लास नहीं लग पा रही जिस वजह से हमारी पढ़ाई ठप है हम सेल्फ स्टडी कर रही है लेकिन क्लासेज अगर लगेगी तो हमें परीक्षा में मदद होगी, परीक्षा करीब है लेकिन प्राध्यापक नहीं होने से कक्षा नहीं लग रही हम रोज महाविद्यालय पहुंचते है और वापस चले जाते है। हम चाहते है कि हमारे लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए ताकि हमारी कक्षा सुचारु रूप से चल सके।

पूर्वा पिपरे
छात्रा शासकीय महाविद्यालय लांजी

आज हम सब विद्यार्थियों द्वारा एस डी एम कार्यालय लांजी पहुंचकर एस डी एम सर को ज्ञापन देकर अवगत कराया गया है कि हमारे महाविद्यालय में शिक्षकों का अभाव है, रसायन शास्त्र के शिक्षक न होने के कारण बीएससी की रसायन शास्त्र के छात्र-छात्राओं को अध्यापन संबंधित समस्या आ रही है प्रोजेक्ट वर्क प्रैक्टिकल वर्क कुछ भी नहीं हुआ है दो माह हो गए कक्षाएं नहीं लगी है महाविद्यालय स्तर पर इसकी जानकारी हमारे द्वारा दे दी गई है लेकिन उनके द्वारा कहा जाता है कि महाविद्यालय द्वारा जानकारी ऊपर भेज दी गई है जैसे ही कोई शिक्षक यहां पर पदस्थ होंगे उसके बाद कक्षाएं रोजाना लगेगी। परंतु वर्तमान में शिक्षक नहीं होने के कारण विद्यार्थी गण रसायन शास्त्र की कक्षा से वंचित है हमारी यह मांग है कि जन भागीदारी स्तर पर या अन्य कोई वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर रसायन शास्त्र की कक्षा को शुरू करवाया जाए ताकि विद्यार्थियों को हो रही समस्या का सामना न करना पड़े।

ऋषभ भद्रे
छात्र शासकीय महाविद्यालय लांजी

विद्यार्थियों का ज्ञापन प्राप्त हुआ है इस विषय पर जन भागीदारी समिति की बैठक आयोजित कर इस विषय को रखा जाएगा और प्रयास किया जाएगा कि जन भागीदारी स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए।

कमल सिंहसार
एसडीएम लांजी

13 को वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट व सतीश शर्मा न्यायाधीश / सचिव के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय बालाघाट एवं प्रीतम शाह, व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड, लांजी न्यायालय में दिनांक 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला न्यायालय व अधीनस्थ तहसील न्यायालयों के कुल 20 खंडपीठों का गठन किया गया है, जिसमें व्यवहार न्यायालय लांजी के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खंठपीठ क्रमांक 15 है। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण,

दिवानी मामले, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर% दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, सिविल, विद्युत अधिनियम, निगोशिएबल इस्टूमेंट एक्ट के अंतर्गत चेक बाउन्स प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, राजस्व मामले के प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन के अंतर्गत बैंक, विद्युत, नगरपालिका के जल/सम्पत्ति कर वसूली प्रकरणों व चेक बाउन्स प्रीलिटिगेशन प्रकरण आदि का आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण किया जावेगा। श्री प्रीतम शाह, न्यायाधीश / अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी द्वारा अपील की है कि वे अपने न्यायालयीन प्रकरण या प्रीलिटिगेशन प्रकरण जैसे- जलकर, सम्पत्तिकर, विद्युत बिल, बैंक रिकवरी संबंधी प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहते है, तो वह अपने अधिवक्ता / वकील के माध्यम से आपसी सुलह द्वारा 13 दिसंबर, 2025 को जिला न्यायालय/तहसील न्यायालय में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाये। अधिक जानकारी के लिये जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के टोल फ्री नंबर 15100 पर नि:शुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत उमरी में 09 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से कृष्णा मंदिर प्रांगण में भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा करोड़ो रूपये की लागत से निर्मित होने वाले विकास कार्यो का भूमिपूजन विधिवत किया गया। करोड़ो रूपये कि लागत से निर्मित होने वाले यह कार्य पंचायत एवं क्षेत्र के लियें बहुउपयोगी साबित होंगे।

ढोल नगाड़ो बाजे गाजे के साथ विधायक कर्राहे का स्वागत

ग्राम पंचायत उमरी के द्वारा मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे का सर्वप्रथम ग्राम में पुष्प मालाओं के साथ स्वागत वंदन करते हुये ढोल नगाड़ो, बाजे गाजे आतिशबाजी के साथ ग्राम में प्रवेश करवाया गया जो कि एक शोभा यात्रा के रूप में संपूर्ण ग्राम का भ्रमण करते हुये जहां सभी ग्रामीण जनों के द्वारा अपने अपने घरो से निकलकर विधायक कर्राहे का स्वागत वंदन किया गया तत्पश्चात काफिला समारोह स्थल पर पंहुचा जहां पंचायत प्रतिनिधि एवं गणमान्य गणो के द्वारा विधायक कर्राहे एवं अन्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत सत्कार किया गया।

पूजन अर्चन के साथ मंचासीन कार्यक्रम की शुरूवात

आयोजित भूमिपूजन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा मॉ भारती, मॉ सरस्वती, भगवान गणेश जी के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर मंचासीन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मण्डल अध्यक्ष सीताराम रावते, जनपद सदस्य महेन्द्र पटले, नीलकंठ ठाकरे, देवेश ऐड़े, रामेश्वर पटले, सुचेन्द्र पटले, भुमेश्वर रिनायत, पुष्पा कमलकिशोर ठाकरे, पुष्पाबाई रहांगडाले, मनीषा नाकतोड़े, सुचिता हरिनखेड़े, तिलेश्वरी पटले, सरिता हरिनखेड़े, संतोष गौतम, संतोष नाकतोड़े, जियालाल पटले, लालचंद बिसेन, बीरजलाल देशमुख, श्याम कालबेले, वीरसिंह बिसेन, सुशील टेंभरे, जयचंद पटले, पोतनलाल पटले, विजय उइके सहित अन्य मंचासीन अतिथियों का स्वागत वंदन ग्राम के सरपंच रंजना मंगरूलाल ढवरे, उपसरपंच तिलकेश्वर पटले, उमाशंकर भक्तवर्ती, बसंत ठाकरे सहित समस्त पंच एवं ग्रामीण तथा आजीविका मिशन की दीदीयों के द्वारा समस्त अतिथियों का स्वागत वंदन किया गया।

इन निर्माण कार्यो का किया गया भूमिपूजन

विधायक राजकुमार कर्राहे सहित उपस्थिती अतिथियों एवं ग्रामीण जनों के द्वारा ग्राम पंचायत उमरी में निर्मित होने वाले विभिन्न विकास कार्यो का भूमि पूजन किया गया जिनमें गौण खनिज मदसे सीसी

सड? निर्माण 300 मीटर लागत 10 लाख 50 हजार,ख् विधायक निधी से तोरण द्वार निर्माण लागत 3 लाख 50 हजार, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के उमरी से बोरी पंहुच मार्ग लागत 2 करोड़ 2 लाख 12 हजार रूपये, शासकीय प्राथमिक शाला उमरी में बाउण्ड्री वॉल निर्माण लागत 6 लाख, जनपद अनटाईड मद से, सभा मंच निर्माण विधायक निधी से लागत 2 लाख रूपये इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन विधिवत विधायक राजकुमार कर्राहे तथा अतिथियों के द्वारा किया गया। उक्त संपूर्ण पूजन कार्य पंडित संतोष दुबे के द्वारा संपन्न कराया गया। विधायक कर्राहे ने कहा कि जल्द ही पूर्ण गुणवत्ता के साथ उक्त कार्य प्रारंभ किया जाये।

भूमिपूजन समारोह में सभा को संबोधित करते हुये सर्वप्रथम सरपंच प्रतिनिधि मंगरूलाल ढवरे ने पंचायत कार्यक्रम की रूपरेखा रख, पंचायत में होने वाले विकास कार्यो के लिये विधायक राजकुमार कर्राहे का धन्यवाद एवं आभार प्रेषित किया तथा पंचायत में विगत दो वर्षो में किये गये कार्यो से ग्रामीण जनों को अवगत कराया गया तथा पंचायत के चंहुओर विकास के लिये मांग रखी गई। इसी कड़ी में सभा को भाजपा मण्डल अध्यक्ष भानेगांव सीताराम रावते, जनपद सदस्य महेन्द्र पटले, भाजपा मण्डल बिसोनी अध्यक्ष देवेश ऐडे, नीलकंठ ठाकरे जनपद सदस्य, संतोष गौतम के द्वारा संबोधित करते हुये सरकार कि अनेको जनकल्याणकारी एवं महत्वकांक्षी योजनाओं से अवगत कराकर इसका लाभ लिये जाने की बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा कहा गया कि क्षेत्र में विकास के कार्य कभी रूकना नही चाहिये। हमारी सरकार हर वर्ग के लिये योजनाऐं बनाती है जिसका आज शत प्रतिशत लाभ क्षेत्र की जनता को प्राप्त हो रहा है। मेरे पूर्व बीते 10 वर्षो मे जो लांजी किरनापुर क्षेत्र का विकास नही पाया था मेरे विधायक रहते हुये महज 2 वर्षो में अनेको विकास की सौगात क्षेत्र की जनता को दी गई है। हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आप जब जनता के बीच जाये तो हमारी लाड़ली बहनो से अवश्य कहे कि आगामी रक्षाबंधन पर हम आपको 1500 रूपये प्रतिमाह प्रदान करेंगे तथा 2028 तक जो वादा हमने लाडली बहनो से किया है वह पूर्ण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में होने वाले अनेको विकास कार्यो के संबध भी जानकारी देते हुये बताया कि लांजी किरनापुर विधानसभा अन्तर्गत कटंगी घंसा टेकेपार मार्ग 3 किमी लागत 350.57 लाख, कुम्हारीखुर्द से केरेंगांव मार्ग 3.20 किमी लागत 294.45 लाख, ओटेकसा से जामुनटोला मार्ग 2 किमी 289. 02 लाख, अमेड़ा श्री हनुमान मंदिर से अंधियाटोला मार्ग 2.05 किमी- लागत 187.25 लाख रूपये, लवेरी से वारा मार्ग 2.70 किमी लागत 269.08 लाख रूपये, पीएम जीएसवाय मार्ग भालवा से गुस्सूटोला मार्ग 1.10 किमी लागत 99.52 लाख रूपये, कुल्पा मदन टोला से पुरानी लांजी कुल्पा सालेकसा मार्ग तक 2.55 किमी लागत 338.10 लाख रूपये, बिसोनी से नीमटोला मार्ग भिलाई रोड तक 2.10 किमी लागत 195.04 लाख रूपये, मजबुती करण मार्ग मोहगांव से कुण्डे मार्ग 3.60 किमी लागत 418 लाख रूपये, कटंगी सहेकी मार्ग 2.55 किमी लागत 362.60 लाख, ओटेकसा से डोंगरी टोला मार्ग 0.85 किमी 233.73 लाख, आवा से टेडवा मार्ग 2.3 किमी लागत 279.48 लाख रूपये यह भी कार्य स्वीकृत किये जा चुके है जिनका जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा जिससे क्षेत्र वासियों को अनेको सुविधाऐं प्राप्त होगी। आपने अंत में कहा कि हम सभी को सपने बडे देखने चाहिये यदि हम बडे सपने नही देखेंगे तो उसे पूरा कैसे करेंगे। आपकी सोच सकरात्मक होनी चाहिये ताकि आप अपने प्रगति रथ पर आगे बढ सके। इसके अतिरिक्त आप ने उपस्थित ग्रामीण जनों को शासन की याजनाओं के बारे मे अवगत कराते हुये बताया कि यह सभी योजनाऐं आप के लिये बनी इसका लाभ अवश्य ले तथा इन योजनाओं के लाभ लेने में कोई भी परेशानी का सामना आपको करना पड़ रहा है तो तत्काल मुझे अवगत कराये शासन की योजना आपके लिये आपको उसका शत प्रतिशत लाभ मिलना चाहिये यह हमारी सर्वप्रथम प्राथमिकता है। आपने सभा में उपस्थित शासकीय अधिकारी कर्मचारियो से भी कहा कि ग्रामीण जनों को, हितग्राहियो को शासन की योजनाओं से अवगत कराकर उसका लाभ ग्रामीण जनों को अवश्य दिलाये।

साडरा में 13 को छत्तीसगढ़ी सास्कृतिक लोक कला मंच रंग छत्तीसा

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में मण्डई मेले का दौर प्रारंभ है जो कि जनवरी माह तक निरंतर चलता रहेगा। क्षेत्र में पारंपरिक मण्डई मेले का बड़ा ही महत्व है जहां ग्रामों में नाते रिश्तेदारो को मण्डई मेले में आमंत्रित किया जाता है। मुख्यत- यह मण्डई मेला दो परिवार के मिलन का भी पर्व होता है जहां बेटे बेटियों की शादी विवाह आदि की भी चर्चाऐ इन मण्डई मेलो के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा अनेको वस्तुओ कि विक्री करने वाले व्यापारी इन मण्डई मेलो में अपनी अपनी दुकानें लेकर आते है जहां ग्रामीण जन बड़ी मात्रा में पारपंरिक वस्तुओ कि खरीददारी करते नजर आते है। वहीं अब मण्डई मेलो में बच्चो के मनोरंजन को लेकर भी दुकाने, खेल सामग्री सहित झुले नजर आने लगे है जो कि मण्डई मेलो को

और भी अधिक आकार्षित करता है। इसी कड़ी में क्षेत्र के ग्राम साडरा में आगामी 13 दिसंबर दिन शनिवार को सार्वजनिक मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति एवं साडरा का राजा सार्वजनिक गणेश उत्सव मण्डल के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ी सास्कृतिक लोक कला मंच रंग छत्तीसा अपने 50 कलाकारों के साथ उत्कृष्ट प्रस्तुती प्रदान की जावेगी। उक्त कार्यक्रम में बस स्टैण्ड साडरा में रात्रि 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में राष्टपति पुरस्कार से सम्मानित अंतर्राष्टीय कलाकार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित पुनम विराट तिवारी, दिव्या तिवारी, नीलू यादव, नरोत्तम दास मानकपुरी, सोनू शुक्ला दीपक सेन, लिमेश शुक्ला के द्वारा उक्त संपूर्ण कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गत दिवस 500 घरों में लगाए गए स्मार्ट मीटर, मीटर लगने के बाद आया मनमाना बिल

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी शहर में बीते दिनों परंपरागत मीटर हटाकर नए स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरू हुआ। जिसके बाद कई उपभोक्ताओं ने नए स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध भी किया। हालांकि इस विरोध के बीच नगर के अलग-अलग वार्ड में 5 सौ उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए। स्मार्ट मीटर लगने के बाद पहली बार मंगलवार को बिजली उपभोक्ताओं को बिल का मैसेज आया। 5 सौ उपभोक्ताओं में 08 उपभोक्ताओं को जो बिल का मैसेज मिला उसे देखकर उनके होश उड़ गए। इन 08 उपभोक्ताओं को 12 हजार से लेकर 45 हजार रुपए तक की राशि का बिल मिला। जबकि पुर्व में इनके घरों में 100 रुपए से लेकर 200 रुपए तक के बिल आते थे। जिससे उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया और यह उपभोक्ता विद्युत कार्यालय की तरफ भागते हुए नजर आए। उपभोक्ताओं से अधिक बिजली बिलों की शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारी ने साफ कर दिया कि कुछ तकनीकि खामियों की वजह से ऐसा हुआ है। जिनके बिल बढ़े हुए आए है उनमें सुधार किया जाएगा। उपभोक्ताओं ने बताया कि मीटर तेज गति से चल रहा है पूरी लाइट बंद होने के बाद भी रीड़िग तेजी से बढ़ रही है। उपभोक्ताओं ने मीटर में फाल्ट होने का आरोप लगाया है तो वहीं बिजली विभाग का दावा है कि शत प्रतिशत मीटर की जांच लैबोरेटरी में कराने के बाद ही मीटर लगाएं जा रहे है।

प्राप्त जानकारी अनुसार रजनीश राउत को 12429, झाडू सहारे को 12787, बेनीराम आमाडारे को 14000, राखी राउत को 14000, रवि भिमटे को 44200, मुकेश भिमटे को 14000, कृष्ण कुमार सेन्दरे को 37955 और शरद सहारे को 45000 का बिल को मैसेज आया है। रवि भिमटे ने बताया कि पहले उनके घर में 100 रुपए से अधिक का बिल नहीं आता था लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद पहली बार 40 हजार से अधिक का बिल आ गया। उन्होंने बताया कि अब मोबाइल में मैसेज के जरिए ही बिल की राशि का पता चलता है। झाडू सहारे की बेटी शालिनी ने बताया कि उनके घर 12 हजार से अधिक की बिल आया है। कृष्ण कुमार सेन्दरे ने बताया कि 37 हजार से अधिक का बिल आया। जैसे ही यह मैसेज उनके मोबाइल पर आया तो वह सीधे बिजली कार्यालय पहुंचे जहां उन्हें यह भरोसा दिया गया कि अभी बिल की राशि जमा करने की जरूरत नहीं है। विभाग के अधिकारी से यह आश्वासन देने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली।

बिजली विभाग के अनुसार ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। मगर, इस दावे की अभी प्रारंभिक चरण में पोल खुलती हुई नजर आ रही है। ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है। ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है। ऊर्जा की खपत को नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद कर सकता है।

ट्रक और कार के बीच हुई भिंडत, कोई जनहानि नहीं

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर हादसों का ब्लॉक स्पॉट कहे जाने वाले खिडकीघाट में सड़क हादसा हुआ हैं। यहां पर एक ट्रक और कार के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। गनीमत की बात यह रही कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। ट्रक की टक्कर से कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। दुर्घटना मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े 03 बजे के आस-पास की है। प्राप्त जानकारी अनुसार कटंगी से सिवनी की ओर जा रहे ट्रंक क्रमांक एमपी 20 एचबी 6697 और सिवनी की तरफ से कटंगी होकर बालाघाट की तरफ जा रही कार क्रमांक एमपी 22 सीए 9938 के बीच टक्कर हो गई। जनता नगर सिवनी निवासी कार चालक हिमांशु साहू ने बताया कि ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। ट्रक केसला निवासी धर्मेंद्र श्रीवेल का है जिसे चालक चन्द्रशेखर नागोत्रा के द्वारा चलाया जा रहा था। ट्रक चालक चन्द्र शेखर ने बताया कि वह कटंगी से धान खाली कर सिवनी की तरफ वापस जा रहा था।

पिंडकेपार में देवारण्य निर्माण कार्य से जुड़ी महिलाओं को मिला नया रोजगार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत पिंडकेपार में शासन के निर्देशानुसार देवारण्य योजना का क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में औषधीय फसलों का उत्पादन बढ़ाना, स्थानीय समुदाय को रोजगार प्रदान करना तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। पिंडकेपार में इस योजना के अंतर्गत जय मां वैष्णवी स्वयं सहायता समूह द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से देवारण्यन निर्माण किया जा रहा है।

स्वयं सहायता समूह की बहनों के लिए यह योजना न सिर्फ रोजगार का नया अवसर लेकर आई है, बल्कि समूह के समग्र उत्थान और आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

औषधीय फसलों का हो रहा उत्पादन

देवारण्य योजना के तहत ग्राम में औषधीय पौधों और मसालों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। यहाँ प्रमुख रूप से कालमेघ (भुई नीम) एवं हल्दी का उत्पादन किया जा रहा है हल्दी का उत्पादन इस वर्ष अत्यधिक मात्रा में हुआ, जिसे विक्रय कर समूह को अच्छी आय प्राप्त हुई है। इससे समूह की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना मजबूत हुई है। पिडकेपार के जय मां वैष्णवी स्वयं सहायता समूह को देवारण्यर निर्माण के लिए लगभग 25 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। इस कार्य पर समूह की महिलाओं द्वारा 74 हजार रुपये की राशि खर्च की गई है। देवारण्यस में पहली बार में समूह की महिलाओं द्वारा हल्दीग लगाई गई थी। जिसका भरपूर उत्पादन हुआ है।

महिलाओं की प्रगति का नया आधार

देवारण्य निर्माण कार्य ने ग्राम की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया है। समूह की बहनों को कृषि आधारित गतिविधियों में प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे भविष्य में औषधीय फसलों के उत्पादन और विपणन से स्थायी आय अर्जित कर सकें। ग्राम पंचायत पिंडकेपार में चल रहा यह प्रयास ग्रामीण विकास और आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्थानीय महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

कोडमी में मुख्य सड़क मार्ग के खेत की घटना, किसान के खेत से धान उठाकर ले गए चोर

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। धान उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू है। इस बीच थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोड़मी में अज्ञात चोरों ने किसान के खेत से करीब 29 क्विंटल धान की चोरी की है। चोरी की यह वारदात कटंगी से सिवनी मुख्य सड़क मार्ग से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित खेत की है। यहां एक खेत में रखी धान की बोरियां अज्ञात चोरों ने चुरा ली। चोरों ने बकायदा किसी वाहन के जरिए धान की बोरियों को खेत में ढोया है। जिसके चलते खेत में वाहन के पहियों के निशान साफ-तौर पर देखे गए है। मिली जानकारी अनुसार कृषक रमेश कोचर के खेत से करीब 29 क्विंटल धान की चोरी हुई है। बटाईदार ओम प्रकाश मर्सकोले ने बताया कि सोमवार की रात्रि करीब 12 बजे तक उन्होंने खेत में कृषि कार्य किया। धान की गहानी कर 100 बोरियां धान जमा कर रखी जिसकी सिलाई नहीं की गई थी। जिसके बाद वह घर लौट गए। मंगलवार की सुबह जब खेत पहुंचे तो 58 बोरी धान गायब था। जिसकी सूचना उन्होंने खेत मालिक को दी। खेत मालिक ने मंगलवार की सुबह 11 बजे थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ धान चोरी की रपट

दर्ज करवाई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303 (2), 3 (5) की कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब हो कि इसके पहले ग्राम खजरी मुख्य सड़क मार्ग पर 29 नवंबर को सीताराम हरिनखेड़े नाम के किसान के घर के सामने से भी अज्ञात चोरों ने 41 बोरी धान की चोरी की थी। किसान ने 28 नवंबर की शाम ही अपने खेत से गहानी कर धान को बोरियां में भरकर घर लाया था और रात्रि में ही अज्ञात चोरों ने धान की चोरी कर ली। इससे पहले लिंगापौनार में अज्ञात चोरों ने धान की चोरी की। इन तीनों चोरी में सामान्य तौर पर पिक-अप वाहन का उपयोग किया गया है। इन चोरी की वारदातों से किसानों में डर का माहौल बना हुआ हैं। किसान धान चोरी की शिकायत तो कर रहे है। मगर, पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच पा रही है। पुलिस की इस नाकामी से आमजन भयभीत और डरा हुआ है उसे अपने जानमाल की सुरक्षा को लेकर हमेशा एक चिंता बनी रहती है। असल में करीब 05 माह से शहर से लेकर ग्रामीण इलाके सुरक्षित नजर नहीं आ रहे है। चोरों ने जमकर उत्पात मचा कर रखा है। मगर, पुलिस किसी भी चोरी का खुलासा नहीं कर पा रही है।

श्रम के निरीक्षक ने विद्यार्थियों को 25 योजनाओं की जानकारी दी

जागरूकता से ही मिलेगा श्रमिक परिवारों को योजनाओं का लाभ - निरीक्षक

पद्मेश न्यूज ।लामता। श्रम विभाग बालाघाट द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लामता विद्यालय में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के श्रम निरीक्षक सुनील कुमार यादव, राकेश ठाकरे, महिला बाल विकास विभाग से संजय रँभाड़े आवाज एन जी ओ से शिव गिरी ने स्कूली छात्र-छात्राओं को श्रम विभाग द्वारा संचालित 25 महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

निरीक्षक ने कहा कि विभाग की अनेक योजनाएँ सीधे श्रमिक परिवारों और उनके बच्चों के भविष्य से जुड़ी हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में पात्र हितग्राही लाभ से वंचित रह जाते हैं। इसीलिए विभाग समय-समय पर जागरूकता शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों और अभिभावकों को जानकारी प्रदान करता है।

कार्यक्रम में बताई गई प्रमुख योजनाएँ

निरीक्षक ने विद्यार्थियों को श्रम विभाग की कई योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थीं—

श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण योजना
मजदूर कल्याण मंडल की छात्रवृत्ति योजना
साइकिल सहायता योजना
शैक्षणिक प्रोत्साहन योजना
सामूहिक विवाह योजना
प्रसूति सहायता योजना
दुर्घटना एवं मृत्यु सहायता योजना
स्वास्थ्य सहायता योजना
आवास सहायता योजना
प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना
अटल बीमा योजना
श्रमिक परिवार चिकित्सा सहायता
उपकरण वितरण योजना
लाडली लक्ष्मी योजना से जुड़ी जागरूकता
शिक्षा प्रोत्साहन हेतु विशेष अनुदान योजनाएँ

निरीक्षक ने प्रत्येक योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और लाभ की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाई। उन्होंने बताया कि कई योजनाएँ ऐसी हैं, जिनका लाभ सीधे विद्यार्थियों को मिलता है, जिसमें छात्रवृत्ति और शैक्षणिक सहायता मुख्य है।

पात्रता, ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन, लाभ मिलने की अवधि, और पोर्टल संचालन से संबंधित सभी प्रश्नों का निरीक्षक ने तत्काल समाधान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि वे अपने माता-पिता को पंजीयन और नवीनीकरण संबंधी जानकारी अवश्य दें, ताकि उनके परिवार को अधिकतम लाभ मिल सके तथा चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 तथा बाल श्रमिक के विषय में भी विस्तार से जानकारी दिया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता शिविर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने निरीक्षक का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि श्रम विभाग द्वारा दी जाने वाली जानकारी से छात्रों और उनके परिवारों को सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक सहायता के अवसर प्राप्त होते हैं।

संकट की घड़ी में 'संबल योजना' बनी सहारा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। खैरलांजी तहसील के ग्राम भौरगढ़ के निवासी दिगम्बर माहुरकर के लिए मध्य प्रदेश शासन की जनकल्याण संबल योजना जीवन का बड़ा सहारा बनकर आई है। कुछ समय पूर्व उनकी पत्नी स्वर्गीय पुष्पा माहुरकर का आकस्मिक निधन हो गया था। इस दुखद घटना ने परिवार को गहरे सदमे के साथ-साथ आर्थिक संकट में भी डाल दिया था। सीमित आय और जिम्मेदारियों के बीच दिगम्बर के सामने परिवार की रोज़मर्रा की जरूरतों को पूरा करना चुनौती बन गया था। ऐसे कठिन समय में संबल योजना के तहत दिगम्बर माहुरकर को 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। यह राशि उनकी पत्नी को वापस तो नहीं ला सकती है, लेकिन परिवार के आर्थिक संकट और दुखों को कुछ हद तक कम करती है। दिगम्बर भावुक होकर कहते हैं 卐संबल योजना ने मुझे फिर से जीने का हौसला दिया है। यह मदद मेरे लिए डूबते को तिनके का सहारा साबित हुई है।

हितग्राहियों को मिला लाभ

जनपद खैरलांजी में 1099

जनपद पंचायत खैरलांजी के अंतर्गत अब

तक 1099 हितग्राहियों को संबल योजना के माध्यम से कुल 23 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। इस योजना का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों के परिवार को आकस्मिक परिस्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस योजना में असंगठित श्रमिकों का पंजीयन ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है। पंजीयन के बाद ई-श्रमिक पंजीयन कार्ड जनपद पंचायत द्वारा जारी किया जाता है। योजना में शामिल श्रमिकों को सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये और दुर्घटना जनित मृत्यु पर 4 लाख रुपये की सहायता राशि सीधे बैंक खाते में जमा की जाती है।

28 श्रेणियों के श्रमिक पा रहे लाभ

संबल योजना के तहत 28 प्रकार के श्रमिकों को लाभ प्रदान किया जाता है, जिनमें पत्थर काटने वाले, सिलाई-कढ़ाई श्रमिक, ईंट भट्ठा मजदूर, खनन श्रमिक, कृषि मजदूर, बीड़ी श्रमिक, रिक्शा चालक, मोची, हम्माल सहित कई अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगार शामिल हैं। दिगम्बर माहुरकर जैसे अनगिनत परिवार इस योजना से राहत पा रहे हैं। संबल योजना न केवल आर्थिक सहायता देती है, बल्कि कठिन समय में प्रभावित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद भी जगाती है।

नेशनल लोक अदालत के लिए जिले में 20 खण्डपीठों का गठन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 13 दिसम्बर शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय बालाघाट में 09 खंडपीठ का गठन किया गया है। इसके साथ ही सिविल न्यायालय बैहर के लिए 03 खण्डपीठ, सिविल न्यायालय कंटगी के लिए 01 खंडपीठ, सिविल न्यायालय लांजी के लिए 01 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी के लिए 06 खंडपीठों का गठन किया गया है इस प्रकार संपूर्ण जिले में कुल 20 खण्डपीठों का गठन किया गया।

इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक/मनी रिकवरी संबंधी मामलें, एम.ए.सी.टी. प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण एवं जल कर/विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण और दीवानी इत्यादि विभिन्न प्रकृति के महत्वपूर्ण मामलें रखे गये है। नेशनल लोक अदालत का वृहत स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि आमजन को लोक अदालत के लाभ के बारे में अवगत कराया जा सके।

गोवारी समाज युवा समिति के तत्वावधान में 14 दिसंबर को होगे अनेक आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। ग्राम बुदबुदा में प्रथम वर्ष भव्य मेला एवं गाय-बछड़ा प्रतिमा का अनावरण साथ ही स्वस्थ शिविर का आयोजन14 दिसंबर को किया जा रहा है। गोवारी समाज युवा समिति बुदबुदा के तत्वावधान में हो रहे इस आयोजन में फुटकर व्यापारियों और छोटे व्यवसायी बंधुओं को आमंत्रित किया गया है। साथ ही ग्रामीण जनता से भी सहभागी होने की अपील गोवारी समाज युवा समिति बुदबुदा अध्यक्ष अंशुल सेन्दरे ने की है। कार्यक्रम को लेकर बताया गया कि 14 दिसंबर रविवार को सुबह 11 बजे प्रतिमा भ्रमण रैली निकाली जायेगी ।साथ ही गौठान परिसर में स्वस्थ शिविर का आयोजन रखा गया है जिसमें डॉ श्रुति बिसेन (स्त्री रोग), डॉ स्मरण ठाकुर (शिशु रोग) एवं अन्य डॉक्टर शामिल

होगे। दोप.1 बजे प्रतिमा अनावरण एवं हवन-पूजन कार्यक्रम होगा ।शाम 5.30 बजे से विशाल भंडारा आयोजन एवं रात्रि 9बजे जागरण विशाल झांकी,आदिवासी नृत्य , गोवारी डांस नृत्य की प्रस्तुति होगा। अधिकाधिक संख्या में श्रद्धालु भक्तजनों से कार्यक्रमों में उपस्थिति की अपील गोवारी समाज बुदबुदा, गोवारी समाज युवा समिति बुदबुदा अयक्ष अंशुल सेन्दरे, उपाध्यक्ष रोहित राऊत, सचिव संतोष गजबे, कोषाध्यक्ष संदीप राऊत, संरक्षक यादोराव लसुन्ते, अनुप चौहान, सदस्यगण- मुकेश मानकर, राजेश राऊत, भुपेन्द्र लसुन्ते, सुनिल नेवारे, अंकलेश लसुन्ते, युवराज चौहान, योगराज मानकर, कमलेश मानकर, गजेन्द्र लसुन्ते, अंकलेश लसुन्ते, अंकित लसुन्ते ,बबलू मानकर,रामू ठाकरे सहित अन्य द्वारा की गई है।

लाडली बहना योजना ने बढ़ाया संगीता का आत्मविश्वास

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। आर्थिक तंगी के बीच एक ओर अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने का सपना और दूसरी ओर बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारने की जिम्मेदारी, इन दोनों के बीच संगीता कोमले अक्सर खुद को असहाय महसूस करती थीं। सीमित आय के चलते न तो वह अपनी पढ़ाई जारी रख पा रही थीं और न ही बच्चों की फीस समय पर भर पाती थीं। लेकिन लाडली बहना योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी।

बालाघाट नगर के वार्ड क्रमांक 01 बुढ़ी निवासी संगीता कोमले बताती हैं कि योजना से मिलने वाले 1500 रुपये ने उनके भीतर नए आत्मविश्वास का संचार किया। यह राशि उन्हें सिर्फ खर्च करने के लिए नहीं, बल्कि अपने भविष्य को सवारने का सहारा लगी। संगीता ने तय किया कि इस मदद को वह अपनी प्रगति का आधार बनाएंगी। योजना की राशि से संगीता ने सब्जी का छोटा व्यवसाय शुरू किया। शुरुआती दिनों में कई चुनौतियां आईं लाभ कम था, ग्राहक ढूंढ़ना कठिन

था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आत्मविश्वास को थामे संगीता ने मेहनत जारी रखी और देखते ही देखते कुछ महीनों में उनका व्यवसाय गति पकड़ने लगा। आज यह छोटा सा कारोबार उनके घर की जरूरतों को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

संगीता बताती हैं कि पहले बच्चों की पढ़ाई के खर्च पूरे करना मुश्किल हो जाता था, फीस भरने में दिक्कत आती थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। आज न केवल उनके बच्चों की शिक्षा सुचारु रूप से चल रही है, बल्कि संगीता स्वयं भी अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर रही हैं। वह वर्तमान में जीएनएम की छात्रा हैं और कंप्यूटर शिक्षा भी प्राप्त कर रही हैं। लाडली बहना योजना से मिली नियमित सहायता ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को पहले से कहीं अधिक मजबूत कर दिया है।

संगीता भावुक होकर कहती हैं 卐लाडली बहना योजना से मिले 1500 रुपये ने मेरी जिंदगी बदल दी। इस सहायता ने मुझे हौसला दिया, आत्मनिर्भर बनाया। मैं मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव भैया जी की हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने बहनों के जीवन में यह नई रोशनी जगाई है।卐 लाडली बहना योजना का यह सकारात्मक प्रभाव संगीता जैसी अनेक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने की नई राह दिखा रहा है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 101 रनों से हराया, भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

कटक। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कटक में खेले गए पहले टी20 मैच में 101 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इस तरह बड़ी जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद नियमित रूप से विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि उसके सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक का आंकड़ा छू सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए, जबकि कप्तान एडेन मार्करम ने 14, ट्रिस्टन स्टब्स ने 14 और मार्को यानसेन ने 12 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को एक-एक सफलता मिली। दिलचस्प बात यह रही कि भारत के सभी गेंदबाजों को सफलताएं मिली। इस दौरान बुमराह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे किए और वह ऐसा करने वाले अर्शदीप के बाद भारत के दूसरे गेंदबाज बने।

दक्षिण अफ्रीका को नौवां झटका

अक्षर पटेल ने एनरिच नॉर्त्जे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को नौवां झटका दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 72 रन के स्कोर पर नौ विकेट गंवा दिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के आठ विकेट गिरे

बुमराह ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को आठवां झटका दिया। बुमराह ने केशव महाराज को आउट किया जो खाता खोले बिना आउट हुए।

बुमराह के टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन रहा है और जसप्रीत बुमराह को भी सफलता मिली। बुमराह ने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट किया जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका 100वां शिकार बने। ब्रेविस 14 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए।

दक्षिण अफ्रीका को छठा झटका

वरुण चक्रवर्ती ने मार्को यानसेन को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को छठा झटका दिया है। यानसेन भारत के लिए खतरा साबित हो सकते थे, लेकिन इससे पहले ही वरुण ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। यानसेन 12 गेंदों पर दो छक्के की मदद से 12 रन बनाकर आउट हुए।

दक्षिण अफ्रीका की आधी टीम पवेलियन लौटी

वरुण चक्रवर्ती ने डोनोवान फरेरा को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका दिया। फरेरा सात गेंदों पर एक चौका की मदद से पांच रन बनाकर आउट हुए।

दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका

हार्दिक पांड्या ने डेविड मिलर को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका दिया है। मिलर तीन गेंदें खेलकर एक रन बनाकर आउट हुए।

अक्षर ने मार्करम को किया बोल्ड

अक्षर पटेल ने एडेन मार्करम को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका दिया। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह 40 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवा दिया है। मार्करम 14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए।

अर्शदीप को दूसरी सफलता

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए भारत को दूसरी सफलता दिलाई। अर्शदीप ने स्टब्स को आउट किया जो नौ गेंदों पर दो चौकों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए।

भारत को पहली सफलता

अर्शदीप सिंह ने क्विंटन डिकॉक को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। डिकॉक खाता खोले बिना आउट हुए।

हार्दिक पंड्या का शानदार अर्द्धशतक, भारत ने साउथ अफ्रीका को दिया 176 रनों का लक्ष्य

कटक। कटक के बाराबती स्टेडियम में मंगलवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत ने साउथ अफ्रीका को 176 रनों का लक्ष्य दिया। हार्दिक पंड्या टीम इंडिया के हीरो रहे, जिन्होंने मात्र 28 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रनों की विस्फोटक पारी खेली।

भारत के लिए तिलक वर्मा ने 26 और अक्षर पटेल ने 23 रनों का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट झटके। वहीं लुथो सिपाम्ला ने 2 और डोनोवन फरेरा ने 1 विकेट हासिल किया।

साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टॉस जीता कर भारत को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शुभमन गिल महज 4 रन बनाकर पहले ही ओवर में लुंगी एनगिडी की गेंद पर आउट हो गए। कुछ देर बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव भी भी 11 रन बनाकर लुंगी की गेंद पर पवेलियन लौट गए। 6 ओवर के बाद भारत का स्कोर 40-2 था। 7वें ओवर में भारत को तीसरा झटका लगा, जब अभिषेक शर्मा 17 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तिलक वर्मा और अक्षर पटेल में अच्छी साझेदारी बन रही थी। लेकिन 12वें ओवर में तिलक वर्मा 26 रन बनाकर आउट हो गए। 14वें ओवर में भारत को 5वां झटका लगा जब अक्षर पटेल 23 रन बनाकर आउट हो गए।

इसके बाद हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे के बीच अच्छी साझेदारी हुई। दोनों के बीच 19 गेंदों में 33 रनों की साझेदारी हुई। लेकिन 18वें ओवर में शिवम दुबे आउट हो गए। शिवम ने 11 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने 25 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया। हार्दिक पंड्या ने 28 गेंद में नाबाद 59 रन बनाये। पंडया की इस शानदार बल्लेबाजी की दम पर भारत ने साउथ अफ्रीका के सामने 176 रनों का लक्ष्य रखा।

आईपीएल 2026 नीलामी में शामिल खिलाड़ी और उनका बेस प्राइस

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए 16 दिसंबर को आबू धाबी में होने वाली नीलामी में 350 क्रिकेटरों के लिए ही बोली लगेगी। इनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी टीमें इन 350 खिलाड़ियों में से बचे हुए 77 स्थान के लिए खरीदारी करेंगी। केकेआर 64.3 करोड़ रुपये की सबसे अधिक धनराशि के साथ नीलामी में उतरेगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के पास 43.4 करोड़ रुपये की धनराशि बची है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद 25.5 करोड़ रुपये के साथ नीलामी में उतरेगी। इस नीलामी के लिए हाल में संन्यास से वापसी करने वाले दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक का नाम भी अंतिम सूची में शामिल किया गया है। उनका बेस प्राइस (आधार मूल्य) एक करोड़ रुपये है। इस सूची में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी शामिल हैं, जिनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। स्मिथ आखिरी बार 2021 में आईपीएल में खेले थे।

आईपीएल 2026 नीलामी में शामिल खिलाड़ियों की पूरी सूची

खिलाड़ी का नाम, देश, बेस प्राइस (लाख रुपये)

देवोन कॉनवे,न्यूजीलैंड, 200
जेक फ्रेजर-मैक्गर्क,ऑस्ट्रेलिया, 200
कैमरून ग्रीन,ऑस्ट्रेलिया, 200
सरफराज खान,भारत, 75
डेविड मिलर,दक्षिण अफ्रीका, 200
पृथ्वी शॉ,भारत, 75
गस एटकिंसन,इंग्लैंड, 200
वानिंदु हसरंगा,श्रीलंका, 200
दीपक हुड्डा,भारत, 75
वेंकटेश अय्यर,भारत, 200
लियाम लिविंगस्टोन,इंग्लैंड, 200
वीआन मुल्डर,दक्षिण अफ्रीका, 100
रचिन रवींद्र,न्यूजीलैंड, 200
फ़िन एलन,न्यूजीलैंड, 100
जॉनी बेयरस्टो,इंग्लैंड, 100
केएस भरत,भारत, 75
क्विंटन डी कॉक,दक्षिण अफ्रीका, 100
बेन डकेट,इंग्लैंड, 200
रहमानुल्लाह गुरबाज,अफगानिस्तान, 150
जेमी स्मिथ,इंग्लैंड, 200
गेराल्ड कोएत्ज़ी,दक्षिण अफ्रीका, 200
आकाश दीप,भारत, 100
जैकब डफी,न्यूजीलैंड, 200
फजलहक फारूकी,अफगानिस्तान, 100
मैट हेनरी,न्यूजीलैंड, 150
स्पेंसर जॉनसन,ऑस्ट्रेलिया, 150
शिवम मावी,भारत, 75
एनरिक नॉर्खिया,दक्षिण अफ्रीका, 200
मैथेशा पथिराना,श्रीलंका, 200
रवि बिश्नोई,भारत, 200
राहुल चाहर,भारत, 100
अकील हुसैन,वेस्ट इंडीज, 200
मुजीब रहमान,अफगानिस्तान, 200
महीश तीक्षणा,श्रीलंका, 200
मयंक अग्रवाल,भारत, 75
सदीकुल्ला अटल,अफगानिस्तान, 75
एकीम ऑगस्ट,वेस्ट इंडीज, 75
रीज़ा हेंड्रिक्स,दक्षिण अफ्रीका, 100
पथम निसानका,श्रीलंका, 75
टिम रॉबिन्सन,न्यूजीलैंड, 75
स्टीव स्मिथ,ऑस्ट्रेलिया, 200
राहुल त्रिपाठी,भारत, 75
शॉन एबॉट,ऑस्ट्रेलिया, 200
माइकल ब्रेसवेल,न्यूजीलैंड,200
बेन ड्वारशुइस,ऑस्ट्रेलिया,100
जैक फाउलक्स,न्यूजीलैंड,75
जेसन होल्डर,वेस्ट इंडीज,200
डैरिल मिशेल,न्यूजीलैंड,200
डैनियल सैम्स,ऑस्ट्रेलिया,100
दसुन शनाका,श्रीलंका,75
मैथ्यू शॉर्ट,ऑस्ट्रेलिया,100
टॉम बैंटन,इंग्लैंड,200
जॉर्डन कॉक्स,इंग्लैंड,75
शाई होप,वेस्ट इंडीज,200
जोश इंग्लिस,ऑस्ट्रेलिया,200
बेंजामिन मैकडरमॉट,ऑस्ट्रेलिया,75
कुसल मेंडिस,श्रीलंका,75
कुसल परेरा,श्रीलंका,100
टिम सीफर्ट,न्यूजीलैंड,150
काइल जैमीसन,न्यूजीलैंड,200
साकिब महमूद,इंग्लैंड,150
एडम मिल्ने,न्यूजीलैंड,200
लुंगीसानी एनगिडी,दक्षिण अफ्रीका,200
विलियम ओरूर्के,न्यूजीलैंड,200
मुस्तफिजुर रहमान,बांग्लादेश,200
चेतन सकारिया,भारत,75
कुलदीप सेन,भारत,75
उमेश यादव,भारत,150
कैस अहमद,अफगानिस्तान,75
रिशाद हुसैन,बांग्लादेश,75
मोहम्मद वकार सलामखिल,अफगानिस्तान,100
वियास्कंथ विजयकांत,श्रीलंका,75
रेहान अहमद,इंग्लैंड,75
कूपर कोनोली,ऑस्ट्रेलिया,200
टॉम करन,इंग्लैंड,200
बेवन-जॉन जैकब्स,न्यूजीलैंड,75
डैनियल लॉरेंस,इंग्लैंड,200
जॉर्ज लिंडे,दक्षिण अफ्रीका,100
गुलबदीन नैब,अफगानिस्तान,100
विलियम सदरलैंड,ऑस्ट्रेलिया,100
ब्यू वेबस्टर,ऑस्ट्रेलिया,125
तस्कीन अहमद,बांग्लादेश,75
रिचर्ड ग्लीसन,इंग्लैंड,75
अल्ज़ारी जोसेफ,वेस्ट इंडीज,200
शमर जोसेफ,वेस्ट इंडीज,75
राइली मेरेडिथ,ऑस्ट्रेलिया,150
झाय रिचर्डसन,ऑस्ट्रेलिया,150
नवदीप सैनी,भारत,75
नवीन-उल-हक,अफगानिस्तान,200
ल्यूक वुड,इंग्लैंड,75
मुहम्मद अब्बास,न्यूजीलैंड,75
चरिथ असलंका,श्रीलंका,100
रोस्टन चेस,वेस्ट इंडीज,120
लियाम डॉसन,इंग्लैंड,200
जॉर्ज गार्टन,इंग्लैंड,75
काइल मेयर्स,वेस्ट इंडीज,125
ड्वेन प्रिटोरियस,दक्षिण अफ्रीका,100
नाथन स्मिथ,न्यूजीलैंड,75
दुनिथ वेल्लालागे,श्रीलंका,75
जेसन बेहरेनडॉर्फ,ऑस्ट्रेलिया,150
तंजीम हसन साकिब,बांग्लादेश,75
मैथ्यू पॉट्स,इंग्लैंड,75
नाहिद राणा,बांग्लादेश,75
ओली स्टोन,इंग्लैंड,120
जोशुआ टंग,इंग्लैंड,100
संदीप वॉरियर,भारत,75
वेस्ले एगर,ऑस्ट्रेलिया,75
बिनुरा फर्नांडो,श्रीलंका,75
मो. शोरिफुल इस्लाम,बांग्लादेश,75
जोशुआ लिटिल,आयरलैंड,75
ओबेड मैकॉय,वेस्ट इंडीज,75
बिली स्टैनलेक,ऑस्ट्रेलिया,75

अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची

खिलाड़ी का नाम,देश,बेस प्राइस (लाख रुपये में)

आर्या देसाई,भारत,30
यश ढुल,भारत,30
अभिनव मनोहर,भारत,30
अनमोलप्रीत सिंह,भारत,30
अथर्व तायडे,भारत,30
अभिनव तेजराना,भारत,30
औकिब डार,भारत,30
राजवर्धन हंगरगेकर,भारत,40
तनुश कोटियन,भारत,30
शिवांग कुमार,भारत,30
महिपाल लोमरोर,भारत,50
कमलेश नागरकोटी,भारत,30
विजय शंकर,भारत,30
सनविन सिंह,भारत,30
एदेन टॉम,भारत,30
प्रशांत वीर,भारत,30
रुचित अहिर,भारत,30
वंश बेदी,भारत,30
मुकुल चौधरी,भारत,30
तुषार रहेजा,भारत,30
कार्तिक शर्मा,भारत,30
तेजस्वी सिंह,भारत,30
राज लिम्बानी,भारत,30
आकाश मधवाल,भारत,30
सुशांत मिश्रा,भारत,30
अशोक शर्मा,भारत,30
सिमरजीत सिंह,भारत,30
नमन तिवारी,भारत,30
त्यागी,भारत,30
यश राज पुंजा,भारत,30
विग्नेश पूथुर,भारत,30
कर्ण शर्मा,भारत,30
शिवम शुक्ला,भारत,30
कुमार कार्तिकेय सिंह,भारत,30
प्रशांत सोलंकी,भारत,30
वहीदुल्लाह जादरान,अफगानिस्तान,30
अंकित कुमार,भारत,30
रोहन कुन्नुमल,भारत,30
दानिश मलेवार,भारत,30
पुखराज मान,भारत,30
सलमान निज़ार,भारत,30
अमन राव पेराला,भारत,30
अक्षत रघुवंशी,भारत,30
मनन वोहरा,भारत,30
युवराज चौधरी,भारत,30
सात्विक देसवाल,भारत,30
अमन खान,भारत,30
दर्शन नालकंडे,भारत,30
विक्की ओस्तवाल,भारत,30
सैराज पाटिल,भारत,30
सुयश प्रभुदेसाई,भारत,30
मयंक रावत,भारत,30
हर्ष त्यागी,भारत,30
मंगेश यादव,भारत,30
सलिल अरोड़ा,भारत,30
रिकी भुई,भारत,30
राहुल बुद्धी,भारत,30
सौरव चौहान,भारत,30
यशवर्धन दलाल,भारत,30
अभिषेक पाठक,भारत,30
कुणाल राठौर,भारत,30
रवि सिंह,भारत,30
के.एम आसिफ,भारत,40
साकिब हुसैन,भारत,30
मोहम्मद इज़हार,भारत,30
विध्वथ कवेरप्पा,भारत,30
विजय कुमार,भारत,30
विद्याधर पाटिल,भारत,30
पीवी सत्यनारायण राजू,भारत,30
ओंकार तरमले,भारत,30

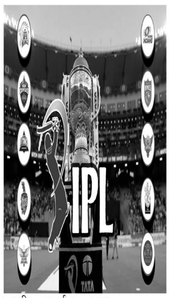

पृथ्वीराज यर्रा,भारत,30
शुभम अग्रवाल,भारत,40
मुरुगन अश्विन,भारत,30
तेजस बरोका,भारत,30
केसी करियप्पा,भारत,30
कार्तिक चड्ढा,भारत,30
प्रवीण दुबे,भारत,30
मोहित राठी,भारत,30
हिमांशु शर्मा,भारत,30
बालपुड़ी यशवंत,भारत,30
कुणाल चंदेल,भारत,30
आयुष दोसेजा,भारत,30
कमरान इकबाल,भारत,30
एम. धीरा कुमार,भारत,30
भानु पनिया,भारत,30
साहिल पारख,भारत,30
अर्श कबिन रंगा,भारत,30
आदर्श सिंह,भारत,30
मनोज भांडगे,भारत,30
मयंक डागर,भारत,30
राघव गोयल,भारत,30
मनवंत कुमार,भारत,30
आबिद मुश्ताक,भारत,30
जलज सक्सेना,भारत,40
अतीत सेठ,भारत,30
हृतिक शौकीन,भारत,30
जगदीशा सुचिथ,भारत,30
तन्मय त्यागरंजन,भारत,30
जो क्लार्क,इंग्लैंड,50
कॉनर एस्टरहुइज़न,दक्षिण अफ्रीका,30
अजितेश गुरुस्वामी,भारत,30
सिद्धार्थ जून,भारत,30
टॉम मूर्स,इंग्लैंड,40
बिपिन सौरभ,भारत,30
विष्णु सोलंकी,भारत,30
हार्दिक तमोरे,भारत,30
सयान घोष,भारत,30
मनी ग्रेवाल,भारत,30
अर्पित गुलेरिया,भारत,30
सुनील कुमार,भारत,30
ट्रिस्टन लूस,दक्षिण अफ्रीका,30
दिवेश शर्मा,भारत,30
अभिलाष शेट्टी,भारत,30
इरफ़ान उमैर,भारत,30
कुलदीप यादव,भारत,30
मनन भारद्वाज,भारत,30
श्रेयस चव्हाण,भारत,30
परिक्षित धानक,भारत,30
चिंतल गांधी,भारत,30
धर्मेन्द्रसिंह जडेजा,भारत,30
अमित कुमार,भारत,30
विशाल निषाद,भारत,30
सौम्य पांडे,भारत,30
झाथावेध सुब्रमण्यन,भारत,30
सचिन धस,भारत,30
माइल्स हैमंड,इंग्लैंड,30
अहमद इमरान,भारत,30
विश्वराजसिंह जडेजा,भारत,30
अयाज़ खान,भारत,30
डेनियल लेटेगन,इंग्लैंड,30
सिद्धांत राणा,भारत,30
आरोन वर्गीस,भारत,30
अथर्व अंकोलेकर,भारत,30
अब्दुल बाजिथ,भारत,30
करण लाल,भारत,30
शम्स मुलानी,भारत,30
रिपल पटेल,भारत,30
प्रिंस राय,भारत,30
विवरांत शर्मा,भारत,30
उत्कर्ष सिंह,भारत,30
आयुष वर्तक,भारत,30
संजय यादव,भारत,30
सैयद इरफान आफताब,भारत,30
ईसाक्विमुथु अय्याकुट्टी,भारत,30
प्रफुल हिंगे,भारत,30
पंकज जसवाल,भारत,30
कुलवंत खेजरोलिया,भारत,30
रवि कुमार,भारत,30
राजन कुमार,भारत,30
सफवान पटेल,भारत,30
इशान पोरेल,भारत,30
पूरव अग्रवाल,भारत,30
जिकु ब्रिघ,भारत,30
यश डिचोलकर,भारत,30
अरब गुल,अफगानिस्तान,40
रकिबुल हसन,बांग्लादेश,30
ट्रेवीन मैथ्यू,श्रीलंका,30
नमन पुष्पक,भारत,30
इजाज सावरिया,भारत,30
रोशन वागशारे,भारत,30
आर.एस अमरीश,भारत,30
निखिल चौधरी,भारत,40
क्रेन्स फुलेत्रा,भारत,30
मैकनील नोरोन्हा,भारत,30
आर राजकुमार,भारत,30
निनाद राथवा,भारत,30
सनी संधू,भारत,30
शिवालिक शर्मा,भारत,30
सिद्धार्थ यादव,भारत,30
आर. सोनू यादव,भारत,30
वसीम खान्डे,भारत,30
अतीफ मुश्ताक,भारत,30
अटल राय,भारत,30
सी. रक्षण रेड्डी,भारत,30
मनीष रेड्डी,भारत,30
निशांत सारानु,भारत,30
देवेन्द्र सिंह,भारत,30
रजत वर्मा,भारत,30
रोहित यादव,भारत,30
एमनजोत चहल,भारत,30
शुभंग हेगड़े,भारत,30
बाल कृष्ण,भारत,30
विहान मल्होत्रा,भारत,30
खिलान पटेल,भारत,30
डेलानो पोटगीटर,दक्षिण अफ्रीका,30
हार्दिक राज,भारत,30
सार्थक रंजन,भारत,30
पार्थ रेखाडे,भारत,30
टिया वैन वुउरेन,दक्षिण अफ्रीका,30
श्रीवत्स आचार्य,भारत,30
सादेक हुसैन,भारत,30
शुभम कापसे,भारत,30
आकिब खान,भारत,30
साबिर खान,भारत,30
बायांडा माजोला,दक्षिण अफ्रीका,30
श्रीहरी नायर,भारत,30
बृजेश शर्मा,भारत,30
अमन शेखावत,भारत,30
हिमांशु बिष्ट,भारत,30
श्रेयन चक्रवर्ती,भारत,30
कनिष्क चौहान,भारत,30
मयंक गुसाईं,भारत,30
आकाश पुगाझान्थी,भारत,30
अभिमन्युसिंह राजपूत,भारत,30
शुभम राणा,भारत,30
अर्पित राणा,भारत,30
मारामरेड्डी रेड्डी,भारत,30
सागर सोलंकी,भारत,30
आर्यमन सिंह धालीवाल,भारत,30
दक्ष कामरा,भारत,30
विशाल मंडवाल,भारत,30
अरफज मोहम्मद,भारत,30
हेमंग पटेल,भारत,30
मृदुल सुर्रोच,भारत,30
अनुज ठाकराल,भारत,30
पार्थ वत्स,भारत,30
ललित यादव,भारत,30
नितिन साई यादव,भारत,30
कृष भगत,भारत,30
प्रेरित दत्ता,भारत,30
सम्मर गज्जर,भारत,30
नासिर लोन,भारत,30
इशान मूलचंदानी,भारत,30
अखिल स्कारिया,भारत,30
मुहम्मद शरफुद्दीन,भारत,30
के. अजय सिंह,भारत,30
रितिक टाडा,भारत,30
लकीराजसिंह वाघेला,भारत,30
मोहम्मद अली,भारत,30
माधव बजाज,भारत,30
अक्षु बाजवा,भारत,30
जैक एडवर्ड्स,ऑस्ट्रेलिया,50
डियन फॉरेस्टर,दक्षिण अफ्रीका,30
धुरमिल मटकर,भारत,30
शिवा सिंह,भारत,30
परिक्षित वालसांगकर,भारत,30
वरुण राज सिंह बिष्ट,भारत,30
ऋषभ चौहान,भारत,30

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी - संजय बांगड़

कार्यभार प्रबंधन का ध्यान रखा जाना चाहिये

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।'वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है। ' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त ज़िम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं। ।'

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in ,

क्रमांक/ 869 /खनिज/2025 बालाघाट दिनांक 04 /12/ 2025

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मॉयल लिमिटेड, 1-ए मॉयल भवन काटोल रोड नागपुर (महा.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्ति दिनांक 09.10.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 760 दिनांक 29.10.2025 को प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 24.12.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	लालबर्रा	कनकी	727	4.413 हे.	शासकीय	पुनर्भरण हेतु रेत	आवेदक के पक्ष में पूर्व से उत्खनिपट्टा स्वीकृत है। आवेदक द्वारा नवकरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी-22482/25

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

'सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930'

6 महीने से पार्वती को अनुग्रह सहायता राशि नहीं मिली!!

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या : 65 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 09 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 65 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत वारासिवनी के ग्राम लडसड़ा की पार्वती बाई सम्बल योजना की अनुग्रह सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। पार्वती का कहना था कि उसके पति नंदकिशोर की 23 अप्रैल 2022 को मृत्यु हो गयी है। उसके पति का संबल कार्ड भी बना है। उसने बताया कि संबल कार्ड से सहायता राशि प्राप्त करने के लिए जनपद पंचायत वारासिवनी में आवेदन भी प्रस्तुत किया गया है, जिसे 180 दिन हो चुके है, लेकिन अब तक उसे अनुग्रह सहायता राशि नही मिल पायी है। इस संबंध में जिला श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट कार्यालय सामान्य निर्वाचन के सेवानिवृत्त भृत्य लखनलाल सोनवाने शिकायत लेकर आए थे कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी उसे पेंशन व जीआईएस बीमा राशि का लाभ नही मिल पा रहा है। लखनलाल ने बताया कि वह 30 जून 2025 को कार्यालय सामान्य निर्वाचन से भृत्य के पद से सेवानिवृत्त हो चुका है तथा उसने पूरी जिम्मेदारी व तन्मयता के साथ शासन को अपनी सेवाए दी है। लखनलाल ने बताया कि उसे सेवानिवृत्त हुए 06 माह हो गए है लेकिन अब तक न ही पेंशन प्राप्त हुई है और न ही अवकाश नगदीकरण जीआईएस बीमा की राशि का भुगतान किया गया है। इस संबंध में जिला पेंशन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम कंजई के रूपलाल सलामे शिकायत लेकर आए थे कि उसे वन विभाग द्वारा अब तक पीएफ का पैसा प्रदाय नही किया गया है। रूपलाल ने बताया कि उसने वर्ष 2001 से 2012 तक वन विकास निगम कनकी डिपो में चौकीदार के पद पर कार्य किया है। वर्ष 2004 से 2012 तक लगातार उसके वेतन से पीएफ का पैसा काटा गया है, जिसे निकालने के लिए उसने पिछले वर्ष ही बालाघाट डिविजन कार्यालय में फार्म जमा किया था, लेकिन अब तक उसके खाते में पीएफ का पैसा जमा नही कराया गया है। इस संबंध में एसडीओ फॉरेस्?ट को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बैहर तहसील के ग्राम उमरदेही के ग्रामीण ग्राम में नवीन कोटवार पद स्थापना की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों ने बताया कि उनके ग्राम में नवीन कोटवार पद स्वीकृत नही है, जिस वजह से उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नही मिल पाती है और वह शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते है। इस प्रकरण में तहसीलदार बैहर को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। जनपद पंचायत खैरलांजी के ग्राम भानपुर की फुलवंता डहारे शिकायत लेकर आयी थी कि उसकी रजिस्ट्री होने के बावजूद भी उसका स्टाम्प पेपर पास नही किया गया है। फुलवंता ने बताया कि 05 जुलाई 2023 को वारासिवनी रजिस्ट्रार कार्यालय में राजस्व भू-अभिलेख अधिकारी द्वारा भूमि रजिस्ट्री करवाई गई थी, जिसका आज तक स्टांप पेपर पास नही हुआ है। स्टांप पेपर पास नही होने के कारण उसे कृषि संबंधित खाद बीज, नगदी राशन सेवा सहकारी समिति से नही मिल पा रहा है। इस संबंध में तहसीलदार खैरलांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में बैहर रोड बालाघाट के नागरिक आवारा कुत्तों से छुटकारा दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि उनके एरिया में आवारा कुत्तों की तादाद बढ़ती जा रही है। आए दिन किसी न किसी के साथ कुत्तों के काटने का मामला सामने आ रहा है। 15 दिन पहले ही बब्बू मिस्त्री की कुत्ते के काटने से मृत्यु हो गई, वहीं 05 दिन पहले एक 08 साल की बच्ची को कुत्ते ने काट दिया है जिसकी हालत नाजूक है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से इस पर आवश्यक कार्यवाही की गुहार लगाई है। इस प्रकरण में कलेक्टर मीना ने सीएमओ बालाघाट को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत कन्हड़गांव के सरपंच उनके गांव में रोजगार सहायक की नियुक्ति की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत कन्हड़गांव में विगत 02 वर्षों से रोजगार सहायक का पद रिक्त है, जिस वजह से उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। इस संबंध में परियोजना अधिकारी मनरेगा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

शासकीय महाविद्यालय लामता में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता में 09 दिसंबर को रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा महावीर इंटरनेशनल लामता के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के नेतृत्व में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लामता एवं जिला चिकित्सालय बालाघाट के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत लामता के सरपंच श्री हुलासमल कोचर, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विनोद बोथरा, महावीर इंटरनेशनल लामता अध्यक्ष सुशील कोचर, डी एल हिरेंद्रवार ,धनेश असाटी,तथा प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुंदरलाल बिसेन द्वारा सरस्वती माता एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में विद्यार्थियों व समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, जिसमें कुल 30 यूनिट रक्त एकत्रित किए गए। इसके साथ ही 127 छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की विस्तृत जांच की गई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों का जीवन बचा सकता है, इसलिए प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, रेड रिबन क्लब के सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लामता से लैब टेक्नीशियन प्रदीप गौर, राम प्रसाद कुमरे तथा जिला चिकित्सालय बालाघाट के ब्लड बैंक से श्रीमती श्यामा घालेकर, श्रीमती कामिनी पांद्रे, वैशाली डोंगरे, सुरेश पवार और योगेश साहू उपस्थित रहे।

किसानों की डिजिटल पहचान के लिए फार्मर आईडी बनवाना अनिवार्य

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में किसानों की डिजिटल पहचान और फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य तेजी से जारी है। शासन के निर्देशानुसार सभी किसानों के लिए स्न्ड्डह्द्दह्व ड्ढ बनवाना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही किसानों की सभी भूमि खसरा संख्याओं को स्न्ड्डह्द्दह्व ड्ढ से लिंक करना भी आवश्यक है।

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि आने वाले समय में फसलों की समर्थन मूल्य (रूस्क्क) पर खरीदी व्यवस्था पूरी तरह स्न्ड्डह्द्दह्व ऋद्दद्बह्यह्लह्म्4 से जुड़े किसानों के आधार पर ही की जाएगी। जिन किसानों की स्न्ड्डह्द्दह्व ड्ढ बनी होगी और जिनके सभी खसरे उससे जुड़े होंगे, केवल वही किसान सरकारी खरीद का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा क्क- चद्मस्न्ह्व योजना का लाभ प्राप्त करने, खाद-बीज की खरीद तथा अन्य कृषि संबंधी सुविधाओं के लिए भी स्न्ड्डह्द्दह्व ड्ढ से खसरे लिंक होना अनिवार्य कर दिया गया है।

जिले के समस्त किसानों से अपील की गई है कि यदि उनकी फार्मर आईडी बन चुकी है, लेकिन खसरे लिंक नहीं हुए हैं, तो तत्काल अपने संबंधित पटवारी से संपर्क कर खसरे लिंक करवाएं। और यदि फार्मर आईडी अभी तक नहीं बना है, तो शीघ्रता से फार्मर आईडी बनवाकर अपनी सभी भूमि विवरण जोड़ें। किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित समय के भीतर यह प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि भविष्य में किसी भी सरकारी योजना या खरीद व्यवस्था से वंचित न रह जाएं।

गोरेघाट के जंगल में 3000 किलो महुआ लाहन और 40 लीटर हाथ भट्टी शराब की जब्त

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मदिरा का अवैध रूप से निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और आबकारी विभाग सतत अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी में 09 दिसंबर को आबकारी विभाग द्वारा एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी वृत कटंगी की टीम ने ग्राम गोरेघाट के जंगल में नाला किनारे छापामार कार्रवाई की गई। मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ली, जहां मदिरा के अवैध निर्माण के लिए प्लास्टिक की बोरियों में भरा हुआ लगभग 3000 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई है। मौके पर शेष लाहन को नष्ट कर दिया गया।

आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई एवं विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक एवं वृत प्रभारी संदीप श्रीवास, मुख्य आरक्षक द्वारसिंह उइके, आरक्षक टीकाराम शरणागत, आरक्षक अतरलाल उइके शामिल रहे। अवैध मदिरा व्यवसाय पर रोक लगाने के लिए जिले में इस प्रकार की निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में आयोजित किया गया स्वास्थ्य जांच शिविर एवं एड्स जागरूकता पखवाड़ा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के द्वारा उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ निधि ठाकुर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर के अंतर्गत जिला चिकित्सालय की टीम द्वारा छात्राओं का बीएमआई जांच एवं रक्त जांच जैसे हीमोग्लोबिन, एनीमिया एवं सिकल सेल एनीनिया जांच कराई गई। साथ ही छात्राओं को मुफ्त में दवाई भी वितरित की गई।

एड्स जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत 06 दिसम्बर को एक दिवसीय कार्यशाला में निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. परेश उपलव सीएचएमओ बालाघाट, मुख्य वक्ता सीमा मिर्जा आईसीटीसी काउन्सलर, रोशनी टेंभरे स्वास्थ्य विभाग एवं राजाराम चक्रवती प्रोजेक्ट आफिसर डीईआईसी बालाघाट उपस्थित रहे। सीएचएमओ डॉ. उपलप द्वारा एड्स की विश्वव्यापी स्थिति एवं इस विषय पर जागरूकता की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला गया। आईसीटीसी काउन्सलर सीमा मिर्जा द्वारा कार्यशाला में छात्राओं को एड्स बीमारी के लक्षण, बचाव एवं सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही रेड रिबन क्लब की छात्राओं के द्वारा एड्स से संबंधित जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के आयोजन में समस्त महाविद्यालय परिवार का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रेड रिबन प्रभारी श्रीमती दिप्ती गढ़पाले एवं एन.एस.एस. प्रभारी श्रीमती तनुश्री कोठे द्वारा सफलता पूर्वक किया गया।

12 हजार 655 किसानों से 132.66 करोड़ रुपए की, 05 लाख 59 हजार 991 क्विंटल धान की हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में 185 केंद्रो पर 01 दिसम्?बर से धान की खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 09 दिसम्बर की शाम तक जिले के 66 हजार 344 किसानों द्वारा धान विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की गई है, इनमें से 12 हजार 655 किसानों से 05 लाख 59 हजार 991 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 132 करोड़ 66 लाख 18 हजार 679 रुपए का भुगतान किया जाना है। किसानों से खरीदे गए 01 लाख 70 हजार 200 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया जा चुका है। अब तक किसानों को 02 करोड़ 16 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खातों में किया जा चुका है।

गोदाम स्तर पर बनाए गए केंद्रो पर धान खरीदी के दौरान किसानों का भुगतान 03 दिनों के भीतर हो जा रहा है। गोदाम स्तरीय 59 केंद्रो पर 02 लाख 16 हजार 960 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। गोदाम स्तरीय केंद्र में धान विक्रय करने वाले किसानों के भुगतान आदेश जेआईटी पोर्टल पर पहुंच गए है और शीघ्र ही राशि किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। समिति स्तर पर बनाए गए 126 केंद्रों पर 03 लाख 42 हजार 931 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। समिति स्तर के केंद्रों पर धान विक्रय करने वाले किसानों को भुगतान में कुछ दिनों का इंतजार करना होगा। खरीदी केंद्र से गोदाम में धान पहुंचने पर ही उसके भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जबकि गोदाम स्तर के केंद्र पर धान विक्रय करने के साथ ही भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। जिले के जिन खरीदी केंद्रो पर अधिक मात्रा में धान की खरीदी हो रही है, उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी खरीदी केंद्रो पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। किसानों से अपील की गई कि वे अपनी धान को अच्छी तरह से साफ कर एवं सुखाकर ही विक्रय के लिए लाए। खरीदी केंद्रो पर शासन द्वारा निर्धारित एफएक्यू गुणवत्ता की धान ही खरीदी जाएगी। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 01 लाख 30 हजार 37 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया गया है।

5 सरपंच एवं 42 पंचो के निर्वाचन के लिए अधिसूचना जारी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित पंचायतों के उप निर्वाचन कार्यक्रम-2025 के अनुसार बालाघाट जिले में सरपंच के 05 पद एवं पंचो के 42 पदो पर निर्वाचन के लिए 08 दिसम्बर को निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन कर दिया गया है और इसके साथ ही प्रत्याशियों के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करना शुरू कर दिया गया है। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर को दोपहर 03 बजे तक निर्धारित है। बालाघाट जिले की बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत पल्हेरा, वारासिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत कचेखनी, लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत उकवा में सरपंच के रिक्त पद की पूर्ति के लिए उप निर्वाचन कराया जा रहा है। इसी प्रकार बालाघाट विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव, आंवलाझरी, भरवेली, लांजी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचेवाही, चिखलामाली, बापड़ी, किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत जामडी, परसवाड़ा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत उडदना, बघोली, पोंगारझोड़ी, सिंघई, बिरसा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत साल?हेवाड़ा, जमुनिया, वारासिवनी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, सिर्रा, वारा, कटंगी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत खरपड़िया, धनकोसा तथा लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर, बल्हारपुर व कामथी में पंच के 01-01 रिक्त पद की पूर्ति के लिए उप निर्वाचन कराया जा रहा है। बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत रघोली में 02, कचनारी में 07, बहेराभाटा में 06, सालेटेकरी में 04 एवं लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत लेण्डेझरी में पंच के 02 रिक्त पदों की पूर्ति के लिए उप निर्वाचन कराया जा रहा है। 05 सरपंच एवं 42 पंचो के निर्वाचन के लिए 08 दिसम्बर को संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन कर दिया गया है और इसके साथ ही प्रत्याशियों के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करना शुरू कर दिया गया है। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर को दोपहर 03 बजे तक जमा किये जा सकते है। प्रत्याशियों द्वारा जमा किये गए नाम निर्देशन पत्रों की जांच का कार्य 16 दिसम्बर को किया जाएगा। जो प्रत्याशी चुनाव नही लड़ना चाहेंगे वे 18 दिसम्बर को दोपहर 03 बजे तक अपने नाम वापस ले सकते है। नाम वापसी के बाद शेष बचे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये जाएंगे। आवश्यक होने पर 29 दिसम्बर को प्रात॒ 07 बजे अपरान्ह 03 बजे तक निर्धारित मतदान केंद्रो पर मतदान कराया जाएगा। पंच की मतगणना 29 दिसम्बर को मतदान केंद्र पर ही मतदान समाप्त होने के बाद की जाएगी। जबकि सरपंच के मतो की गणना 02 जनवरी 2026 को विकासखंड मुख्यालय पर प्रात॒ 08 बजे से की जाएगी।

बालाघाट माली फूलमाली समाज सेवा समिति का वार्षिक उत्सव समारोह 14 को

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बालाघाट माली फूलमाली समाज सेवा समिति का वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 14 दिसंबर रविवार को गायखुरी के महात्मा फूले भवन में किया जाएगा जिसके तहत स्नेह मिलन, वार्षिक उत्सव ,नवयुवक- युवती परिचय सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे जो सुबह 10 बजे से लेकर देर शाम तक चलेंगे। जिला माली फूलमाली समाज सेवा समिति द्वारा बताया गया कि इस वार्षिक उत्सव समारोह के दौरान सुबह 10 बजे से 11 बजे तक बच्चों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, 11 से 11.15 तक महात्मा ज्योतिबा फूले एवं सावित्री बाई फूले के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं वंदना,11.30 से दोपहर 12 बजे तक स्वागत गीत, दोप. 12 से 1 बजे तक नवयुवक - नवयुवतियों का परिचय, दोप.1 से 2 बजे तक बच्चों के द्वारा गीत एवं भाषण प्रस्तुति, 2 से 3 बजे तक अतिथियों का स्वागत, 3 से 4 बजे तक अतिथियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा उद्बोधन, शाम 4 से 4.30 बजे तक अकादमी एवं प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार वितरण व शाम 4.30 बजे आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौरीशंकर बिसेन(पूर्व केबिनेट मंत्री म.प्र. शासन), विशिष्ट अतिथि श्रीमती मौसम हरिनखेड़े अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य (राज्य मंत्री), श्रीमती भारती ठाकुर अध्यक्ष नगरपालिका परिषद बालाघाट, योगेश बिसेन उपाध्यक्ष नपा बालाघाट, प्रमुख अतिथि यू.आर. माटे सेवानिवृत्त पुलिस विभाग बालाघाट, यू.के. बागड़े सेवानिवृत्त स्वास्थ्य विभाग बालाघाट, बी.एन. लांजेवार सेवानिवृत्त उपयंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, एफ.सी. लांजेवार सेवानिवृत्त पंचायत विभाग, सुरेश नन्दरधने

सेवानिवृत्त खनिज विभाग तिरोड़ी, मुरलीधर बनकर सेवानिवृत्त पंचायत विभाग तिरोड़ी, कार्यक्रम अध्यक्ष एल.सी. लांजेवार जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी बालाघाट प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। समिति द्वारा उठना आयोजन पर स्वजातीय बन्धुओं से कार्यक्रम में सहर्ष एवं समय पर पहुंचकर इस विशाल समारोह को सफल बनाने और अपनी एकजुटता का परिचय देंने की अपेक्षा की गई है। साथ ही उन्होंने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों का पंजीयन कराने के लिए आवश्यक जानकारी संलग्न प्रपत्र में भरकर अपने नजदीकी गांव के फूलमाली समाज प्रमुख, क्षेत्रीय, अध्यक्ष / जिलाध्यक्ष / जिला कार्यकारिणी के पास जमा कराने की बात कहते हुए। उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक बन्धुओ के पहुंचने की अपील की है।

गर्ल्स कॉलेज में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, छात्राओं की हुई जांच, दिया गया परामर्श

फोटो

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला चिकित्सालय बालाघाट की चिकित्सकीय टीम द्वारा मंगलवार को शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्थानीय शासकीय गर्ल्स कॉलेज में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ ।स्वास्थ्य शिविर के दौरान कॉलेज की छात्राओं का मौसमी बीमारियों और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों द्वारा रक्त जांच के माध्यम से सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग भी की गई। जांच उपरांत छात्राओं को आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं तथा उन्हें स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी चिकित्सकीय सलाह भी दी गई ।चिकित्सकीय टीम ने छात्राओं को संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व की जानकारी दी। शिविर में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कॉलेज प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

न्यूज गैलरी

13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 13 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में यह नेशनल लोक अदालत बालाघाट के सभी जिला न्यायालयों, तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, कुटुम्ब न्यायालय में आयोजित की जाएगी। नेशनल लोक अदालत में न्यायलयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक मनी रिकवरी संबंधी मामले, एमएसीसी प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण एवं जल कर, विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण और दीवानी इत्यादि विभिन्न प्रकृति के महत्वपूर्ण मामले रखे जाएंगे। इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन प्रकरण भी नेशनल लोक अदालत में रखे जाएंगे, जिसमें लोक अदालत की खण्डपीठों के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

ओम साई मेडिकल एन्ड सर्जिकल दुकान में लगी भीषण आग

शार्ट सर्किट बताया जा रहा आगजनी का कारण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार की शाम नगर के गुजरी बाजार वार्ड नं 15 में उस वक्त हंगामा मच गया जब गौली मोहल्ला स्थित 1दवाई की दुकान में भीषण आग लग गई। हालांकि आगजनी की असली वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है लेकिन शॉर्ट सर्किट होने के चलते आग लगी होगी ऐसी आशंका जताई जा रही है। आगजनी की इस घटना से चारों ओर मची पुकार मच गई ।हालांकि आगजनी की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुची, लेकिन इसके पूर्व ही स्थानीय व्यापारियों की मदद से उक्त आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी ।जहां आगजनी की इस घटना से दुकान में रखी कुछ दवाइयां जलकर खाक हो चुकी थी। जिससे दुकान संचालक अमित नैनवानी को लाखों रुपए का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

लोगों ने दुकान संचालक को दी आगजनी की सूचना

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के गुजरी बाजार वार्ड नं 15 गौली मोहल्ला में पिछले कई वर्षों से अमित नैनवानी द्वारा ओम साई मेडिकल एवं सर्जिकल स्टोर्स नाम से दवा दुकान का संचालन किया जा रहा है ।जहां मंगलवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई ।बताया जा रहा है कि दुकान संचालक अमित नैनवानी रोजाना की तरह मंगलवार की शाम को दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे जिसके एक करीब एक घंटे बाद राहगीरों एंव स्थानीय व्यापारियों को दुकान से आग की लपटें निकलती हुई दिखाई दी। जिसकी सूचना उन्होंने दुकान संचालक को मोबाइल पर दी। जहां सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे दुकान संचालक और अन्य स्थानीय दुकानदारों ने मामले की सूचना तत्काल नगरपालिका फायर ब्रिगेड को दी ।वहीं वे अपने अपने स्तर से उक्त आग को बुझाने का प्रयास करने लगे। जहां स्थानीय व्यापारियों ने बाल्टी और मोटरपंप में लगे शटर के माध्यम से फायर ब्रिगेड पहुंचने के पूर्व ही दुकान में लगी उक्त आग पर काबू पा लिया।

तो भरी जान माल का हो सकता था नुकसान

गुजरी बाजार में हुई आगजनी की इस घटना में समय रहते दुकान में लगी इस भीषण आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन यदि यह आग देर रात को लगती या समय पर आग पर काबू नहीं पाया गया होता तो यह आग आसपास की अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लेती और इससे भारी जानमाल का नुकसान उठाना पड़ सकता था।

किसी भी दुकान में नहीं थे अग्निशामक यंत्र

नगर के गुजरी बाजार में पर्या:दुकानें एक दूसरे से सटी हुई है। जहां सुबह से लेकर देर शाम तक भारी भीड़ देखी जाती है ।लेकिन इस आगजनी की घटना के दौरान यह बात देखने में आई थी भीड़ भाड़ वाला क्षेत्र होने के बावजूद और घनी दुकानों के बीच किसी भी दुकान में अग्निशामक यंत्र रखा हुआ दिखाई नहीं दिया ।नहीं ना ही आसपास किसी भी दुकानों में आगजनी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पानी या रेत जैसे कोई इंतजाम देखने को मिले ।यदि ऐसे में देर रात्रि आग लग जाए तो संपूर्ण बाजार आग की चपेट में आ सकता है जिसमें भारी जानमाल का नुकसान उठाना पड़ सकता है ।

नगर में नियम विरुद्ध बनाया जा रहा बहुमंजिला भवन!!

स्थानीय नागरिकों ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन, कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड क्रमांक 22 स्थित लीलावती कॉलेज के पास हनुमान मंदिर के पीछे निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस संबंध में मंगलवार को जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपते हुए नियम विरुद्ध निर्माण की जांच कर कार्रवाई की मांग की है ।शिकायत में बताया गया है कि पंकज डोंगरे एवं राहुल देव डोंगरे पिता शिवशंकर डोंगरे द्वारा उक्त भूखंड पर बहुमंजिला फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है, जो नगर पालिका और टीएनडीसी द्वारा स्वीकृत मानचित्र की शर्तों के विपरीत है। स्वीकृति पत्र के अनुसार भू-तल में पूर्ण पार्किंग तथा उसके ऊपर केवल तीन मंजिला निर्माण की अनुमति दी गई है, जबकि भवन मालिक द्वारा चौथी मंजिल का भी निर्माण किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार भवन में प्रत्येक मंजिल पर दो फ्लैट बनाकर कुल आठ फ्लैट तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें बेचने की मंशा है। वहीं स्वीकृत मानचित्र में भू-तल को पूरी तरह पार्किंग के लिए आरक्षित किया गया था, किंतु वहां कार्यालय का निर्माण कर दिया गया है। इसके अलावा भवन के चारों ओर निर्धारित जगह भी नहीं छोड़ी गई, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका जताई गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था न होने से फ्लैट में निवास करने वाले लोगों के वाहन सड़क पर खड़े होंगे, जिससे यातायात बाधित होगा और आए दिन अव्यवस्था की स्थिति बनेगी। साथ ही अग्निकांड जैसी आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड के लिए भवन के पिछले हिस्से तक पहुंचना संभव नहीं होगा, जिससे जनहानि का खतरा भी बना रहेगा।

भविष्य में होने वाली समस्या और अव्यवस्था पर लगाई जाए तुरंत रोक सुशील वर्मा

स्थानीय नागरिक सुशील वर्मा सहित अन्य रहवासियों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की जांच कराकर नियम विरुद्ध बनाई जा रही चौथी मंजिल के निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए, अनधिकृत निर्माण को हटवाया जाए तथा नगर पालिका द्वारा जारी अनुज्ञा पत्र के अनुरूप ही निर्माण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि भविष्य में होने वाली समस्याओं और अव्यवस्था को रोका जा सके ।शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित भवन में पड़ोसी भूखंड की ओर दरवाजे और खिड़कियां खोली गई हैं, जिससे भविष्य में असुविधा और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

बैहर रोड़ में बढ़ गया आवारा कुत्तों का आतंक !!

पार्षद प्रतिनिधि सहित परेशान नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पूरे बालाघाट नगर में कुछ वर्ष पूर्व से शुरू हुई आवारा श्वानों से परेशानी की समस्या अब बढ़ते जा रही है। आलम यह हो गया है कि शहर के प्रमुख चौराहों व गलियों से राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो रहा है ।हाथों में बैग व थैला लेकर चलने वाले राहगीरों को ये आवारा श्वान न सिर्फ दौड़ाकर भयभीत कर रहे हैं, बल्कि अपने जहरीले नुकीले दांतों व पंजों से वार कर उन्हें जख्मी भी कर रहे हैं। नगर में आवारा श्वानों की तादाद इतनी अधिक बढ़ गई है कि अब लोग अपने बच्चों को अकेले घर से बाहर भेजने में भी हिचकिचाने लगे हैं जहां नगर के मुख्य मार्ग सहित अंदर गलियों में भी आवारा कुत्तों का खौफ देखा जा रहा है। कुत्तों का सबसे ज्यादा आतंक बैहर रोड़ में देखने को मिल रहा है। जहां आए दिन कुत्तों के हमले से लोग घायल हो रहे हैं जिसमें कुछ लोगों की मृत्यु हो चुकी है ऐसा आरोप लगाते हुए नगर के बैहर रोड वार्ड नंबर 3 पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान सहित अन्य युवाओं ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपते हुए परिसरवासियों को कुत्तों के आतंक से मुक्ति दिलाने और उचित उपचार की व्यवस्था किए जाने की गुहार लगाई है।

तत्काल किया जाए समस्या का निराकरण- सोहेल

पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान सहित अन्य युवाओ ने बताया कि बैहर रोड़ में आवारा कुत्तों के लगातार हमलों के कारण इलाके में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का रहना मुश्किल हो गया है। हाल ही में 15 दिन पहले बब्बी मिस्त्री नामक व्यक्ति को आवारा कुत्तों ने काटा था, जिसकी रैबिज संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई। इसके अलावा 5 दिन पहले एक 8 साल की बच्ची को भी कुत्तों ने काटा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। आवारा कुत्ते अक्सर समूह बनाकर लोगों पर हमला करते हैं, जिससे इलाके में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है ।हमारी मांग है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि आवारा कुत्तों का सही उपचार करे और उनके कारण होने वाली स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी समस्याओं को तुरंत नियंत्रित किया जाए,

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

**संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!**

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता

समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ

रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

**आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]**

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

तेजरफ्तार स्कार्पियो ने स्कूटी को टक्कर मारी -दो घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किरनापुर थाना अंतर्गत ग्राम रजेगांव समीप फोरलेन में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने स्कूटी को चपेट में ले लिया। इस सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो की ठोकर से स्कूटी में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। घायल दोनों व्यक्ति हिवराज पिता ताराचंद धावडे 45 वर्ष

और शिशुपाल पिता कालू उके 30 वर्ष दोनो ग्राम गात्रा थाना रावनवाड़ी जिला गोंदिया निवासी है जिनका इलाज गोंदिया के अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 दिसंबर को 12:00 बजे करीब हिवराज धावडे अपने दोस्त शिशुपाल उके को स्कूटी में अपने घर ग्राम गात्रा से ग्राम पिपरझरी बम्हनी(थाना हट्टा) छोड़ने जा रहा था। तभी रजेगांव शराब भट्टी के सामने फोरलेन में सामने से तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो ने स्कूटी को चपेट में ले लिया। स्कॉर्पियो की जबरदस्त होकर से स्कूटी में सवार युवराज धावडे और उसका दोस्त शिशु पाल उके दोनों घायल हो गए। इस सड़क दुर्घटना की सूचना मिलती ही रजेगांव पुलिस चौकी प्रभारी ग्लैडविन छत्रिया अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायल को अपने वाहन से किरनापुर अस्पताल ले जाकर भर्ती किये। किरनापुर अस्पताल से दोनों घायल को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जिन्हें गोंदिया के अस्पताल में भर्ती किया गया है। किरनापुर पुलिस ने हिवराज धावडे 45 वर्ष के बयान लेकर स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 07 एम ए 0351 के चालक के विरुद्ध खतरनाक तरीके से तेजरफ्तार लापरवाही पूर्वक स्कॉर्पियो चलाकर दुर्घटना कारित करने के आरोप में धारा 281 125(a) भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट